ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राशन कार्ड उपलब्ध न होने पर ई-केवाईसी अनिवार्य: स्पीकर यू टी खादर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 19 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-258

त्रिपोली से कोलंबो और ढाका से काठमांडू तक एक ही समानता

बड़ी प्लानिंग से आंदोलनकारियों को हिंसा के लिए भड़काया

नेपाली युवकों के सिर पर गोलियां मारने वाले स्नाइपर कौन थे?

शुभ-लाभ सरोकार

त्रिपोली से कोलंबो और ढाका से काठमांडू तक हुए सत्ता विद्रोह के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शनों में स्नाइपर राइफलों के इस्तेमाल में समानता पाई गई है। गोलियों के प्रकार से एक ही तरह के हथियारों के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। वे ऐसे हथियार हैं, जो आम प्रदर्शनकारियों तक पहुंच नहीं सकते और न आम प्रदर्शनकारी उसका इस्तेमाल कर सकता है। फिर कहां से आए ऐसे स्नाइपर राइफल और उनका इस्तेमाल किन लोगों ने किया? इन सवालों की छानबीन में सनसनीखेज तथ्य सामने आ रहे हैं। प्रदर्शनकारियों को ये नाटो हथियार किसने दिए और उन्हें इसे चलाने और सटीक निशाना लगाने की ट्रेनिंग किसने दी? यह प्रश्न काठमांडू से लेकर भारत और तमाम देशों की खुफिया एजेंसियों को मथ रहे हैं।

8 सितंबर 2025 को नेपाल की राजधानी काठमांडू में अराजकता चरम पर पहुंच गई और विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला हिंसक और जानलेवा होता चला गया। कई युवा प्रदर्शनकारियों को प्रदर्शन करते हुए गोली मार दी गई। गोलियां इतनी घातक और मारक थीं कि उनके चेहरे तक विकृत हो गए। जिन्हें गोलियां लगीं वे आम युवा प्रदर्शनकारी थे, जिनमें से कई की कमीजों के बटन आधे खुले थे, लंबी बाजू की टी-शर्ट और जींस पहने हुए। लेकिन पल भर में घातक गोलियां उनकी आंखों, माथे और गालों को चीरती हुई बाहर निकल गईं। प्रदर्शनकारी गिर पड़े, लड़खड़ाए और भागने की कोशिश करने लगे, जबकि उनके साथी उन्हें एम्बुलेंस तक पहुंचा रहे थे। आग की तरह खबर फैली कि प्रदर्शनकारी पुलिस की गोली से मारे गए। लेकिन वह नेपाल पुलिस के पास उपलब्ध राइफलों से चली हुई गोलियां नहीं थीं। फिर गोलियों से मारे गए लोगों की संख्या तेजी से बढ़ती ही गई, चार से छह, फिर सोलह, फिर बीस और उससे भी ज्यादा। हर मौत ने डर, गुस्से और संदेह को उकसाया और पूरे नेपाल को नफरत की आग में झोंक दिया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्टों से खुल रही है नियोजित साजिश की कहानी

इसी आग में काठमांडू के वरिष्ठ हिंदू धर्मस्थल पशुपतिनाथ मंदिर को भी झुलसाने की नापाक कोशिश की गई।

सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों को परेशान करने वाला सवाल यही था कि जब नेपाल पुलिस के पास ऐसे हथियार ही नहीं हैं तो कोई दूसरी ज्यादा भयावह ताकत काम कर रही थी? खुफिया एजेंसियों को इन्हीं सवालों के कुछ तथ्यात्मक जवाब हासिल हुए हैं, जिनकी पूरी गंभीरता से समीक्षा की जा रही है। जब नेपाल में ऐसे हथियार चलाने वाले शार्पशूटर भी नहीं हैं तो वे कहां से आए? त्रिपोली से लेकर ढाका और काठमांडू तक उपद्रवी हिंसा में गोलियों से हुई मौतों में समानता क्यों है? क्या अशांत क्षेत्रों में प्रोफेशनल स्नाइपर्स क्या किसी एक खास जगह से भेजे जा रहे हैं? मौका मुआयना करने वाले हथियार एवं फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने कई खतरनाक स्थितियों का संकेत दिया है। मौका मुआयना में पाया गया कि उच्च प्रशिक्षित स्नाइपर ऊंचे स्थानों से प्रदर्शनकारियों को निशाना बना रहे थे। हर गोली सिर या चेहरे पर लगी। अग्रिम पंक्ति में चल रहे प्रदर्शनकारियों में से किसी को भी गोली नहीं लगी है। सामने से चलाई गई गोलियां आमतौर पर छाती या पैरों में लगती हैं।

▶10पर

न कोई सूचना प्रोटोकॉल, न कोई आधिकारिक वक्तव्य

गुपचुप बांग्लादेश पहुंची अमेरिकी सेना

ढाका/नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर गुपचुप तरीके से अमेरिका के सैनिक बांग्लादेश के चटगांव में उतारे गए हैं। अमेरिकी सैनिकों के लिए चटगांव का एक आलीशान रैडिसन ब्लू होटल पूरा का पूरा बुक कर दिया गया है, लेकिन रजिस्टर में किसी का नाम दर्ज नहीं है। यह सवाल उठ रहा है कि अमेरिकी सेना बांग्लादेश में क्या कर रही है? अमेरिकी सेना और वायु सेना के करीब 150 अफसर और सैनिक चटगांव के होटल रैडिसन ब्लू में रुके हैं।

अमेरिकी सैनिक 10 सितंबर को ही चटगांव पहुंचे, लेकिन किसी को कानो कान खबर नहीं लगी। लेकिन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अज्ञात अमेरिकी योजना में हिस्सेदार है, इसीलिए 10 सितंबर के काफी पहले ही अमेरिकी सेना अधिकारियों के लिए होटल के 85 कमरे बुक कर दिए थे। खास और संदेहास्पद बात यह है कि अमेरिकी सैनिकों के रैडिसन ब्लू होटल में रुकने का ब्यौरा गेस्ट रजिस्टर में दर्ज नहीं किया गया है। 14 सितंबर को चटगांव के शाह अमानत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिस्र की वायु सेना का भी एक परिवहन विमान उतरा। इसके एक दिन बाद 15 सितंबर को अमेरिकी सैनिकों ने बांग्लादेश वायु सेना के पटेंगा एयरबेस का दौरा किया। अमेरिकी सैनिकों के 20 सितंबर को चटगांव से रवाना होने की उम्मीद है। अमेरिकी सैनिक बांग्लादेश में ऐसे समय में पहुंचे है, जब कुछ दिन पहले ही 31 अगस्त को ढाका के वेस्टिन होटल में एक अमेरिकी विशेष बल कमान अधिकारी का शव बरामद हुआ था। ढाका पुलिस ने इस अधिकारी की पहचान 50 वर्षीय टेरेंस अर्वेले जैक्सन के रूप में की है, जो इस साल अप्रैल में बांग्लादेश आए थे। इस मौत का संदिग्ध माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस और अमेरिकी अधिकारियों ने इस बारे में कोई बात नहीं की है।

बांग्लादेश में क्या कर रहे डेढ़ सौ अमेरिकी फौजी?

पहले से ही बुक था चटगांव का रैडिसन ब्लू होटल

दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका सैन्य दृष्टि से बांग्लादेश में कुछ बड़ा करने की सोच रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का मुखिया मुहम्मद यूनुस को पुराना अमेरिकी एजेंट कहा जाता है। अमेरिकी डीप स्टेट से उसके लिंक अब तो पूरी दुनिया के सामने जगजाहिर हो चुके हैं। अब पूरी दुनिया यह जान रही है कि बांग्लादेश में हुआ हिंसक विद्रोह और शेख हसीनी का तख्ता पलट अमेरिकी डीप स्टेट की साजिशों का परिणाम था। मुहम्मद यूनुस अमेरिकी साजिशों का मोहरा है। जबकि बांग्लादेश में पूर्ववर्ती शेख हसीना की सरकार अमेरिका के कुत्सित इरादों को लेकर काफी सतर्क थी। शेख हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश में अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थापित नहीं हो पाया। लेकिन सत्ता पलट के बाद अमेरिकी उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। बांग्लादेश की वर्कर्स पार्टी के नेता रशीद खान ने तो साफ-साफ कहा है कि बांग्लादेश में स्थायी अड्डा बनाने की अनुमति देने के लिए अमेरिका लगातार दबाव डाल रहा है।

▶10पर

फिर दोहराया पुराना राग, चुनाव आयोग ने फिर धोया

फुस्स हो गया राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब पूरे देश में हास्य का घिसा-पिटा पात्र बन चुके हैं। उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ जो हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कही थी, वह सुतली बम भी नहीं निकला। राहुल गांधी ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला कर अपने तथाकथित हाइड्रोजन बम की हवा निकाल दी। उसे खुद ही फुस्स कर दिया। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का फिर से पुराना राग अलापा। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को फिर से धो दिया। उधर, कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक में कांग्रेस द्वारा ही वोट चोरी कराए जाने के मामले में एक विधायक फंस गया है।

राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरों की रक्षा करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार और कर्नाटक में केवल कांग्रेस के ही वोट काटे जाने की पुरानी बात दोहराई। राहुल गांधी ने हाइड्रोजन बम बताते हुए अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू की थी, लेकिन वह फुस्स हो गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होते ही राहुल गांधी ने खुद ही बता दिया कि ये सीधे तौर पर हाइड्रोजन बम नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग पर वोट चोरी करवाने का आरोप लगाया और कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि ये सब काम एक संगठित तरीके से, एक सॉफ्टवेयर और कॉल सेंटर का उपयोग करके कांग्रेस के वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है और उनके नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सबूत छिपाने और वोट चोरों का साथ देने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक की सीआईडी ने चुनाव आयोग को 18 महीने में 18 पत्र लिखकर सबूत मांगे थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। राहुल गांधी ने कहा कि ये सब केंद्रीय स्तर पर एक सुनियोजित ऑपरेशन के तहत हो रहा है। इसके अलावा, आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए दूसरे राज्यों के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कर्नाटक में कर्नाटक के नंबर इस्तेमाल न होकर, दूसरे राज्यों के मोबाइल नंबर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक हफ्ते का समय देते हुए कर्नाटक सीआईडी को सारे सबूत देने की बात कही है। राहुल गांधी के आज के हाइड्रोजन बम से कोई नया खुलासा नहीं हुआ और उनके ऐसे आरोप पहले भी सुने जा चुके हैं।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से लगाए गए आरोपों को गलत और निराधार बताया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए उसे सिरे से खारिज कर दिया। आयोग ने कहा, यह बात कोई भी समझ सकता है कि एक बार जो वोट पड़ गया उसे कोई भी शक्ति ऑनलाइन डिलीट नहीं कर सकती। चुनाव आयोग ने कहा कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के जो असफल प्रयास किए गए थे उसकी जांच के लिए चुनाव आयोग ने खुद ही प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी खुद ही वोट चोरी मामले में लिप्त है। इसमें लिप्त कांग्रेस विधायक की विधायकी जाने का खतरा मंडरा रहा है। राहुल गांधी भाजपा और चुनाव आयोग पर वोट चोरी ▶10पर

बुर्ज खलीफा पर चमचमाया पीएम मोदी का नाम

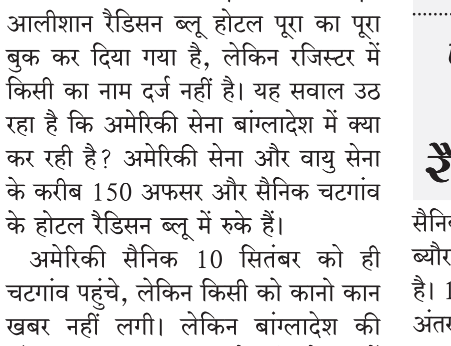

दुबई, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन देश और दुनिया में श्रद्धा, उत्सव और शुभकामनाओं के साथ मनाया गया। भारत ही नहीं, विदेशों में भी उनके लिए प्रार्थनाएं की गईं और शुभकामनाएं भेजी गईं। पीएम मोदी जन्मदिन के मौके पर बुधवार 17 सितंबर दुबई के प्रसिद्ध बुर्ज खलीफा को पीएम मोदी तस्वीरों और शुभकामनाओं से रौशन किया गया।

इस खास मौके पर बुर्ज खलीफा पर हैप्पी बर्थडे, 75 ईयर्स, सेवा ही संकल्प और इंडिया फर्स्ट - द इंसपायरेशन जैसे संदेश दिखाई दिए। यह नजारा दुबई के आसमान में दूर-दूर तक दिखा और बहुत से लोगों ने इसे अपने कैमरों में कैद किया। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की बेजा टिप्पणी पर चुप्पी क्यों?

जब भगवान से ही प्रार्थना करें तो आप क्यों हैं जज साहब?

शुभ-लाभ चिंता

खजुराहो के संरक्षित स्मारक में भगवान विष्णु की टूटी मूर्ति को बदलने या मरम्मत कराने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी बदतमीजी से खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने याचिकाकर्ता से कहा, आप भगवान से कहिए वही ठीक करा देंगे। इस तरह के ओछे वक्तव्य के साथ याचिका खारिज करने की शीर्ष न्यायपालिका की कार्रवाई ने देश की न्यायप्रियता और न्यायाधीशों के खोखले व्यक्तित्व को पूरे देश के सामने उजागर किया है। विडंबना यह है कि इस पर कोई कुछ नहीं बोल रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 16 सितंबर को खजुराहो जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट लंबी कटी हुई मूर्ति को बहाल करने की एक याचिका खारिज कर दी। यह मूर्ति यूनेस्को द्वारा संरक्षित खजुराहो के स्मारकों का हिस्सा है, जो सदियों पहले मुगल आक्रमणों के दौरान

प्राचीन मूर्ति की मरम्मत की मांग खारिज करने के लिए ओछा वक्तव्य जरूरी नहीं

सिर कटवाकर अपवित्र और अपमानित छोड़ दी गई थी। याचिकाकर्ता राकेश दालाल ने तर्क दिया था कि मूर्ति को ठीक करना सिर्फ पुरातत्व की बात नहीं, बल्कि आस्था, सम्मान और हिंदुओं का बुनियादी अधिकार है कि वो अपने पूर्ण देवताओं की पूजा कर सकें। सीनियर एडवोकेट संजय एम नुली के माध्यम से पेश हुए याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि पुरातत्व सर्वेक्षण ऑफ इंडिया (एएसआई) और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दें कि वे मूर्ति की मरम्मत कर उसे मंदिर में फिर से स्थापित कर दें। याचिका में खजुराहो मंदिरों की विरासत का जिक्र भी किया गया, जो चंद्रवंशी राजाओं के समय बने थे। ब्रिटिश काल की उदासीनता के बाद आजादी के 70 साल से ज्यादा बीतने के बावजूद लापरवाही ने मूर्ति को उपेक्षित छोड़ दिया है। इस पर मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच जो कुछ कहा, वह हैरान करने वाला और शर्मिंदगी से भर देने वाला है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने याचिकाकर्ता से कहा, ये पूरी तरह से पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन है। ▶10पर

नेपाल की शांति बहाली में भारत करेगा मदद

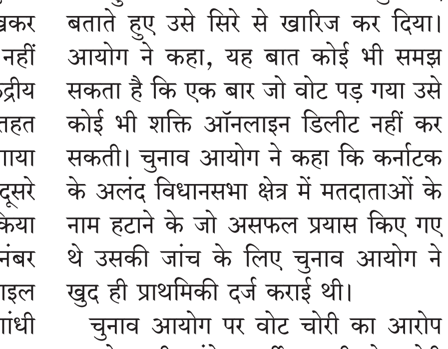

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपनी नेपाली समकक्ष सुशीला कार्की से बात की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के अटूट समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पिछले हफ्ते नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। ▶10पर

गुरु दर्शन कर लौटा त्रिदिवसीय गुरु कृतज्ञता यात्रा संघ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वीश्री पुण्ययशा जी की सद्प्रेरणा से श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा राजराजेश्वरी नगर के तत्वावधान में 15 से 17 सितंबर त्रिदिवसीय गुरु कृतज्ञता यात्रा संघ-2025 युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शनार्थ अहमदाबाद पहुंचा। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में मंत्री गुलाब बाँठिया, सभी पदाधिकारी एवं अन्य सभा संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित लगभग 130 व्यक्ति गुरु चरणों में उपस्थित हुए।

सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वी श्री पुण्ययशा जी के सानिध्य में राजराजेश्वरी नगर में चतुर्मासिक काल में होने वाले जप तप इत्यादि की जानकारी दी तथा क्षेत्र में चलने वाली गतिविधियों की जानकारी गुरुदेव के समक्ष प्रस्तुत की तथा आगामी चातुर्मास हेतु पुरजोर निवेदन किया। साध्वी विनितयशा जी की तपस्या एवं वर्तमान में साध्वी बोधिप्रभा जी की 11 दिन की तपस्या की जानकारी दी। मंत्री गुलाब बाँठिया ने संवत्सरी संबंधित सामूहिक खमतखामणा करवाया। गुरुदेव ने फरमाया कि राजराजेश्वरी नगर में अच्छा कार्य हो रहा है। ज्ञानशाला भी सुचारू रूप से चल रही है, उस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि ज्ञानशाला बच्चों में सद्संस्कारों के सिंचन का सशक्त माध्यम है। इसके साथ ही गुरुदेव ने साध्वी पुण्ययशा जी की सुखसाता की पृच्छा की। गुरुदेव ने फरमाया कि आप अपने क्षेत्र में अनेकों कार्य कर रहे है पर साथ ही मुमुक्षु तैयार करने की भावना पर बल देना है। यह वर्ष भिक्षु त्रिशताब्दी जन्म वर्ष है जिसे भिक्षु चेतना वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अतः आचार्य भिक्षु के विचारों के संप्रसारण का कार्य अच्छी तरह से होते रहना चाहिए। तेरापंथ प्रबोध, भिक्षु विचार दर्शन का स्वाध्याय कर अपने आचार-विचार को शुद्ध बनाने का लक्ष्य रखना है।

गुरुदेव ने राजराजेश्वरी नगर के सदस्यों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए मंगल भावना संप्रेषित की कि संघ के संवर्धन में आप यूं ही आगे बढ़ते रहे। मुख्य मुनि महावीर कुमार जी ने कहा राजराजेश्वरी नगर सभा बहुत अच्छा कार्य कर रही है तथा सघन साधना शिविर में भी सहभागिता दर्ज करवायें। साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा जी ने भी फरमाया कि साध्वी पुण्ययशा जी बहुत अच्छा श्रम कर रही हैं, इसके साथ-साथ मुमुक्षु तैयार करने में भी श्रम का नियोजन करें। साध्वीवर्या संबुद्धयशा जी ने चातुर्मास की पूरी जानकारी ली एवं सभी को आध्यात्म के क्षेत्र में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। इस गुरु कृतज्ञता यात्रा संघ के मुख्य प्रायोजक नोहर (भादरा) निवासी बेंगलूरु प्रवासी सारिका सुनिल ऋतिक नाहटा रहे। सभाध्यक्ष ने बताया कि इस यात्रा के हर पक्ष पर सुनिल नाहटा का पूर्ण सहयोग मिला। प्रायोजक परिवार के प्रति शुभकामनाएं दी एवं संघ व समाज हित के कार्यों से आप सदैव जुड़े रहें यह मंगलकामना संप्रेषित की। संघ में गए यात्रियों ने दूसरे दिन शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर, अक्षरधाम आदि कई दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी किया।

संघ में गए सभी ने गुरुदेव के साथ-साथ सभी चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस संघ यात्रा में पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, मनोज डागा, छतरसिंह सेठिया, सभा के सभी पदाधिकारी, तेयुप से पूर्व अध्यक्ष बिकास छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्षा मंजु बोथरा, प्रायोजक सुनिल नाहटा तथा युवक परिषद, महिला मंडल के सदस्यों की सहभागिता रही। इस संघ-यात्रा के संयोजक राजेश छाजेड़ एवं सहसंयोजक सरोज आर बैद, दिनेश मरोठी, सुशील भंसाली, बिकास छाजेड़, सुशील भंसाली एवं तेयुप, तेममं के सदस्यों ने पूर्ण रूप से व्यवस्थित एवं सफल यात्रा के संयोजन में अपना समय व श्रम नियोजित किया।

गौ-रक्षण शाला में एक दिव्य एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पितृपक्ष के पावन अवसर पर मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने अपने संस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत महादेवपुरा स्थित बेंगलूरु गौ-रक्षण शाला में एक दिव्य एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य सनातन धर्म की गौरवशाली परंपराओं का संरक्षण करते हुए समाज में भक्ति, संस्कार और सेवा भाव को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत 11 विद्वान पंडितों द्वारा सामूहिक गीता पाठ एवं हवन से हुई। इसके उपरांत लगभग 1200 गौमाताओं का विधिवत पूजन कर उन्हें छप्पन भोग अर्पित किया गया। गौशाला में कार्यरत लगभग 100 सेवकों हेतु अन्नदान का आयोजन भी हुआ।

इसके पश्चात श्री श्याम सेवा संघ के सहयोग से भजनों की अमृत वर्षा हुई, जिसमें भक्तिमय वातावरण में उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध होकर झूम उठा। इस भजन संध्या में शाखा सदस्यों एवं उनके बच्चों ने भी भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में लगभग 200-250 सदस्य अपने परिवार सहित सम्मिलित हुए और श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा का अनुपम अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम में कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, प्रान्त उपाध्यक्ष (जोन-1) जयप्रकाश अग्रवाल, प्रांतीय सहायक मंत्री (जोन-1) श्यामसुंदर जालान, निवर्तमान शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका एवं सेंट्रल शाखा सचिव आयुष भीमसरीया अपने परिवार सहित विशेष रूप से उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने बताया कि इस आयोजन की तैयारियाँ तीन सप्ताह पूर्व से चल रही थीं। उन्होंने कार्यकारिणी समिति, सभी सदस्यों एवं विशेषकर श्री श्याम सेवा संघ, किशन बगरीया (भव्य दरबार व अलौकिक श्रृंगार हेतु) एवं गौशाला समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रशांत दायमा, अभिनव डोकानिया, अमित अग्रवाल, अमन शर्मा, आकाश अग्रवाल, विकास चौधरी, दीपा चौधरी और सोनम जैन की विशेष प्रशंसा की, जिन्होंने नेतृत्व व समर्पण से पूरे आयोजन को सफल बनाया। उपाध्यक्ष प्रांजल सरावगी ने कहा कि इस आयोजन की विशेषता यह रही कि सदस्य अपने पूरे परिवार सहित आए, विशेषकर बच्चों ने गौमाताओं को भोग अर्पित कर सेवा-भाव का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। शाखा संयुक्त सचिव अमन शर्मा ने कार्यक्रम में पधारे सभी श्रद्धालुओं एवं गौ-प्रेमियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में संस्कार, भक्ति और एकजुटता को और मजबूती प्रदान करते हैं।

भारतीय संस्कृति सदैव से सम्मान और सत्कार सिखाती है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव से सम्मान और सत्कार सिखाती है। बड़ा भाई- सम्मान योग्य, भाभी- माता समान, भाग्य विधाता, देवर-देवता के तुल्य, दादी संस्कारों को देने वाली, दादा दान देने वाला, पुत्र- पिता के कुल को पवित्र करने वाला, हमारी संस्कृति में माना गया है।

सदैव अपने माता पिता, गुरु जन का सम्मान करना चाहिए। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि ज्ञान और आचरण का समन्वय बहुत आवश्यक है, क्योंकि बिना आचरण के ज्ञान व्यर्थ है। इसके विपरीत प्राप्त ज्ञान को यदि आचरण में नहीं उतारा और आगे बढ़ गये तो पीछे की उपलब्धियां क्षीण होती जाएंगी और क्षीण होते-होते शून्य भी हो जाएंगी । ज्ञान दो प्रकार का है -शाब्दिक ज्ञान और अनुभवात्मक ज्ञान। शाब्दिक ज्ञान हम किताबें पढ कर एकत्र कर सकते हैं। जब यह किताबी ज्ञान अनुभव में परिवर्तित हो जाता है, आचरण में आता है तब अनुभवात्मक ज्ञान कहलाता है। केवल शाब्दिक ज्ञान अहंकार बढाता है, इससे दूसरों पर रुआब भी डाल सकते हैं। इसके द्वारा जो हम हैं ही नहीं वह दिखाने लगते हैं, एक्टिंग भी अच्छी करने लगते हैं, पर शुद्ध ज्ञान बिन उपदेशक भीतर से खोखले ही होते हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे है।

शुक्रवार को सुबह साध्वीवृंद के पगलिया पी जे अपार्टमेंट में होंगे। प्रवचन शीतलनाथ अपार्टमेंट उपाश्रय में होंगे। पश्चात साधर्मिक भक्ति होगी। लाभार्थी राजेन्द्र कुमार मांगीलाल वरदीचंद परिवार, संघवी महावीर कुमार घेवरचंद बालगोत्र, सुरेश कुमार देवीचंद नाकोडा टेक्सटाइल, पारसमल मांगीलाल वरदीचंद परिवार ने लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ कांतिलाल साकलचंद, दर्शन प्रवीण कुमार पोरवाल परिवार की ओर से लिया गया।

बेंगलूरु मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने बुधवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया, जो स्वच्छता उत्सव थीम पर आधारित एक स्वच्छता अभियान है।

यह अभियान पूरे मंडल में 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। मंडल कार्यालय, बेंगलूरु में, प्रवीण कटारकी, अपर मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उमा शर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, प्रिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम केएसआर बेंगलूरु और यशवंतपुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर भी आयोजित किया गया। केएसआर बेंगलूरु में, राव उत्सव दीपक भाई, वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी ने गणमान्य व्यक्तियों, कर्मचारियों और यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। यशवंतपुर स्टेशन पर, धर्मेंद्र सीरवी, वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। रेलवे कर्मचारियों, हाउसकीपिंग टीमों और पर्यवेक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। स्टेशन स्वच्छता पर रैलियाँ और पर्चे वितरण जैसी जागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। शपथ के बाद, स्टेशन परिसर में स्वच्छता श्रमदान किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत, बेंगलूरु मंडल स्टेशनों, ट्रेनों, कार्यालयों और पटरियों पर बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चला रहा है। सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें सफाई कर्मचारियों के लिए निवारक स्वास्थ्य जाँच और कल्याणकारी योजनाएँ प्रदान की जा रही हैं। एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के खतरों और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने के बारे में जन जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण अभियान और अन्य सतत पहल भी आयोजित की जा रही हैं।

साधु जीवन में कभी भी और कहीं भी परिषह आ सकते हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि साधु जीवन में कभी भी और कहीं भी परिषह आ सकते हैं। आहार पानी अथवा स्थान का परिषह संत चर्या का अभिन्न अंग है। आचार्य भूधर जी को दिल्ली से राजस्थान पहुंचते हुए लाडनूं में यतियों ने प्रवेश नहीं करने दिया और खौफ का माहौल पैदा कर दिया कि जो कोई आगंतुक संतों को स्थान या भोजन प्रदान करेगा उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ऐसे माहौल में मुनि जयमल जी और यतियों में आगम पर चर्चा हुई। आगम प्रमाण प्रस्तुत कर यतियों को हरा कर जिनशासन की प्रभावना की। आम जनता को आगम के सत्य से परिचय कराया। अपने प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि जीव जन्म लेते ही आहार संज्ञा से जुड़ जाता है। आहार शरीर के लिए आवश्यक है। फिर भी कुछ साधक शरीर का दमन कर वर्तमान समय में उत्कृष्ट छह महीने का तप कर सकते हैं। 15 वीं शताब्दी में श्राविका चम्पा बहन ने छह महीने का तप कर सम्राट अकबर को अचरज में डाल दिया था। प्रवचन सभा में डॉ. नेहा जांगड़ा ने 30 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। अनुमोदना में अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि अलसूर में पहली बार नव विवाहित युवा श्राविका ने मासखमन तप किया है। श्रमण संघीय आचार्य श्री शिवमुनि जी के जन्मोत्सव पर उनके दीर्घायु की कामना की। अलसूर संघ अध्यक्ष श्री धनपत राज बोहरा ने तपस्वी का रजत शील्ड से सम्मान किया। आनंद डोशी, विमल जांगड़ा, नवकार बहु मंडल ने तपस्या की अनुमोदना की। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया। इस अवसर पर बेंगलूरु महासंघ अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा, विल्सन गार्डन संघ अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, राजुल महिला मंडल आदि अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

बड़े उत्साह के साथ बीईटी संस्थानों में हिंदी दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीईटी संस्थानों में हिंदी दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। बीईटी पीयूसी कॉम्पोजिट कॉलेज एवं बीईटी सादातुन्निसा डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन बीईटी इंडोर स्टेडियम में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापिका नजमुस सहार ने किया, जिनका सहयोग बी.ए. की छात्रा माहिया आफरीन ने किया। इसके बाद बीईटी डिग्री कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सुमैया फातिमा ने प्रेरणादायी स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। हिंदी दिवस का औपचारिक उद्घाटन पौधों को जल अर्पण के माध्यम से किया गया, जिसने पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने वातावरण को मधुरता से भर दिया। इसके उपरांत छात्रा ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रभावशाली भाषण दिया।

छात्रों द्वारा प्रस्तुत नाटक दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। छात्रों ने प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकारों एवं महान विभूतियों की जानकारी प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि डॉ. विनय यादव का परिचय कराया गया, तत्पश्चात् उन्हें सम्मानित किया गया और उन्होंने अपने प्रेरक अभिभाषण में हिंदी की उपयोगिता एवं उसकी विश्वव्यापी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इसके बाद संस्थानों के सचिव सिद्दीक पाशा ने सभा को संबोधित किया और छात्रों के उत्साह की सराहना की।

पाप का भागी कोई नहीं बनता: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने प्रभु महावीर के गुणों का वर्णन करते हुए फरमाया कि भगवान कब कहां रहते हैं किसी को पता नहीं होता है। ऐसे भगवान ने हमे धर्म का मार्ग बतलाया है। अगर उस मार्ग पर चलें तो जीवन बदल जाएगा। संसार में रहकर जीव अपने और अपने परिजनों के लिए पाप करता है। मनुष्य अपने लिए तो पाप करता ही है, साथ ही परिवार के लिए भी पाप करता है। लेकिन जब कर्मों का उदय होता है तब कोई साथ नहीं देता है। संसार बहुत स्वार्थी है। भले सगा है, खासमखास है, लेकिन समय बुरा होते ही वह साथ छोड़ देता है। कर्मों का उदय होने पर कोई किसी का साथ नहीं देता है। पुण्य के भागी तो सब बनना चाहते हैं। लेकिन पाप का भागी खुद ही बनना पड़ेगा।

जिसका काल आता है वह जाता है। जिसकी उम्र शेष है वह बच जाता है। काल जब आता है तो मनुष्य की एक भी चाल नहीं चलती है। वहां किसी की सिफारिश भी नहीं चलती है। ऐसा संसार है यहां कोई किसी का नहीं होता है। सब स्वार्थ ही है। लोग बोलते हैं कि वह अपने है लेकिन समय आने पर कोई साथ नहीं देता है। ऐसे स्वार्थी संसार के लिए मनुष्य पाप पर पाप कर रहा है। पाप कर के कर्मों का बंध कर रहा है। जिसके लिए मनुष्य पाप के मार्ग पर बढ़ रहा है वह समय आने पर साथ भी नहीं देगा। काल आयेगा तो सब यहीं रह जाएगा। मनुष्य को जीवन बदलने के लिए धर्म ध्यान करना चाहिए। धर्म के कार्य को निश्चय ही करना चाहिए। इन कार्यों में लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने के बाद ही मानव भव सफल होगा। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अरूशा करोके एंड आर्ट स्टूडियो विजयनगर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर रजनी, कनाकाम्मा, आध्या, रूपा, शरत कुमार एवं अन्य मौजूद थे।*

राशन कार्ड उपलब्ध न होने पर ई-केवाईसी अनिवार्य: स्पीकर यू टी खादर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने कहा है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा 22 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण के दौरान, यदि परिवार के सदस्यों के नाम राशन कार्ड में शामिल हैं, तो कोई समस्या नहीं होगी।

हालाँकि, जिन परिवार के सदस्यों के नाम राशन कार्ड में नहीं हैं, या जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उनके लिए ई-केवाईसी अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका आधार कार्ड उनके मोबाइल नंबर से जुड़ा हो।

वह बुधवार को दक्षिण कन्नड़ जिला पंचायत के नेत्रवती हॉल में आयोजित एक सूचना कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें विभिन्न धर्मों, जातियों और समुदायों के विधायकों और प्रमुखों ने भाग लिया। खादर ने आगे बताया कि सर्वेक्षण के लिए नियुक्त शिक्षकों को प्रत्येक घर से जानकारी एकत्र करने के लिए अधिकतम एक घंटे का समय लगेगा।

उनसे प्रतिदिन 10 घरों से डेटा एकत्र करने की अपेक्षा की जाती है। विधायक डॉ. भरत शेट्टी द्वारा पूछे गए प्रश्न, जिसमें पूछा गया था कि घर आने वाला व्यक्ति अधिकृत अधिकारी है या नहीं, के उत्तर में पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव उर्मिला ने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण के लिए केवल प्रशिक्षित शिक्षक ही घर-घर जाएँगे, जिनके पास आयोग द्वारा जारी पहचान पत्र होंगे।

एकत्रित आँकड़े आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर संग्रहीत किए जाएँगे। किसी भी प्रकार का भ्रम, आपत्ति, जानकारी या सुझाव आयोग को लिखित रूप में, हेल्पलाइन नंबर 8050770004 पर, या वेबसाइट के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है। बंट उर्फ नदावर महिला संघ की अध्यक्ष अजित कुमार राय मलाडी ने आपत्ति जताई कि दक्षिण कन्नड़ जिले में वे खुद को बंट उर्फ नदावर के रूप में पहचानती हैं। यदि 'बंट' को जाति के कॉलम में और 'नदावर' को उपजाति के कॉलम में दर्ज किया जाता है, तो इससे उनकी संख्या में भ्रम पैदा होगा।

जवाब में, सचिव उर्मिला बी. ने स्पष्ट किया कि 'बंट' को जाति कॉलम में और 'नदावर' को अन्य कॉलम के अंतर्गत 'निर्दिष्ट करें' अनुभाग में दर्ज किया जाना चाहिए। इसे समानार्थी माना जाएगा और कोई भ्रम नहीं होगा। अशोक कोंचाडी ने मुद्दा उठाया कि दक्षिण कन्नड़ में, मोगेरा अनुसूचित जाति में आते हैं, लेकिन उत्तर कन्नड़ में, मोगावीरा मछुआरा समुदाय ने धोखाधड़ी से मोगेरा जाति प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिए हैं।

ऐसे 17,433 फर्जी प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, जिससे आरक्षण के वास्तविक लाभार्थियों के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मामले पर कई ज्ञापन प्रस्तुत किए गए हैं। सचिव उर्मिला ने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को आयोग के संज्ञान में लाया जाएगा। नेताओं ने गट्टी, थिया, मनसा, मनियानी और जैन समुदायों से संबंधित भ्रमों को भी उजागर किया। एमएलसी डॉ. मंजूनाथ भंडारी, मुडा अध्यक्ष सदाशिव उल्लाल, बेरी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की चेयरपर्सन ममता गट्टी, डिप्टी कमिश्नर दर्शन एचवी, जेडपी सीईओ नरवाडे विनायक कारबारी, मेंगलूरु पुलिस कमिश्नर सुधीर कुमार रेड्डी, डीसीपी मिथुन, एडीसी राजू के और एसी मीनाक्षी आर्य उपस्थित थे।

महिला ने 6 साल की सौतेली बेटी को छत से धक्का देकर मार डाला

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

संपत्ति विवाद से जुड़ी एक चौंकाने वाली घटना में, बीदर की न्यू आदर्श कॉलोनी में एक छह साल की बच्ची की उसकी सौतेली माँ ने कथित तौर पर तीसरी मंजिल से धक्का देकर हत्या कर दी।

मृतका की पहचान सान्वी (6) के रूप में हुई है। आरोपी राधा 27 अगस्त को बच्ची को खेलने के बहाने छत पर ले गई और फिर जब आसपास कोई नहीं था, तो उसे धक्का दे दिया। शुरुआत में, इस घटना को दुर्घटनावश गिरने का मामला माना गया और बच्ची के पिता की शिकायत के आधार पर गांधी गंज पुलिस स्टेशन में अप्राकृतिक मौत की रिपोर्ट (यूडीआर) दर्ज की गई।

हालांकि, सच्चाई तब सामने आई जब 13 सितंबर को एक आम आदमी ने सीसीटीवी फुटेज पेश किया, जो मूल धारणाओं के बिल्कुल उलट था। वीडियो से पता चला कि बच्ची गलती से नहीं गिरी थी।

वीडियो में राधा बच्ची को बैठाने के लिए एक कुर्सी पर उलटी बाल्टी रखती है और फिर उसे धक्का देकर नीचे गिरा देती है। इस महत्वपूर्ण सबूत के आधार पर, सान्वी की दादी ने राधा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद, पुलिस ने राधा को गिरफ्तार कर लिया, जिसने कथित तौर पर अपना अपराध कबूल कर लिया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आगे की जाँच में एक परेशान करने वाला कारण सामने आया। राधा बच्ची के पिता की दूसरी पत्नी है। उसकी पहली पत्नी का 2019 में निधन हो गया था और उसने 2023 में दोबारा शादी कर ली थी। दंपति के जुड़वां बच्चे हैं।

राधा कथित तौर पर पहली शादी से हुई बेटी सान्वी को पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे में बाधा मानती थी। उसे डर था कि सान्वी को भी विरासत में हिस्सा मिलेगा और वह चाहती थी कि उसके अपने बच्चे ही एकमात्र लाभार्थी हों। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इसी वजह से यह सुनियोजित हत्या हुई।

कर्नाटक जाति सर्वेक्षण : पंचमसाली धर्म के लिए हिंदू और जाति के लिए लिंगायत-पंचमसाली चुनेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनसांख्यिकी रूप से मजबूत लिंगायत पंचमसाली समुदाय, जिसके अब कर्नाटक में तीन धार्मिक पीठ हैं, ने राज्य में आगामी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण (जाति जनगणना) के दौरान 'लिंगायत पंचमसाली' नामकरण अपनाने का फैसला किया है। धर्म का नामकरण कैसे किया जाए, इस मुद्दे पर मतभेदों के बावजूद, समुदाय ने फिलहाल धर्म के कॉलम में 'हिंदू' शब्द ही रखने का फैसला किया है। समुदाय के नेताओं और धार्मिक प्रमुखों द्वारा दो अलग-अलग बैठकें आयोजित की गईं - एक बेंगलूरु में और दूसरी हुब्बल्ली में। दोनों बैठकों में जाति कॉलम के लिए 'लिंगायत पंचमसाली' नामकरण को स्वीकृति मिली। दोनों बैठकों में, अखिल भारत वीरशैव लिंगायत महासभा द्वारा लिंगायत, वीरशैव या वीरशैव लिंगायत में से किसी एक का उल्लेख करने के आह्वान पर चर्चा हुई। बेंगलूरु की बैठक में धर्म के मुद्दे पर ज्यादा चर्चा न करने और धर्म के कॉलम में 'हिंदू' शब्द का उल्लेख करने पर सर्वसम्मति थी, जबकि हुब्बल्ली की बैठक में इस मुद्दे पर गरमागरम बहस हुई।

धर्म के कॉलम में 'लिंगायत' या 'हिंदू' शब्द का उल्लेख किया जाए, इस पर बहस के बाद, हुब्बल्ली की बैठक में लिंगायत धर्म को स्वतंत्र धर्म का दर्जा दिए जाने के मुद्दे के सुलझने तक फिलहाल 'हिंदू' शब्द का ही इस्तेमाल करने का फैसला किया गया। बसव जय मृत्युंजय स्वामी पहले स्वतंत्र धर्म के दर्जे के लिए लिंगायत आंदोलन में अग्रणी भूमिका में थे। बेंगलूरु में, बुधवार को विभिन्न संतों और समुदाय के नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद, वीरशैव लिंगायत पंचमसाली जगद्गुरु पीठ के संत हरिहर ने 'लिंगायत पंचमसाली' नामकरण अपनाने के निर्णय की घोषणा की। संत ने कहा कि किसी भी उपजाति का उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक अलग धर्म का मुद्दा तय नहीं हो जाता, तब तक समुदाय को खुद को हिंदू के रूप में पहचानना चाहिए।

योग गुरु निरंजनमूर्ति एक लड़की से बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

योग गुरु निरंजनमूर्ति को राजराजेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन ने एक लड़की से बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया है। लड़की योग प्रशिक्षण के लिए एक योग केंद्र जा रही थी और उसे पदक दिलाने का वादा किया था। निरंजनमूर्ति राजराजेश्वरी शहर में एक योग केंद्र चलाते हैं और कई लोग इस केंद्र में योग सीखने जाते हैं। उन्होंने अपने योग केंद्र में आने वाली लड़की को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग में नाम कमाने का वादा करके पदक दिलाने का लालच दिया। उन्होंने उसे यह भी आश्वासन दिया कि अगर वह योग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी, तो उसे सरकारी नौकरी मिलेगी। इसी बीच, जब लड़की 2023 में एक योग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निरंजनमूर्ति के साथ थाईलैंड गई, तो उसने योग केंद्र जाना बंद कर दिया क्योंकि निरंजनमूर्ति ने उसका यौन उत्पीड़न किया था। बाद में, 2024 में, लड़की योग प्रतियोगिता के लिए योग सीखने के लिए सनशाइन इंस्टीट्यूट में शामिल हो गई। दुर्भाग्य से, निरंजन मूर्ति इस संस्थान को चलाता है और वहाँ भी उसका यौन उत्पीड़न किया।

उसने पिछले अगस्त में इसी संस्थान में उसके साथ बलात्कार किया। 22 अगस्त को राज्य स्तर पर प्लेसमेंट दिलाने के बहाने उसने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की भी कोशिश की। योग गुरु निरंजन मूर्ति के व्यवहार से परेशान होकर, उसने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी और फिर आरआर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में पॉक्सो का मामला दर्ज होते ही आरोपी निरंजन मूर्ति फरार हो गया। जब पुलिस ने जाँच जारी रखी और योग गुरु के बारे में कई जानकारियाँ जुटाईं, उसे गिरफ्तार किया और उससे पूछताछ की, तो पता चला कि बलात्कार हुआ था। संदेह है कि इस योग गुरु ने कई अन्य युवतियों के साथ भी बलात्कार किया है। पुलिस ने उन लोगों से कहा है जो योग प्रशिक्षण के लिए उसके योग केंद्र जाते थे कि वे उसके द्वारा किसी भी यौन उत्पीड़न या बलात्कार की सूचना तुरंत पुलिस स्टेशन में दें। पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ताओं के नाम और जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बेंगलूरु अब कूड़ाघर के रूप में बदनाम होता जा रहा: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नादप्रभु केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित गौरवशाली शहर बेंगलूरु की प्रतिष्ठा को गहरा धक्का लगा है। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बेंगलूरु अब कूड़ाघर के रूप में बदनाम होता जा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस अपमान के लिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों जिम्मेदार हैं। बेंगलूरु और कर्नाटक अक्षम और भ्रष्ट लोगों के हाथों में फँस रहे हैं। हर कदम मौत का जाल है। जहाँ देखो, कूड़ा ही कूड़ा है। क्या ग्रेटर बेंगलूरु का यही मतलब है? जीबीए क्या कर रहा है? क्या यह जनता के टैक्स के पैसे को निगलते हुए खर्राटे भर रहा है?

व्यापारियों का यह शिकायत करना जायज है कि बेंगलूरु में शासन व्यवस्था पूरी तरह से विफल है। अपनी हथेली पर लगे छालों के लिए आपको आईने की जरूरत नहीं है। इतिहास में यह पहली बार है जब व्यापारियों ने सरकार की विफलता को इतनी कठोरता से उजागर किया है। इस सरकार को जरा भी शर्म या गर्व नहीं है। उन्होंने कहा कि इसने लोगों के स्वाभिमान को नष्ट कर दिया है।

सरकार कर लगाने में रॉकेट की गति से चलती है। गड्ढों को भरने में कछुए की गति भी नहीं। विकास के प्रति उसकी घोर उपेक्षा है। उन्होंने ग्रेटर बेंगलूरु पर चुनावी गारंटियों के लिए राज्य के विकास का शिकार होने का आरोप लगाया है। सरकार जनता से छीने जा रहे टैक्स के पैसे का क्या कर रही है, जिसके पास गड्ढे भरने के लिए एक पैसा भी नहीं है? यह पैसा किसकी जेब में जा रहा है? इसका जवाब मांगते हुए उन्होंने कहा कि कंपनियां राज्य सरकार पर से विश्वास खो रही हैं और पड़ोसी राज्यों की ओर पलायन कर रही हैं। वे राज्य ऐसे ही समय का इंतजार कर रहे हैं और छूट पर छूट दे रहे हैं। भ्रष्ट सरकार को समझ नहीं आ रहा है। उन्होंने इस सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की है।

अगर आप ब्रांड बेंगलूरु नहीं बना पाए तो कोई बात नहीं, इसे खराब मत कीजिए: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने उपमुख्यमंत्री और शहरी जिला प्रभारी मंत्री डी.के. शिवकुमार पर निशाना साधते हुए कहा है कि अगर आप ब्रांड बेंगलूरु नहीं बनाते हैं तो कोई बात नहीं, लेकिन उन्हें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे बेंगलूरु का नाम खराब हो। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए उन्होंने चिंता जताई कि बेंगलूरु, जो कभी उद्यमियों और निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य हुआ करता था, अब आपके कुप्रबंधन और लापरवाही के कारण

आईटीबीटी कंपनियों और उद्योगों को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करने की सोच रहा है। अशोक ने चेतावनी दी है कि अगर आप ऐसा कुछ करते हैं जिससे नादप्रभु केम्पेगौड़ा द्वारा बसाए गए शहर की छवि खराब होती है, तो आप इतिहास में एक ऐसे खलनायक बन जाएँगे जिसे कन्नड़ लोग कभी माफ नहीं करेंगे।

नए जीएसटी से बिजली खरीद लागत में 2,000 से 3,000 करोड़ रुपये की होगी बचत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि नए जीएसटी से डिस्कॉम पर बिजली खरीद का बोझ कम होगा, जिससे देश भर में सालाना 2-3 हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। बिजली खरीद की लागत में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। जीएसटी 2 में, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्य को और गति मिलेगी और बिजली उत्पादन लागत बहुत कम हो जाएगी। स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की लागत भी कम होगी। इससे

परिवारों, किसानों, उद्योग और डेवलपर्स को सीधा लाभ होगा। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत, 3 किलोवाट की छत पर सौर ऊर्जा इकाई की स्थापना 9,000 रुपये से 10,500 रुपये तक सस्ती हो जाएगी। इससे लाखों परिवार सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा कि इससे बिजली की खपत भी बढ़ेगी। पीएम-कुसुम के तहत, किसान लगभग 2.5 लाख रुपये की लागत वाला 5 एचपी का सोलर पंप लगवाने पर लगभग 17,500 रुपये की बचत कर सकेंगे। इस योजना से किसानों को भी काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि देश में 10 लाख सोलर पंपों के पैमाने पर कुल 1,750 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। इसका उद्देश्य मॉड्यूल और इकाइयों की लागत में 3 से 4 प्रतिशत की कमी लाना और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों का उत्पादन बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार के इस स्तर से अगले दशक में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 5 से 7 लाख हरित रोजगार सृजित होंगे।

चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली है और मोदी की बातें सुन रहा है: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने चुनाव आयोग पर भाजपा की कठपुतली बनकर प्रधानमंत्री की बात सुनने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वोटों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। केंद्र में सत्ताधारी भाजपा की लोकप्रियता अपने तीसरे कार्यकाल में कम हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता भी कम हुई है, और उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों के वोट छीनने की कोशिश की जा रही है। ऐसा वहाँ ज्यादा होता है जहाँ भाजपा सत्ता में होती है। अगर ऐसा नहीं किया जाता, तो भाजपा दोबारा सत्ता में नहीं आती। गांधीनगर अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नामों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने आलोचना की कि भाजपा ऐसा करके सत्ता में आ रही है।

मालूर विधायक नानजेगौड़ा का चुनाव एक अवैध मामला है, यह अदालत पर निर्भर है। हमने इसे अवैध नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय भाजपा सरकार सत्ता में थी।

इंदिरा गांधी ने चुनाव में धांधली के फैसले के बाद ही आपातकाल लगाया था: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव में धांधली के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने के बाद ही देश में आपातकाल लगाया गया था। येलहंका के सिंगनायकनहल्ली स्थित रमाडा रिसॉर्ट में मीडिया से बात करते हुए, वह राहुल गांधी और बी.आर. पाटिल द्वारा अलंद में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के आरोपों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। 1975-76 में इस देश में एक बड़ा आंदोलन हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रीय नेता जयप्रकाश नारायण ने इसका नेतृत्व किया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने देश में चुनाव में धांधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था और एक आंदोलन चलाया था। उन्होंने कहा कि उस समय इंदिरा गांधी हटाओ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। एक चोर दूसरे को चोर कहने लगा है। उन्होंने चोर की आलोचना करते हुए कहा कि वह किसी और की चोरी करके बच निकलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने शिकायत की कि यह राहुल गांधी का काम है। क्या उन्होंने यह नहीं कहा था कि उन्हें बैलेट पेपर चाहिए? क्यों? कुछ कांग्रेसी ऐसे भी हैं जिन्होंने बूथ में बैलेट पेपर होने पर भी बूथ चुरा लिया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ कुछ मामले अभी भी अदालतों में लंबित हैं। उन्होंने कहा कि हमें याद है कि राज्य में कांग्रेसियों ने बूथ भी ले जाकर मुकदमे दर्ज कराए थे। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले भी हुए हैं जब लोग बूथ के अंदर गए और बैलेट पेपर पर स्याही लगा दी। उन्होंने कहा कि ईवीएम के जरिए पारदर्शी मतदान हो रहा है।

सबरीमाला मंदिर से चोरी हुआ चार किलो सोना

केरल हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम, 18 सितंबर (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने सबरीमाला मंदिर की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने में हुई धांधली की जांच के आदेश दिए हैं। न्यायालय ने पाया है कि साल 2019 में जब मंदिर की मूर्तियां सोने की परत चढ़ाने के बाद वापस मंदिर आईं तो उनके वजन में चार किलो सोना कम था। न्यायालय ने मंदिर के मुख्य सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी, जो त्रावणकोर देवासम बोर्ड के पुलिस अधीक्षक भी हैं, को सबरीमाला मंदिर में मूर्तियों से

कथित रूप से सोने के नुकसान की विस्तार से जांच करने का निर्देश दिया है।

सोने की यह धांधली मंदिर के द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों में हुई है। जस्टिस राजा विजयराघवन वी और जस्टिस केवी जयकुमार की पीठ ने कहा कि जब 2019 में नए सिरे से सोना चढ़ाने के लिए द्वारपालकों की मूर्तियों से प्लेटों को हटाया गया था, तो उनका वजन 42.8 किलोग्राम था, लेकिन चेन्नई स्थित जिस फर्म को सोने की परत चढ़ाने का काम सौंपा गया था, उसके यहां वजन करने पर मूर्तियों के वजन में करीब 4.54 किलोग्राम की कमी थी। अदालत ने कहा, 4.541 किलोग्राम की साफ कमी है। यह एक चिंताजनक बात है जिसकी विस्तृत जांच की जरूरत है।

अदालत ने कहा कि द्वारपालक की मूर्तियां साल 1999 में आधिकारिक स्वीकृति के आधार पर स्थापित की गई थीं और इन मूर्तियों की 40 साल की वारंटी थी।

हालांकि, केवल छह वर्षों के भीतर ही मूर्तियों में समस्या उत्पन्न हो गई, जिसके कारण मूर्तियों का मरम्मत कार्य शुरू करना पड़ा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब त्रावणकोर देवासम बोर्ड (टीडीबी) ने 2019 में द्वारपालक की मूर्तियों पर लगे सोने से मढ़े तांबे के प्लेटों को मरम्मत और पुनः सोना मढ़ने के लिए भेजा। गौरतलब है कि मूर्तियों को भेजने के लिए विशेष आयुक्त या न्यायालय से मंजूरी भी नहीं ली गई थी।

सारे तथ्यों को ध्यान में रखकर उच्च न्यायालय ने टीडीबी के मुख्य सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी, पुलिस अधीक्षक को एक व्यापक जांच करने के निर्देश दिए हैं।। साथ ही सभी अभिलेखों की जांच करने और तीन सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने आदेश दिया कि सभी रजिस्टर सतर्कता अधिकारी को सौंप दिए जाएं और टीडीबी को जांच में सहयोग देने का निर्देश दिया गया है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद रहने से नुकसान

सड़े हुए सेबों के साथ ट्रक लौटे

जम्मू, 18 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने के कारण आठ दिनों से ज्यादा समय तक फंसे रहने के बाद काजीगुंड और अन्य इलाकों से सेब से लदे कई ट्रक वापस लौट आए। जब तक ट्रकों को वापस जाने की अनुमति मिली, तब तक अंदर रखा सारा सेब सड़ चुका था, जिससे उत्पादकों की आंखों में आंसू आ गए और व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा।

इस घटना ने एक बार फिर फलों के चरम मौसम के दौरान बार-बार राजमार्गों पर नाकेबंदी के विनाशकारी प्रभाव को उजागर किया है। कई उत्पादकों के लिए, इस साल की फसल पहले ही दुःस्वप्न में बदल चुकी है। राष्ट्रीय राजमार्ग कश्मीर को बाहरी दुनिया से जुड़ने वाला एकमात्र बारहमासी सड़क मार्ग है, पिछले तीन हफ्तों से ज्यादातर समय से लगातार हो रही बारिश के कारण हुए भूस्खलन और पत्थर गिरने के कारण बंद रहा है। प्रशासन ने जल्दी खराब होने वाले फलों से लदे ट्रकों के लिए सुगम मार्ग का वादा किया था, लेकिन कई ट्रक काजीगुंड में फंस गए और आगे नहीं बढ़ पाए।

कश्मीर की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले फल उद्योग का सालाना योगदान हजारों करोड़ रुपए है। लेकिन इस सीजन में लगातार नाकेबंदी और परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण अभूतपूर्व नुकसान हुआ है। जैसे-जैसे घाटा बढ़ता जा रहा है, उत्पादक और व्यापारी सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं, जिसमें पर्याप्त मुआवजा, बेहतर यातायात प्रबंधन, माल ढुलाई दरों पर सीमा और वैकल्पिक मार्गों का विकास शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कश्मीर की उपज समय पर बाजारों तक पहुंचे।

सर्दियों से पहले शुरू हो जाएगी जम्मू से कश्मीर तक सीधी रेल

जम्मू, 18 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू से सीधे श्रीनगर जाने के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन सेवा अक्टूबर के अंत तक शुरू होने की संभावना है। यह 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला लिंक परियोजना का हिस्सा है। घाटी को रेल यात्रा के जरिए देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर लंबित कार्य पूरा होने के बाद यह सेवा शुरू होने की उम्मीद है। जम्मू रेलवे स्टेशन का विस्तार सितंबर तक पूरा होना था। कई कारणों से काम की गति धीमी हो गई, जिससे समय सीमा लगभग तीन सप्ताह पीछे

हो गई। आधिकारिक तौर पर बताया गया कि जम्मू रेलवे डिवीजन में अंतिम कार्य अभी पूरा होना बाकी है, और परियोजना अपने अंतिम चरण में है। यूएसबीआरएल परियोजना को 2002 में राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया था, जिसे कई तकनीकी और प्राकृतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसमें दुनिया के कुछ सबसे महत्वाकांक्षी रेलवे बुनियादी ढांचे शामिल हैं, जिनमें चेनाब रेल पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, और कई लंबी सुरंगें शामिल हैं।

बिहार में बेरोजगारी खत्म करने नहीं, अपने फायदे के लिए आए अमित शाह: तेजस्वी यादव

पटना, 18 सितंबर (ब्यूरो)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बिहार यात्रा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमित शाह बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने नहीं, बल्कि अपने फायदे के लिए आए हैं। तेजस्वी यादव ने मंत्री जिबेश कुमार पर एक पत्रकार के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का भी आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि क्या उन्हें मंत्री के इन कार्यों के बारे में पता है।

तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमित शाह बिहार में बेरोजगारी खत्म करने नहीं आ रहे हैं। वे सिर्फ अपना फायदा देखने आ रहे हैं। वे बिहार को विशेष राज्य का दर्जा भी नहीं देंगे। तेजस्वी यादव ने मंत्री जिबेश कुमार द्वारा एक पत्रकार को पीटने और गाली देने के मामले पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी?

सोमवार को बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य के शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री जिबेश कुमार पर एक पत्रकार के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया था। उन्होंने मांग की थी कि मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने एक

वीडियो दिखाया था। इस वीडियो में मंत्री एक पत्रकार पर चिल्लाते हुए दिख रहे हैं। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि मंत्री अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर थे। जब पत्रकार ने उनसे सड़कों की हालत के बारे में सवाल पूछा तो उन्होंने उसे पीटा। पत्रकार पिछड़े समुदाय से है।

तेजस्वी यादव ने कहा, 'वह (जिबेश कुमार मिश्रा) एक नकली दवा मामले में भी दोषी पाए गए हैं। मंत्री रहते हुए उन्होंने एक गंभीर अपराध किया है। मैं आपके सामने वीडियो पेश करता हूं। जब मंत्री अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर रहे थे, तो एक पत्रकार ने उनसे सड़कों के बारे में सवाल पूछा। मंत्री ने उसे पीटा और गाली दी।'

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि क्या राज्य के मंत्री के कार्यों के बारे में उन्हें पता है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार या उपमुख्यमंत्री को इस बारे में जानकारी है। मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए उन्होंने कहा, 'पत्रकारों को पूछना चाहिए कि क्या मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी? क्या उन्हें सजा मिलेगी? यह सब सबूत है।

तेजस्वी यादव ने प्रशासन पर मंत्रियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि कथित घटना पर प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, 'यह बीजेपी की संस्कृति है। मैंने कभी किसी मंत्री को किसी पत्रकार को इतनी बुरी गालियां देते हुए, पत्रकार को पीटते हुए नहीं देखा। यह कैसा प्रशासन है? क्या कानून उन लोगों के लिए अलग है? मैं दोनों उपमुख्यमंत्रियों और यहां तक कि पीएम से भी जानना चाहूंगा कि क्या कानून समान है या अलग? अगर यह समान है, तो एफआईआर क्यों नहीं है?'

चुनाव से पहले बिहार पुलिस ने शुरू किया 'गुंडा परेड' अभियान

थाने में लग रही असामाजिक तत्वों की क्लास

औरंगाबाद , 18 सितंबर (ब्यूरो)। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 और आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर बिहार पुलिस ने शांति-सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमर कस ली है। इसी क्रम में, औरंगाबाद जिले के गोह थाना में एक अनूठी और सख्त कार्रवाई की गई है, जहां पुलिस ने थाने के गुंडा रजिस्टर में दर्ज नाम वाले बदमाशों का 'गुंडा परेड' कराया।

इस दौरान, उन्हें सख्त चेतावनी दी गई कि यदि चुनाव या त्योहारों के दौरान उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गई, तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

गोह थानाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद ने बताया कि थाना क्षेत्र के कुल 35 लोगों का नाम गुंडा रजिस्टर में दर्ज है। ये वे लोग हैं जिनका आपराधिक इतिहास रहा है या जिन पर पहले भी शांति-व्यवस्था भंग करने का आरोप लगा है। पुलिस ने इन सभी लोगों को थाना परिसर में बुलाया और उन्हें एक साथ खड़ा कर 'गुंडा परेड' कराया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य इन लोगों को यह संदेश देना था कि पुलिस उन पर कड़ी नजर रखे हुए है और कानून से ऊपर कोई नहीं है।

गुंडा परेड के दौरान थानाध्यक्ष ने सभी को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव और पर्व-त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की आपराधिक या समाज विरोधी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर किसी ने भी उपद्रव फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, तो उसके खिलाफ तत्काल और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत इन लोगों के खिलाफ निषेधात्मक कार्रवाई भी शुरू कर दी है, ताकि ये लोग किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम न दे सकें।

गंगा नदी के सहारे शराब की तस्करी

भोजपुर में 12 लाख की शराब बरामद होने के बाद नाव वाली जुगाड़ का खुलासा

आरा, 18 सितंबर (ब्यूरो)। भोजपुर जिले में शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों में मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग को एक बड़ी सफलता मिली है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर विभाग द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है, इसी क्रम में गंगा नदी के रास्ते अवैध रूप से लाई जा रही भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई है।

सहायक आयुक्त मद्यनिषेध, रजनीश को गुप्त सूचना मिली थी कि गंगा नदी के रास्ते अवैध शराब की एक बड़ी खेप का परिवहन किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने तुरंत निरीक्षक प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने बिना देरी किए नदी में गश्त शुरू कर दी। गश्त के दौरान, कोईलवर थाना क्षेत्र के सोन नदी में सुरौंधा टॉक के पास एक नाव संदिग्ध अवस्था में दिखाई दी। टीम ने नाव को रोककर उसकी गहनता से जांच की। जांच में नाव से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा 825.600 लीटर है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये आंकी गई है।

बरामद की गई शराब में किंगफिशर बियर (500 एमएल) के 1392 पीस, ऑफिसर चॉइस व्हिस्की (180 एमएल) के 576 पीस, और 8 झच स्पेशल व्हिस्की (180 एमएल) के 144 पीस शामिल हैं। इन सभी को मिलाकर कुल 2112 पीस शराब बरामद हुई है। मद्य निषेध विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई यह खेप उत्तर प्रदेश से पटना ले जाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में शामिल लोगों का पता लगाया जा रहा है, और उनके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गिरिराज सिंह ने महागठबंधन में फिर सुलगाई आग, कहा-

राहुल ने तेजस्वी का राजनीतिक फायदा उठाया

पटना , 18 सितंबर (ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव का राजनीतिक फायदा उठाया। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव का इस्तेमाल किया। गिरिराज सिंह ने यह बात गुरुवार को बेगूसराय में पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि यात्रा में भीड़ तो तेजस्वी ने जुटाई, लेकिन वाहवाही राहुल गांधी ले गए। अब तेजस्वी अकेले बिहार अधिकार यात्रा कर रहे हैं ताकि विधानसभा चुनाव चुनाव से पहले राहुल की छाया से बाहर निकल सकें। गिरिराज सिंह ने तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने की संभावना को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी।

गिरिराज सिंह ने कहा कि मीडिया में यह दिखाया गया कि राहुल गांधी बिहार में भीड़ खींचने वाले नेता बन गए हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस का यहां कोई अस्तित्व नहीं है। वह पूरी तरह से आरजेडी पर निर्भर है। इसके बावजूद तेजस्वी ने राहुल गांधी को आगे बढ़ाया और राहुल गांधी ने सारा क्रेडिट ले लिया। गिरिराज सिंह ने कहा कि तेजस्वी ने यात्रा के दौरान बार-बार राहुल गांधी को 'भविष्य का प्रधानमंत्री' बताया। वे उम्मीद कर रहे थे कि राहुल गांधी उन्हें बिहार का भविष्य का मुख्यमंत्री बताएंगे। लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा कभी नहीं कहा। इसलिए अब तेजस्वी 2025 के विधानसभा चुनावों से पहले राहुल की छाया से बचने के लिए अकेले बिहार अधिकार यात्रा कर रहे हैं।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'वह कुछ भी कर लें, लेकिन वह कभी भी बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। लोग एनडीए के साथ हैं और राज्य में एक बार फिर हमारी सरकार बनेगी।'

गिरिराज सिंह तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के बीच संभावित तनाव को लगातार हवा दे रहे हैं। सिंह ने 16 सितंबर को कहा था कि अब राहुल गांधी घर में बैठकर गाना गाएंगे या सड़क पर घूमते हुए कहेंगे कि दिल के अरमा आंसुओं में बह गए।

राहुल गांधी के बयान पर भड़के प्रमोद कृष्णम अपनी जिम्मेदारी से भागने का आरोप लगाया

पटना , 18 सितंबर (ब्यूरो)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान पर पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने कहा था कि लोकतंत्र को बचाना उनका काम नहीं है। इस बयान के बाद प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी पर देश के संवैधानिक संस्थानों को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया (खछऊखअ) पर भी निशाना साधा और कहा कि वे समाज को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। वे बिहार

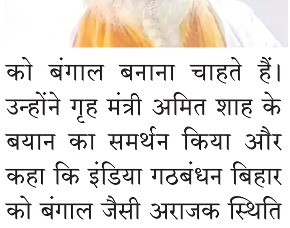

को बंगाल बनाना चाहते हैं। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के बयान का समर्थन किया और कहा कि इंडिया गठबंधन बिहार को बंगाल जैसी अराजक स्थिति में धकेलना चाहता है। उन्होंने यह बात गुरुवार को नई दिल्ली में कही।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी के उस बयान की आलोचना की है जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र को बचाना उनका काम नहीं है। प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी का यह बयान हास्यास्पद और बेतुका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को नहीं पता कि वे क्या कह रहे हैं।

दरअसल, राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में यह बात कही थी। उनसे कर्नाटक में मतदाता सूची से नाम हटाने के बारे में सवाल पूछा गया था। राहुल गांधी ने कहा था कि उनका काम लोकतांत्रिक प्रणाली में भाग लेना है, लोकतंत्र की रक्षा करना नहीं।

इस पर प्रमोद कृष्णम ने पलटवार करते हुए कहा, 'राहुल गांधी नहीं जानते कि वे क्या कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाना मेरा काम नहीं है। यह कितना गलत बयान है। लोकतंत्र को बचाना हर किसी का कर्तव्य है। राहुल गांधी को लोकतंत्र को नष्ट करने का अधिकार है। वे हर दिन लोकतंत्र की हत्या करते हैं। वे संवैधानिक संस्थानों के खिलाफ बोलते हैं, सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोलते हैं। उन्हें खुद तय करना चाहिए कि वे क्या कहना चाहते हैं।

प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन विभाजनकारी राजनीति करता है। वह धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर समुदायों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश करता है।

उन्होंने कहा, 'ये लोग बिहार को बंगाल बनाना चाहते हैं। बिहार के लोगों को तय करना होगा कि वे इसे स्वीकार करते हैं या इसे रोकते हैं।' प्रमोद कृष्णम ने गृह मंत्री अमित शाह के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'गृह मंत्री अमित शाह सही कह रहे हैं। राहुल के सहयोगी बिहार को बंगाल बनाना चाहते हैं।

यूपी में महिला सुरक्षा और सम्मान पर फोकस

नवरात्रि में मिशन शक्ति चलाएगी यूपी पुलिस

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में मिशन शक्ति के पांचवें चरण की शुरुआत की। नवरात्रि के दौरान महिला सुरक्षा, पुलिस तैनाती और जागरूकता अभियान को ध्यान में रखते हुए ये अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कई निर्देश दिए हैं। 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि को पांचवाँ चरण शुरू होगा और अगले 30 दिनों तक चलेगा।

मिशन शक्ति की शुरुआत 2020 में हुई थी। 4 चरणों की सफलता को देखते हुए योगी सरकार अब इस कार्यक्रम को गांवों और कस्बों तक ले जाना चाहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार, यह मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि हर महिला सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे, इसके लिए यह एक सामाजिक आंदोलन है। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवरात्रि के साथ शुरू हो रहे अभियान के लिए विभागों के बीच अच्छा तालमेल दिखना चाहिए, ताकि कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहे।

जोनल एडीजी, आईजी से लेकर डीआईजी तक के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करें, लोगों से बातचीत करें और पुलिस गश्त में व्यक्तिगत रूप से शामिल हों। मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों को पूरी तरह सुरक्षित होने का एहसास होना चाहिए, जबकि अपराधियों को कानून का खौफ होना चाहिए। मिशन शक्ति की सबसे बड़ी ताकत राज्य का महिला पुलिस बल है। राज्य में अभी 44,000 से ज्यादा महिला पुलिसकर्मी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों को और अधिक सक्रिय भूमिका दी जानी चाहिए।

मिशन शक्ति की शुरुआत होने पर अगले 30 दिनों तक महिला पुलिस अधिकारी सभी 57,000 ग्राम पंचायतों और 14,000 शहरी वार्डों का दौरा करेंगी। उनके साथ ग्राम प्रधान, पार्षद, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कर्मी भी होंगे। वे महिलाओं और लड़कियों से सीधे बातचीत करेंगी, उनकी समस्याएं सुनेंगी और सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाएंगी। नवरात्रि और आगे आने वाले त्यौहारों पर विशेष व्यवस्था की जाएगी। मंदिरों, धार्मिक स्थलों, मेलों और भीड़-भाड़ वाले आयोजनों में महिला पुलिस तैनात की जाएगी। योगी आदित्यनाथ ने महिला उत्पीड़न से निपटने वाले एंटी-रोमियो स्क्वॉड को भी मजबूत करने का निर्देश दिया है।

अभियान में जिला स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया जाएगा। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और उद्योगों में सेमिनार, चर्चाएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। छात्रों को समानता और महिला सुरक्षा के महत्व को खास कर बताया जाएगा। इसके लिए लघु फिल्में भी दिखाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने महिला कैदियों को कानूनी सहायता प्रदान करने, पीड़ितों की तुरंत मदद करने और महिलाओं के खिलाफ अपराधों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि महिला हेल्पलाइन 1090 पर आने वाली हर कॉल को गंभीरता से लेकर उसका समाधान किया जाना चाहिए। नगर निगमों में पिंक बूथ बनाए जाने की योजना है। प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी इसे चलाएंगी और ये बूथ चौबीसों घंटे काम करेंगे। मिशन शक्ति केंद्रों को वन-स्टॉप समाधान के रूप में तैयार किया जाएगा, जहां महिलाएं शिकायत दर्ज करा सकेंगी। इन केंद्रों पर परामर्श, कानूनी सहायता और कार्रवाई करने की भी व्यवस्था होगी।

बूथ कर्मचारियों को डिजिटल साक्ष्य जमा करने और आर्थिक मदद के लिए चल रही योजनाओं के संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। मिशन शक्ति ने पिछले चार चरणों में सफलता के झंडे गाड़ दिए हैं। सिर्फ चौथे चरण के दौरान 3.44 लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। 2.03 करोड़ से ज़्यादा महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाई गई। इसके लिए 18,344 महिला पुलिसकर्मी और 9,172 महिला पुलिस अधिकारी तैनात की गईं।

कई विशेष अभियान भी चलाए गए। इनमें साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाया गया ऑपरेशन गरुड़, 2,800 से ज्यादा बच्चों को बचाने वाला ऑपरेशन बचपन, लड़कियों को परेशान करने वाले 74,000 से ज्यादा युवकों के खिलाफ ऑपरेशन मजनू, नशे से निजात दिलाने के लिए ऑपरेशन नशा मुक्ति, होटलों और पबों की निगरानी के लिए ऑपरेशन रक्षा और 7,000 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार करने वाला ऑपरेशन ईगल शामिल है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यौन अपराध के मामलों को सुलझाने में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। यहां 98.80 प्रतिशत मामले का निपटारा किया गया है। महिला हेल्पलाइन 1090 और पिंक स्कूटी गश्त, पिंक एसयूवी, सीसीटीवी निगरानी और आशा ज्योति केंद्र जैसी अन्य पहलों ने भी इस सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है।

कानपुर और लखनऊ में निजी ऑपरेटर चलाएंगे इलेक्ट्रिक बसें

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी परिवहन को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और हरित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। अब प्रदेश की दो प्रमुख नगर निगम इकाइयों- कानपुर नगर और लखनऊ नगर-में निजी संचालकों एवं संस्थाओं के माध्यम से इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा।

इस पहल के तहत नेट कॉन्ट्रेक्ट मोड पर निजी कंपनियों को संचालन की जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि आम नागरिकों को बेहतर, किफायती और आरामदायक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके।

इस परियोजना के अंतर्गत कानपुर नगर और लखनऊ नगर में 10-10 मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, संचालन और रख-रखाव हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। प्रत्येक मार्ग पर न्यूनतम 10 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन अनिवार्य होगा। कोई भी संचालक एक या एक से अधिक मार्गों के लिए निविदा में भाग ले सकता है, किंतु एक ही मार्ग पर दो बस संचालकों का संचालन मान्य नहीं होगा।

कानपुर में चुने गए मार्गों में रामादेवी-जाजमऊ, फलजोड़-रूपा, गोविंद नगर-अनवरगंज, कानपुर सेंट्रल स्टेशन-नवीन मार्केट, कानपुर रेलवे स्टेशन-बर्रा वर्ल्ड बैंक, कानपुर रेलवे स्टेशन-किदवई नगर, कानपुर सेंट्रल स्टेशन-रावतपुर, कानपुर शहर-सुजाता नगर और कानपुर शहर-चकेरी जैसे महत्वपूर्ण रूट शामिल हैं।

लखनऊ में चारबाग-बाराबंकी, कानपुर-एयरपोर्ट, आलमबाग-मोहनलालगंज, चौक-इंदिरानगर, हजरतगंज-मोहान रोड, चारबाग-माल एवेन्यू, चारबाग-दुर्गा मंदिर, हजरतगंज-अमौसी, इटौंजा-मलिहाबाद और चारबाग-काकौरी जैसे प्रमुख मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी। संचालन का क्षेत्र केवल कानपुर नगर और लखनऊ नगर होगा। प्रत्येक शहर में न्यूनतम 10 मार्ग, हर मार्ग पर 10 इलेक्ट्रिक बसें होंगी।

पहली अक्टूबर से यूपी में शुरू होगी मोटे अनाज की खरीद

खरीद के लिए हो रहा है किसानों का पंजीकरण

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2025-26 के लिए मोटे अनाजों की खरीद पहली अक्टूबर से प्रारंभ होगी, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। मोटे अनाज में शामिल मक्का, बाजरा एवं ज्वार की खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण व नवीनीकरण चल रहा है। अनाज की खरीद पंजीकृत किसानों से ही की जाएगी।

किसान अपनी किसी भी समस्या के लिए टोल फ्री नंबर 18001800150 से मदद ले सकते हैं। इसके अलावा वे जिला खाद्य विपणन अधिकारी, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, विपणन निरीक्षक से भी संपर्क साध सकते हैं। किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खाते में सीधे भुगतान किया जाएगा। वहीं बिचौलियों को रोकने व पारदर्शिता बरतते हुए क्रय केंद्रों पर मोटे अनाज की खरीद ई-पॉप (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ परचेज) डिवाइस के माध्यम से पहले की भांति किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन के जरिए ही होगी।

श्रीअन्न को बढ़ावा देने के साथ ही सरकार ने इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाया है। मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2400 रुपये प्रति क्विंटल, बाजरा का 2775 रुपये प्रति क्विंटल, ज्वार (हाइब्रिड) का 3699 व ज्वार (मालवांडी) का 3749 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

जिन जिलों में मक्का की खरीद होगी उनमें बदायूं, बुलंदशहर, हरदोई, उन्नाव, मैनपुरी, आगरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, कानपुर नगर-देहात, कन्नौज, औरैया, इटावा, बहराइच, गोंडा, बलिया, जौनपुर, फर्रुखाबाद, मीरजापुर, सोनभद्र, देवरिया और ललितपुर शामिल हैं। बदायूं, बुलंदशहर, आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी, अलीगढ़, कासगंज, हाथरस, एटा, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, संभल, रामपुर, अमरोहा, कानपुर नगर-देहात, फर्रुखाबाद, औरैया, कन्नौज, इटावा, जालौन, हमीरपुर, चित्रकूट, गाजीपुर, जौनपुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कौशांबी, मिर्जापुर, बलिया, हरदोई और उन्नाव में ज्वार की खरीद होगी। इसी तरह बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, कानपुर नगर-देहात, फतेहपुर, उन्नाव, हरदोई, मिर्जापुर और जालौन में ज्वार की खरीद होगी।

ओबीसी वर्ग के उत्थान के लिए योगी सरकार ने बनाया मजबूत खाका

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित यूपी के रूप में स्थापित करने का दूरदर्शी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस महत्वाकांक्षी विजन की आधारशिला ग्रामीण युवाओं, खासकर पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना, साथ ही ग्राम स्वच्छता और अवसंरचना को मजबूत बनाना है।

सरकार का मानना है कि अगले 22 वर्षों में इन क्षेत्रों में व्यापक सुधार से यूपी न केवल 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में भी निर्णायक भूमिका निभा सकता है। इस दिशा में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ओबीसी समुदाय के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए ठोस कदम उठा रहा है, जो प्रदेश के 52 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले इस वर्ग के लिए नई उम्मीद लेकर आया है।

प्रदेश में ओबीसी वर्ग की आबादी 52 प्रतिशत से अधिक है, और उनके सशक्तिकरण के बिना 'विकसित यूपी' का सपना अधूरा रहेगा। पिछले आठ वर्षों में विभाग ने ओबीसी कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में 32,22,499 ओबीसी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की गई, जबकि पिछले आठ सालों में कुल 2,07,53,457 छात्रों को 13,535.33 करोड़ रुपए का लाभ मिला। यह राशि पूर्ववर्ती सरकार के 4,197 करोड़ रुपए के व्यय से चार गुना अधिक है, जो योगी सरकार की ओबीसी समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विभाग का लक्ष्य 2047 तक 7 करोड़ से अधिक ओबीसी छात्रों को 80,000 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति देकर शिक्षा के

माध्यम से सामाजिक बराबरी सुनिश्चित करना है। यह कदम ग्रामीण ओबीसी युवाओं को उच्च शिक्षा तक पहुंचाने में मददगार साबित होगा।

ओबीसी समुदाय की गरीब बेटियों के लिए शादी अनुदान योजना एक क्रांतिकारी कदम है। पिछले आठ वर्षों में 1,221 करोड़ रुपए खर्च कर 6,10,483 बेटियों की शादी कराई गई, जबकि पूर्ववर्ती सरकार में यह संख्या महज 2,75,311 और व्यय 344 करोड़ रुपए था। अब अनुदान राशि को 20,000 रुपए से बढ़ाकर 60,000 रुपए करने का प्रस्ताव विचाराधीन है, जो ओबीसी परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा। 2047 तक 24 लाख बेटियों को 14,400 करोड़ रुपए का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है, जो न केवल सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देगा, बल्कि गरीबी उन्मूलन में भी योगदान देगा। यह योजना ओबीसी बेटियों को आत्मसम्मान और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत पिछले आठ वर्षों में 1,39,698 ओबीसी युवाओं को सीसीसी और ओ-लेवल प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे हजारों को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार मिला। यह कदम ग्रामीण ओबीसी युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। विभाग का लक्ष्य 2047 तक 11 लाख युवाओं को प्रशिक्षित करना और 3,850 करोड़ रुपए व्यय करना है। यह पहल न केवल रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, बल्कि ओबीसी समुदाय को डिजिटल युग में आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

ओबीसी छात्रावासों के अनुरक्षण और नए निर्माण को 2047 तक प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि निःशुल्क आवास सुविधा से अधिक से अधिक ओबीसी छात्र लाभान्वित हों। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की कमी को दूर करने के लिए यह कदम अहम है। नई छात्रावास सुविधाएं ओबीसी छात्रों को बेहतर माहौल में पढ़ाई करने का अवसर प्रदान करेंगी, जो विकसित यूपी के विजन का अभिन्न हिस्सा है। विभाग का प्रयास है कि हर जिले में ओबीसी छात्रों के लिए आधुनिक छात्रावास बनें, ताकि शिक्षा उनकी पहुंच से बाहर न रहे। ग्रामीण शिक्षा, स्वच्छता और अवसंरचना को मजबूत करने से ओबीसी समुदाय का सशक्तीकरण संभव है। पिछले आठ वर्षों में विभाग ने शिक्षा, विवाह और रोजगार में जो प्रगति की, वह ओबीसी कल्याण की दिशा में मील का पत्थर है। छात्रवृत्ति, शादी अनुदान और तकनीकी प्रशिक्षण जैसी योजनाओं ने ओबीसी युवाओं और बेटियों को नई दिशा दी है। 2047 तक यह प्रयास ओबीसी समुदाय को समृद्ध बनाएगा और यूपी को राष्ट्रीय विकास में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करेगा।

लखीमपुर खीरी में दिखी जनसहभागिता की मिसाल

बाढ़ पीड़ितों को दिए गए 5 हजार सीएसआर स्पेशल किट

लखीमपुर खीरी, 18 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी जिले में आपदा में जन सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 5 हजार सीएसआर स्पेशल किट का वितरण किया।

यह स्पेशल किट बिना किसी सरकारी सहायता के दिया जा रहा है। इस किट को 45 लाख रुपए की लागत से कॉरपोरेट सेक्टर, उद्यमियों और स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से तैयार किया गया। इसी के साथ खीरी पूरे प्रदेश में ऐसा पहला जिला हैं, जहां पर बाढ़ पीड़ितों के लिए सीएसआर स्पेशल किट वितरित की जा रही है। एक किट की लागत करीब 900 रुपए है।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में 5 हजार सीएसआर स्पेशल किट का वितरण किया जा रहा है। किट को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए जिले की पांच बाढ़ प्रभावित तहसीलों के सभी बाढ़ प्रभावित गांव में निराश्रित महिलाओं, दिव्यांगों और 70 वर्ष से ऊपर के वृद्धजनों को चिन्हित किया गया है।

इसके साथ ही हर जरूरतमंद को स्पेशल किट का वितरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने गुरुवार को सदर तहसील में विधायक योगेश वर्मा के साथ जरूरतमंदों को सीएसआर स्पेशल किट वितरित की।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिले की निघासन, धौरहरा, गोला गोकर्णनाथ और पलिया तहसीलों में चिन्हित दिव्यांगजन, निराश्रित महिला एवं 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले वृद्धजनों को स्पेशल सीएसआर किट का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि फिलहाल बाढ़ पीड़ितों को पांच हजार स्पेशल किट उपलब्ध करायी जा रही है। वहीं जरूरत पड़ने पर और भी सीएसआर स्पेशल किट को बनवाया जाएगा। किट में मच्छरदानी, छाता, बैटरी सहित टॉर्च, सेनेटरी पैड (2 पैकेट) और गर्म पानी रखने के लिए 2 लीटर की थर्मस शामिल है।

देखने में छोटी, पर काम इसके बड़े-बड़े!

अकसर आपने छोटे-छोटे बहुत से बच्चों को शरारत करते हुए देखा होंगा, पर आज हम आपको एक ऐसी बच्ची के बारे में बता रहे हैं जिसके काम को देख कर आप हैरान ही रह जाएगे। 7 साल की यह लड़की ऑड्रे सेलेना गोम्ज और टेलर स्विफ्ट जैसी हस्तियों के साथ काम करती है और गाने भी गाती है। 7 साल की इस बच्ची का नाम ऑड्रे है पर यह लड़की ब्लैकफैन एनीमिया की बीमारी की शिकार है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें रेड ब्लड सेल्स कम हो जाने से बहुत सी खतरनाक बीमारीयां हो जाती है। ऑड्रे को देख कर यह नहीं लगता कि वह बीमार या दुखी हैं। बल्कि वह अपनी लाइफ से खुश हैं। ऑड्रे की इस बीमारी का इलाज चल रहा हैं। ऑड्रे का फेसबुक पर डीबीए फोटो बूथ के नाम से कम्युनिटी पेज भी बना हुआ है जिसमें आप उसकी बहुत सी वीडियोज भी देख सकते है। ऑड्रे जुम्बा डांस के साथ एंकरिंग से लेकर गाने तक का शौक भी रखती है। इसीलिए उसने जुम्बा क्लब भी ज्वॉइन किया है।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिए निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

बच्चे को मोटा बना सकती हैं ये आदतें

बच्चों में मोटापा काफी तेजी से बढ़ रहा है। पहले भले ही ऐसे बच्चों को गोलू-मोलू कहकर पसंद किया जाता हो, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बच्चों में मोटापे की समस्या और उससे सेहत को होने वाले नुकसानों के बारे में व्यापक चर्चा की जाती है। बच्चों में मोटापा कई कारणों से हो सकता है। इनमें अनुवांशिक कारणों को तो हम नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ कारण ऐसे हैं, जिन पर यदि नजर रखी जाए, तो हम समय रहते बच्चों को मोटापे से बचा सकते हैं।

शारीरिक गतिविधियों का अभाव

उछलकूद करना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। इससे न केवल उनका मानसिक विकास होता है, बल्कि इससे उनका शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसके साथ ही बच्चों को छोटी-मोटी शारीरिक गतिविधियों में शामिल करें। रसोई तक अपने बर्तन खुद रख कर आना। लाइट का स्विच ऑफ करने उठना। पानी पीने जाना, घर की सीढ़ियां चढ़ना, जैसे काम भी आजकल बच्चे नहीं करते। इससे उनमें आलस्य आ जाता है और शरीर पर बेकार की चर्बी जमा होने लगती है। इसके साथ ही आपको चाहिए कि आप अपने बच्चे के साथ घूमने जाएं, उन्हें आउटडोर गेम्स में शामिल करें। वरना आजकल के बच्चों के लिए गेम्स का अर्थ कंप्यूटर अथवा ऑनलाइन गेम्स हो गया है।

लिक्विड कैलोरी का अधिक सेवन

शुगर ड्रिंक और फ्रुट ड्रिंक बच्चों के पसंदीदा पेय पदार्थ हैं, लेकिन इससे बच्चों को और कुछ नहीं बस चीनी और कैलोरी ही मिलती है। आपको चाहिए कि बच्चों को ऐसे पेय पदार्थों के सेवन से रोकें क्योंकि इनसे उन्हें पोषण नहीं मिलता, बल्कि उनकी सेहत को नुकसान ही पहुंचता है।

पर्याप्त नींद न लेना

देर रात तक जागते रहना आजकल की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। लेकिन, आपके बच्चों के लिए यह बिल्कुल ही फायदेमंद नहीं है। मोटापे और नींद के बीच गहरा संबंध है। शोध इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि जो बच्चे पूरी नींद नहीं लेते, उनके मोटापे से ग्रस्त होने की आशंका बहुत अधिक होती है। इसके साथ ही ज्यादा नींद भी आपके बच्चों के लिए अच्छी नहीं। इससे आपका बच्चा आलसी हो सकता है। ध्यान रहे आपके बच्चे के लिए नौ से दस घंटे की नींद काफी है।

जंक फूड का सेवन

बच्चों में मोटापे का अहम कारण जंक फूड का सेवन है। जरा सी भूख लगने पर ही बच्चे बर्गर, पिज्जा या कोई अन्य जंक फूड खा लेते हैं। ये हाई कैलारी खाद्य पदार्थ बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में अभिभावकों का उत्तरदायित्व बनता है कि वे अपने बच्चों के खानपान का ध्यान रखें। बच्चों की जिद के चक्कर में आप उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ न करें। कभी-कभार इस प्रकार का भोजन ठीक है, लेकिन इसका नियमित सेवन सेहत के नुकसानदेह है।

टीवी है बीमारी

एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई थी कि जो बच्चे टीवी के सामने अधिक समय बिताते हैं, वे सामान्य बच्चों से अधिक मोटे होते हैं। टीवी मनोरंजन तक तो ठीक है, लेकिन इसके सामने अधिक समय तक बैठे रहना बच्चों को मोटा और थुलथुला बना सकता है। लास एंजेलिस स्थित पेनिंगटन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने शयनकक्ष में टीवी देखने एवं बचपन में मोटापे के बीच सम्बधों को सामने रखा।

भोजन अगर न हो सही

बच्चे के आहार में फाइबर युक्त पदार्थों को शामिल करें। इससे उन्हें ऊर्जा भी मिलेगी और साथ ही उनका पेट भी लंबे समय तक भरा रहेगा। राजमा, ब्रोकली, मटर, नाशपति, साबुत अनाज का पास्ता, ओटमील आदि फाइबर के उच्च स्रोत हैं। इसके साथ ही आप उन्हें फल और सब्जियों का सेवन भी करवाएं। इनके अभाव से भी बच्चे में मोटापा बढ़ सकता है।

क्या है हॉट योगा और इसे क्यों करें

योग के अदभुद लाभों के चलते न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में योग की ख्याति है। योगासनों के कई अलग अलग प्रकार और तकनीक हैं, और इनमें से एक है हॉट योगा। हॉट योगा प्राचीन योग का ही एक एक्स्ट्रीम फॉर्म है। इसे यदि साधारण योगा का मॉडर्न रूप कहा जाए तो गलत न होगा।

इसे कैसे किया जाता है

हॉट योगा एक ग्लैमरस, लेकिन मुश्किल योग है। 90 मिनट के इसके एक सत्र में 26 जटिल आसन और दो प्राणायाम शामिल होते हैं। और इसकी खास बात है कि यह एक ऐसे कमरे में होता है, जहां का तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड या उससे ऊपर रखा जाता है और वहां की आर्द्रता 50 प्रतिशत के आसपास होती है। शायद इस आसनों को करते समय या इन्हें करने के पश्चात इस होने वाले गर्म तापमान के कारण ही इसे हॉट योगा कहा जाने लगा होगा। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि जब तक पसीना बाहर न आए, एक्सरसाइझ का फायदा नहीं होता है। हालांकि इस बात के पीछे का तथ्य यह है कि पसीना इस बात का संकेत होता है कि आपने जरूर के हिसाब से शारिरिक गतिविधी की है और कैलोरी बर्न की हैं। शायद यही सब सोचते हुए कुछ योग एक्सपर्ट ने इस पसीना बहाऊ योग का आविष्कार कर लिया वरना तो योग करने से पसीना कम ही छूटता है। ऐसा माना जाता है कि हॉट योगा दांपत्य जीवन के साथ-साथ, मस्तिष्क व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभदायक होता है, और इससे व्यक्ति तनाव मुक्त रहकर आत्मविश्वास से भरा रहता है। वैसे तो हॉट योगा के बहुत फायदे हैं लेकिन इसे करने से पहले इसके लिए ठीक ट्रेनिंग लेना बेहद जरूरी होता है।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

योगा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम बीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

बैकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है। आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबुते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

रेसिपी

हरियाली मटकी खिचड़ी

सामग्री

1/2 कप मटकी, रातभर भिगोकर छानी हुई, 1/2 कप चावल, धोकर छाने हुए, 1 टेबल-स्पून घी, 2 इलायची, 4 से 5 काली मिर्च, 2 लौंग, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, 2 तेजपत्ता, पीसकर मुलायम ग्रीन पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी के साथ), 1 1/2 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टेबल-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप कसा हुआ नारियल, 2 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए, ताजा दही

विधि

एक प्रैशर कुकर में घी गरम करें, इलायची, काली मिर्च, लौंग, दालचीनी और तेजपत्ता डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तैयार ग्रीन पेस्ट डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। चावल, मटकी और 3 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। ताजे दही के साथ तुरंत परोसें।

हरा भरा खूंभ

सामग्री

पालक प्युरी के लिए, 4 कप बारीक लंबी कटी पालक, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ अदरक, 1 टेबल-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 4 लहसुन की कलियां, अन्य सामग्री, 3 कप खूंभ के टुकड़े, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून शक्कर।

विधि

सभी सामग्री को 1 कप पानी के साथ एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मिलाकर, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। पुरी तरह से ठंडा करने के लिए एक तरफ रख दें। मिक्सर में पीसकर मुलायम प्युरी बना लें और एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में 1/2 टी-स्पून तेल गरम करें, खूंभ और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट या सारा पानी सूख जाने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में बचे हुए 1/2 टी-स्पून तेल को गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भुन लें। तैयार पालक की प्युरी और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। खूंभ और शक्कर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच और 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

झूठ की पोल खुलने के बाद

अंतत: अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के झूठ की कलई खुल गई। अमरीका के चंपू देश पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने ही राष्ट्रपति ट्रंप को बेनकाब कर दिया कि युद्धविराम को लेकर भारत ने तीसरे देश की मध्यस्थता मंजूर नहीं की थी। भारत ने इसे द्विपक्षीय मामला माना। 'अल जजीरा' के साथ साक्षात्कार के दौरान पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने कहा था-'10 मई को जब रूबियो (अमरीका के विदेश मंत्री) के जरिए सीजफायर का प्रस्ताव आया था, तो मुझे बताया गया कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तटस्थ जगह पर बातचीत होगी। लेकिन जब 25 जुलाई को वॉशिंगटन में रूबियो से मुलाकात हुई, तो मैंने पूछा कि बातचीत का क्या हुआ? तो उन्होंने कहा-भारत इसे द्विपक्षीय मामला मानता है।' इस साक्षात्कार से ही साफ है कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम में अमरीकी राष्ट्रपति की कोई भूमिका नहीं थी। यह भी स्पष्ट हो गया कि भारत द्विपक्षीय मामलों में किसी तीसरे की मध्यस्थता न तो स्वीकार करता है और न ही उसकी नीति है। बेशक 10 मई से लेकर हालिया दिनों तक राष्ट्रपति ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि उनके प्रयास से युद्धविराम हो गया। दोनों देशों ने समझदारी और बुद्धिमानी से काम किया और संभावित 'न्यूक्लियर वॉर' टल गया। भारत ने लगातार इस बड़बोलेपन का खंडन किया। संसद के भीतर भी इन दावों को खारिज किया गया। शायद यही बुनियादी वजह हो सकती है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच 90 दिनों तक कोई संवाद नहीं हुआ। 17 जून के बाद यह अबोला टूटा और ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर जन्मदिन की बधाई दी। यह भी कहा कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जवाब में जो कुछ कहा, वह उन्होंने साझा किया है-'मेरे मित्र, राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और गर्मजोशी भरी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमरीका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' बहरहाल झूठ की कलई तो नेपथ्य में चली गई, लेकिन दो विश्व नेताओं की आपसी बातचीत ने संबंधों के रास्ते फिर साफ किए हैं। भारत पर अमरीका के 50 फीसदी टैरिफ के बाद 'व्यापार समझौते' की बातचीत भी बंद हो गई थी, लेकिन 16 सितंबर, मंगलवार, को अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच नई दिल्ली में थे। उन्होंने केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के विशेष प्रतिनिधि राजेश अग्रवाल के साथ करीब 7 घंटे तक बातचीत की। दोनों ने बातचीत को 'सकारात्मक' करार दिया। तय है कि 'व्यापार समझौते' की बातचीत पटरी पर आ गई है। हालांकि इसे समझौते के आधिकारिक संवाद का छठा चरण घोषित नहीं किया गया है। लेकिन इन तमाम बदलावों से अमरीका का नरम रुख और सकारात्मक साझेदारी की एक और शुरुआत स्पष्ट हुई है। यदि अमरीकी प्रतिनिधि वॉशिंगटन से उड़ कर नई दिल्ली में आया है, तो कमोबेश गपशप करने या हल्की-फुल्की बातें करने तो नहीं आया है। लिहाजा हम इस बातचीत को भी महत्वपूर्ण मानते हैं। हालांकि अमरीका का लक्ष्य अब भी वही है, जो मई-जून-जुलाई के संवाद-चरणों के दौरान उजागर हुआ था। अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक का सवाल समझ में आता है-'भारत के 140 करोड़ से अधिक लोग अमरीकी मक्का का एक बुशेल, यानी 32 सेर, क्यों नहीं खरीद सकते? अमरीका भारत के कृषि क्षेत्र में व्यापार की अनुमति लगातार मांग रहा है। यह व्यापार समझौते का एक बड़ा पेंच भी है। भारत लगातार इंकार कर रहा है, क्योंकि उसे अपने किसानों, डेयरीवालों की चिंता है। टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात 7 फीसदी बढ़ा है और आयात 10 फीसदी कम हुआ है। टैरिफ से भारत बिल्कुल प्रभावी नहीं है, ऐसा नहीं है। आंध्रप्रदेश में झींगा मछली के कारोबारियों को करीब 25,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है, क्योंकि उनके निर्यात के 50 फीसदी ऑर्डर रद्द कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने यह मुद्दा केंद्र के साथ साझा किया है कि झींगा निर्यातकों की मदद की जाए। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच जो खिडक़ी खुली है, उससे अब ठंडी हवा ही आनी चाहिए। नेतागण अनाप-शनाप दावे करते रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संबंध बिगडऩे नहीं चाहिए।

> अमरीका के चंपू देश पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने ही राष्ट्रपति ट्रंप को बेनकाब कर दिया कि युद्धविराम को लेकर भारत ने तीसरे देश की मध्यस्थता मंजूर नहीं की थी। भारत ने इसे द्विपक्षीय मामला माना। 'अल जजीरा' के साथ साक्षात्कार के दौरान पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने कहा था-'10 मई को जब रूबियो (अमरीका के विदेश मंत्री) के जरिए सीजफायर का प्रस्ताव आया था, तो मुझे बताया गया कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तटस्थ जगह पर बातचीत होगी। लेकिन जब 25 जुलाई को वॉशिंगटन में रूबियो से मुलाकात हुई, तो मैंने पूछा कि बातचीत का क्या हुआ? तो उन्होंने कहा-भारत इसे द्विपक्षीय मामला मानता है।' इस साक्षात्कार से ही साफ है कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम में अमरीकी राष्ट्रपति की कोई भूमिका नहीं थी। यह भी स्पष्ट हो गया कि भारत द्विपक्षीय मामलों में किसी तीसरे की मध्यस्थता न तो स्वीकार करता है और न ही उसकी नीति है। बेशक 10 मई से लेकर हालिया दिनों तक राष्ट्रपति ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि उनके प्रयास से युद्धविराम हो गया। दोनों देशों ने समझदारी और बुद्धिमानी से काम किया और संभावित 'न्यूक्लियर वॉर' टल गया। भारत ने लगातार इस बड़बोलेपन का खंडन किया।

ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

ललित गर्ग

> भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है।

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं। आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी

निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिश्योक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है। सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया। भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह किसानों, डेयरी उत्पादकों एवं एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव था, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो और इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहने के लिए भारत दूसरे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। भले ही डोनाल्ड ट्रंप पर अधिक भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन सवाल यह है कि अब उनकी तरफ से दिखाई जा रही नरमी को क्या एक संकेत माना जाए कि इससे कोई नई राह निकलेगी। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत थी, अब अमेरिका भारत का नजरिया समझने को तत्पर हुआ है तो निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम आयेंगे।

देश दुनिया से

अस्थिरता के दौर में दक्षिण एशियाई देश

पिछले तीन वर्षों से दक्षिण एशिया के तीन देश राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता की गिरफ्त से गुजरे हैं। श्रीलंका आर्थिक संकट से जूझकर सत्ता पलट का गवाह बना, बांग्लादेश में विपक्ष के दमन और सरकारी नौकरियों में आरक्षण में अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन से सत्ता परिवर्तन हुआ तो वहीं अब नेपाल में राजनीतिक नेतृत्व की अपरिपक्वता एवं आमजन की भावनाओं और अपेक्षाओं के विपरीत फैसले लेने से नेपाल में सडक़ों पर आए युवा आंदोलन से सत्ता परिवर्तन हुआ है। नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों तक को आग के हवाले करने से संकोच नहीं किया और कई मंत्रियों को उनके घरों से खींचकर सडक़ों पर अपमानित किया गया। अब तक 51 से अधिक लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की पुष्टि हो चुकी है। इन सत्ता पलट आंदोलनों से तीनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भी तगड़ा झटका लगा है। नेपाल में आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसका नेतृत्व किसी राजनीतिक दल ने नहीं, बल्कि सोशल मीडिया से पली-बढ़ी नई पीढ़ी, 'जेनरेशन जेड' ने किया। इसकी शुरुआत तब हुई जब सरकार ने अचानक फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप सहित 26 प्लेटफॉर्मों पर प्रतिबंध लगा दिया। तर्क यह दिया गया कि अफवाहें और फर्जी अकाउंट सामाजिक शांति को बिगाड़ रहे हैं, पर युवाओं ने इसे अपनी आवाज दबाने का प्रयास माना। जिस पीढ़ी के लिए डिजिटल अभिव्यक्ति जीवन का अभिन्न हिस्सा है, उसने इसे बर्दाश्त नहीं किया और गुस्सा सडक़ों पर फूट पड़ा। हालांकि वास्तव में लंबे समय से नेपाल में नेताओं और अफसरशाही के परिवारों की आलीशान जीवनशैली सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय रहती आई है। उनकी महंगी गाडियां, विदेशों में शिक्षा और ऐशो आराम की ज़िंदगी देश के युवाओं को खटकती रही है। जहां बेरोजगारी की दर 20 प्रतिशत से अधिक हो और लाखों युवा रोजगार की तलाश में यहां-वहां ठोकरें खाने को विवश हों, ऐसे में अवसरहीनता और भ्रष्टाचार के बीच जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी छीन ली गई तो विद्रोह होना स्वाभाविक ही था। जनदबाव के चलते सरकार को झुकना पड़ा और गृह मंत्री व संचार मंत्री ने इस्तीफा दे दिया और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली नेपाल छोड़ दुबई भाग गए। नेपाल का इतिहास बताता है कि यहां लोकतंत्र आंदोलनों और विद्रोहों से ही मजबूत हुआ है, 1990 का बहुदलीय आंदोलन, 2006 में राजशाही का अंत और अब यह नया युवा आंदोलन। 2015 में अपनाया गया नेपाल का संविधान, देश को सात प्रांतों में विभाजित एक धर्मनिरपेक्ष संघीय संसदीय गणराज्य के रूप में स्थापित करता है। नेपाल 1955 में संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना। नेपाल की राजनीतिक बेचैनी केवल आंतरिक नहीं है।

> श्रीलंका आर्थिक संकट से जूझकर सत्ता पलट का गवाह बना, बांग्लादेश में विपक्ष के दमन और सरकारी नौकरियों में आरक्षण में अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन से सत्ता परिवर्तन हुआ तो वहीं अब नेपाल में राजनीतिक नेतृत्व की अपरिपक्वता एवं आमजन की भावनाओं और अपेक्षाओं के विपरीत फैसले लेने से नेपाल में सडक़ों पर आए युवा आंदोलन से सत्ता परिवर्तन हुआ है। नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों तक को आग के हवाले करने से संकोच नहीं किया और कई मंत्रियों को उनके घरों से खींचकर सडक़ों पर अपमानित किया गया।

उसकी भौगोलिक स्थिति उसे भारत और चीन के बीच संवेदनशील मोर्चा बना देती है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और अमेरिका की मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन जैसी परियोजनाओं ने उसे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना दिया है। ऐसे में यह प्रश्न भी उठता है कि सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और उसके खिलाफ आंदोलन महज स्वतः स्फूर्त प्रतिक्रिया थे या कहीं बाहरी शक्तियां भी सक्रिय थीं? इस उथल-पुथल के बीच नेपाल ने नई राह तलाशने का प्रयास किया और 14 सितंबर 2025 को देश की पहली महिला न्यायाधीश एवं पहली अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पदभार ग्रहण करते हुए घोषणा की कि वे युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप भ्रष्टाचार समाप्त करने और सुशासन स्थापित करने की दिशा में काम करेंगी। 73 वर्षीय पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की को संसद भंग होने के बाद छह माह के लिए व्यवस्था संभालने का दायित्व दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सरकार 5 मार्च 2026 तक ही रहेगी और चुनावों के बाद सत्ता निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंप दी जाएगी। कार्की ने स्वीकार किया कि, 'हमें जेनरेशन-जेड की सोच के अनुसार काम करना होगा, जिनकी प्रमुख मांग भ्रष्टाचार का अंत, आर्थिक समानता और पारदर्शी शासन है।' राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने इस नियुक्ति को जटिल लेकिन शांतिपूर्ण समाधान बताया, जबकि भारत, चीन और अन्य पड़ोसी देशों ने नेपाल की स्थिरता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत अपने पड़ोसियों की अस्थिरता से अलग नहीं रह सकता है। श्रीलंका के संकट में भारत को मानवीय सहायता और कूटनीतिक संतुलन साधना पड़ा था। बांग्लादेश की अस्थिरता ने पूर्वोत्तर नीति और सीमा प्रबंधन को प्रभावित किया। चूंकि भारत-नेपाल के मध्य 1751 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है और यह भारत के सीमा पांच राज्यों के 20 जिलों में फैली हुई है लिहाजा अब नेपाल की हलचलें भी भारत के सीमाई क्षेत्रों, प्रवासी मजदूरों और रणनीतिक हितों पर असर डालेंगी। स्पष्ट है कि स्थिरता का रास्ता केवल सत्ता परिवर्तन में नहीं है। नेपाल को युवाओं की आकांक्षाओं को समझना और पूरा करना होगा। रोजगार सृजन, शिक्षा और कौशल विकास पर ठोस पहल करनी होगी। भ्रष्टाचार पर अंकुश और संवैधानिक संस्थाओं की पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बहाल करना होगा, क्योंकि सोशल मीडिया पर बैन जैसे कठोर कदम लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। साथ ही, विदेश नीति में संतुलन साधना अनिवार्य है, ताकि भारत, चीन और अमेरिका की प्रतिस्पर्धा के बीच नेपाल अपनी संप्रभुता सुरक्षित रख सके। आज की घटनाएं दक्षिण एशिया के लोकतंत्रों के लिए गहरी चेतावनी भी हैं। श्रीलंका हो या बांग्लादेश, अथवा नेपाल की सडक़ों पर उतरे युवाओं का विद्रोह, हर जगह संदेश एक ही है कि जनता की आवाज दबाकर स्थिरता संभव नहीं। असली स्थिरता लोकतांत्रिक भागीदारी, अवसरों की समानता और पारदर्शी शासन से ही आएगी। भारत और उसके पड़ोसी देश इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेते हैं, इसी पर क्षेत्र के भविष्य की दिशा निर्भर करेगी।

कुछ अलग

अभी इंतजार करो बंधु...

वैसे तो इस देश में लोग आम तौर पर इतने दुःखी रहते हैं कि उन्हें अपने महानायकों के 'मन की बात' का धारावाहिक प्रसारण भी जीवंतता की कोई धारावाहिक अनुभूति नहीं दे पाता। उपलब्धियों की घोषणा का हर मील पत्थर स्थापित भी नहीं होता, कि अपने लिए मरम्मत का नया मांगपत्र लेकर पेश हो जाता है। अब जनाब सुख का शुबहा देने वाली इस दुःख की थिगलियों लगी चादर में इतने छेद हो गए हैं कि लगता ही नहीं कि इस पौन सदी की आबादी में हमने कोई चादर कभी ओढ़ी थी। शुबहे-शुबहे में ही यह विकास यात्रा कट गई, और हमने पाया कि निरंतर चलते रहने के बावजूद हम तो आज भी वहां के वहां खड़े हैं, जहां से चले थे। इस समय देश के हर राज्य पर असाधारण बरसात और जल प्रलय का कहर नाजिल हुआ है। इसके चलते भुखमरी, बेकारी और बेरोजगारी से लडऩे की सारी योजनाएं धरी की धरी रह जाती हैं। योजनाओं से याद आया, अब से सात दशक पहले इस देश में योजना आयोग खड़ा किया गया था, जिसे एक सफेद हाथी कह कर नकार दिया गया था। जी हां, बेशक उसकी जगह नीति आयोग ने ले ली, लेकिन नीतियां बनाते-बनाते इतना समय लगता है कि समझ लो, इस देश में हर काम धीरे-धीरे होता है। सदियों की गरीबी है, अनपढ़ता है, पिछड़ापन है, धीरे-धीरे जाएगा, समझो बंधु। जनसंख्या पर नियंत्रण नहीं करोगे, तो बेकारी तो बढ़ेगी ही। परिवार नियोजन की बात का धूम-धड़ाका जारी था कि बीच में महामारियों पर नियंत्रण की बात होने लगी। खैर इस देश के लोग मृत्यु प्रेमी हैं। जीवन को क्षणभंगुर और शरीर को नश्वर मानते हैं।

आप का नजरिया

विकास का दिशाभ्रम

फटते बादलों, निरंतर बारिश का तांडव और जल निकासी की लाचारी में हिमाचल की बदहवासी का वर्णन अब उद्घाटन के पत्थर भी बयान कर रहे हैं। सोन खड्ड ने फिर बता दिया कि हमारे विकास का दिशाभ्रम आखिर है क्या। भले ही बारिश की कोई तय कहानी नहीं है, जहां मेघ कातिल हैं, वहां जिंदगी की कोई निशानी नहीं है, लेकिन धर्मपुर का बस अड्डा अपने जन्म से ही अपनी मौत के फरमान जारी किए हुए है। दरअसल अड्डा सोन खड्ड के वजूद को चुनौती देकर बनता रहा, क्योंकि हुजूर का हुकम था कि उनके विकास के मीलपत्थर वहीं सलामत रहने चाहिएं जहां उनको दिशाभ्रम था। एक ही बस अड्डे की बार-बार मौत का जिम्मेदार आखिर है तो ऐसा ही विकास जो बिना किसी भौगोलिक अध्ययन या वैज्ञानिक आधार को पुख्ता करे। हमने विकास फॉल्ट लाइन्स खुद विकसित की हैं। गौर करें यह बार-बार शिमला की पंथाघाटी, मंडी या किसी अन्य पर्वतीय शहर के नए क्षेत्रों, हाइडल प्रोजेक्ट्स के नजदीक, नई आबादियों या सडक़ों के किनारे घाटियों की तरफ उगते ऊंचे भवन क्यों चर्चा में आते हैं। सोन खड्ड ने पहली बार धर्मपुर को 1960 में चुनौती देते हुए उस वक्त के बाजार को लाल झंडी दिखाई थी, लेकिन हमारे विकास के मॉडल ने सूई में कंक्रीट पिरोने की कोशिश करते हुए, बस स्टैंड के बैनर टांग दिए। दस वर्ष पूर्व सोन खड्ड ने बताया था कि उसकी हद में आया निर्माण स्वीकार नहीं है। तब भी बसों के ढेर लगे थे और पुनः बरसात के पत्थरों ने उद्घाटन के सारे पत्थर तोड़ डाले। यहां विकास के दृष्टिपटल पर सोन खड्ड ने लिख दिया है कि गलत विकास, सरकारी धन का दुरुपयोग व कबाडख़ाने का विकल्प है यह। आठ से दस करोड़ जाया करके अंततः ऐसी राजनीतिक संतुष्टि का किसे दोषी ठहराएं। बेशक अब योजनाओं की चिडियां नदियों-खड्डों से दूर निर्माण की नई शर्तें सुना रही हैं, लेकिन चिने हुए खतरों का क्या करें। हिमाचल में विकास का पुनर्गठन करते हुए पुनर्वास के नए घौंसले सुनिश्चित करने होंगे। धर्मपुर हो, बालीचौकी हो या थुनाग, यहां अब पुनर्वास को नया विकल्प खोजने के लिए वनों से सुरक्षित जमीन चाहिए। हिमाचल की बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए दो-चार जंगल काटने की अनुमति चाहिए, वरना निजी जमीन की पैमाइश अब जिन क्षेत्रों में बची है, वे प्रायः असुरक्षित हैं या जल निकासी के पारंपरिक रास्तों के नजदीक हैं। हिमाचल के हर विभाग को राज्यस्तरीय नक्शे पर अपनी योजनाओं को उकेरना होगा। सरकारी, गैरसरकारी व जंगल की बंजर तथा समतल जमीन की अदला-बदली में लैंड पूलिंग आवश्यक है। इसके लिए टीसीपी कानून में परिभाषित हर अपेक्षा को पूरा करना होगा। पूरे हिमाचल का नियोजन करने की जरूरत है और इसके लिए टीसीपी के तहत समूचे प्रदेश के विकास का एक खाका बनाना होगा। भविष्य की आवश्यकताओं को जल, जंगल और जमीन के तहत एक नई साझेदारी विकसित करनी होगी। दूसरी ओर पर्वतीय राज्यों के विकास का एक सुनिश्चित खाका बनाने के लिए केंद्र सरकार को इनके आर्थिक अधिकार तथा विकास के मानदंड सुनिश्चित करने पड़ेंगे। यहां हिमाचल की राजनीति को सत्ता की सोहबत में अहंकार छोडऩे पड़ेंगे। नदी, नालों, खड्डों को बरसात के निकास का मुख्य जरिया बनाने के लिए चैनलाइजेशन, बांधों की डीसिल्टिंग तथा

> भले ही बारिश की कोई तय कहानी नहीं है, जहां मेघ कातिल हैं, वहां जिंदगी की कोई निशानी नहीं है, लेकिन धर्मपुर का बस अड्डा अपने जन्म से ही अपनी मौत के फरमान जारी किए हुए है। दरअसल अड्डा सोन खड्ड के वजूद को चुनौती देकर बनता रहा, क्योंकि हुजूर का हुकम था कि उनके विकास के मीलपत्थर वहीं सलामत रहने चाहिएं जहां उनको दिशाभ्रम था। एक ही बस अड्डे की बार-बार मौत का जिम्मेदार आखिर है तो ऐसा ही विकास जो बिना किसी भौगोलिक अध्ययन या वैज्ञानिक आधार को पुख्ता करे। हमने विकास फॉल्ट लाइन्स खुद विकसित की हैं। गौर करें यह बार-बार शिमला की पंथाघाटी, मंडी या किसी अन्य पर्वतीय शहर के नए क्षेत्रों, हाइडल प्रोजेक्ट्स के नजदीक, नई आबादियों या सडक़ों के किनारे घाटियों की तरफ उगते ऊंचे भवन क्यों चर्चा में आते हैं। सोन खड्ड ने पहली बार धर्मपुर को 1960 में चुनौती देते हुए उस वक्त के बाजार को लाल झंडी दिखाई थी, लेकिन हमारे विकास के मॉडल ने सूई में कंक्रीट पिरोने की कोशिश करते हुए, बस स्टैंड के बैनर टांग दिए।

कम्युनिटी वाटर हार्वेस्टिंग का मॉडल तैयार करना पड़ेगा। बरसात से पूर्व खड्डों और नदियों के जल निकास-जल प्रवाह को अबाधित सुनिश्चित करने की एक नई अप्रोच विकसित करनी पड़ेगी। हिमाचल जैसे राज्यों को डंपिंग के जरिए नई जमीन के आधार को विकसित करने का एक प्लान होना चाहिए और यह भी कि कूड़ा-कर्कट या प्लास्टिक वेस्ट किसी भी तरह के जल निकास को बाधित न करे।

दृष्टि कोण

राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी खत्म नहीं हो पाया गहलोत बनाम पायलट का मामला

वर्ष 2020 में राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी ही सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट पर भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने और विधायकों की खरीद फरोख्त करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। मामला एसओजी और एसीबी तक पहुंचा। लेकिन उस समय के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दर्ज करवाए गए मामले में जांच करने के बाद एसीबी ने अदालत के सामने एफआर लगाते हुए यह कह दिया कि उन्हें कोई सबूत नहीं मिला है और यह पूरा मामला फर्जी है। जांच एजेंसी की रिपोर्ट के बाद राजस्थान हाई कोर्ट ने मामले को खारिज करते हुए सभी आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है। यह माना जा रहा था कि राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा सचिन पायलट सहित सभी आरोपियों को क्लीन चिट दिए जाने के बाद अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई का अंत हो जाएगा। वैसे भी अब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार नहीं है तो कुर्सी के लिए लड़ाई का कोई मतलब नहीं है। अदालत का फैसला आने के बाद सचिन पायलट ने सधे हुए अंदाज में संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, न्यायपालिका में सभी का भरोसा है। न्यायपालिका में कभी-कभी देरी हो जाती है, लेकिन उन्हें लगता है देश की न्याय पालिका सुदृढ है, मजबूत है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें नहीं लगता कि जब अदालत का निर्णय आ गया है, तो अब कुछ बचा है कहने को। न्यायपालिका में सबका भरोसा है। अदालत द्वारा क्लीन चिट मिलने के बाद यह माना जा रहा था कि सचिन पायलट को जल्द ही कांग्रेस संगठन में नई और बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। खबरें तो यहां तक आ रही है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, दोनों नेताओं ने सचिन पायलट से उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाने का वादा कर रखा है। आपको बता दें कि, कांग्रेस संगठन में राष्ट्रीय संगठन महासचिव का पद राष्ट्रीय अध्यक्ष के बाद दूसरा सबसे ताकतवर पद माना जाता है। इसी पद को छोड़कर वर्ष 2018 में अशोक गहलोत राजस्थान का मुख्यमंत्री बनकर जयपुर

चले गए थे और वर्तमान में इस पद पर केसी वेणुगोपाल बैठे हुए हैं। लेकिन अदालत का फैसला आने के बाद अशोक गहलोत ने एक बार फिर से मोर्चा खोल दिया है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, ₹ राजस्थान में 2020 में कांग्रेस सरकार गिराने की साज़िश करने वाले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एसीबी द्वारा एक मुकदमे में एफआर लगाने पर बड़ी-बड़ी बातें कह रहे हैं। वो यह बताएं कि यदि इतने ही ईमानदार हैं तो विधायकों से खरीद-फरोख्त की बात करने वाले ऑडियो की जांच के लिए आज तक वॉइस सैंपल क्यों नहीं दिया? संजय जैन वाले मुकदमे में वो बार-बार अदालत में वॉइस सैंपल देने का विरोध क्यों करते हैं? यदि वो ईमानदार हैं तो एक बार वॉइस सैंपल देकर अपनी ईमानदारी साबित करें। सरकार बदलने के बाद पहले संजीवनी केस और अब दूसरे मामलों में जांच एजेंसियों पर दबाव डालकर तथ्य तोड़े-मरोड़कर एफआर लगाई जा रही है जिससे कोर्ट के सामने कोई और चारा नहीं बचता है। जुलाई-अगस्त 2020 में सरकार गिराने के लिए 30 विधायकों के समर्थन वापसी के दावे, 20 विधायकों को मानेसर ले जाना, अमित शाह, धर्मेन्द्र प्रधान और जफर इस्लाम से मुलाकात, कांग्रेस नेताओं पर ईडी, आईटी और सीबीआई के छापे, विधायकों को रिश्वत के मामले, बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों के ऊपर अचानक मुकदमे समेत सभी यादें प्रदेशवासियों के मन में ताज़ा हैं। सांसद हनुमान बेनीवाल ने ही कुछ दिन पूर्व ही सरकार गिराने के संदर्भ में बयान दिया था कि उस समय वो भाजपा का सहयोग कर रहे थे।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 73, 12 नरकंकाल की पहचान नहीं हो पाई

काठमांडू,18 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में नौ सितंबर को हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं में भाटभटेनी सुपरस्टोर के तीन अलग-अलग आउटलेट्स पर मिले मानव कंकाल की पहचान नहीं हो पाई है। अब तक 12 ऐसे शव हैं, जिनका सिर्फ कंकाल ही मिल पाया है। इस बीच जेन-जी आंदोलन के दौरान मरने वालों की संख्या 73 तक पहुंच गई है।

पुलिस ने बताया है कि 12 कंकाल पहचान इसलिए नहीं हो पाई, क्योंकि किसी ने भी अपने रिश्तेदारों की गुमशुदगी की सूचना नहीं दी है। सरकार ने आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित करने और मुआवजा देने का फैसला किया है। पुलिस के अनुसार, नौ सितंबर को चूचेपाटी स्थित भाटभटेनी सुपरस्टोर में सात कंकाल, 10 सितंबर को सुनसरी स्थित धरान सुपरस्टोर में चार कंकाल और उसी दिन विराटनगर स्थित आउटलेट में एक कंकाल मिला था।

पुलिस के अनुसार, अगर कोई अपने किसी रिश्तेदार के लापता होने की सूचना देता है तो डीएनए परीक्षण से उसकी पहचान आसान हो जाती है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता और डीआईजी बिनोद घिमिरे ने कहा, सभी कंकाल का डीएनए परीक्षण जरूरी है। अगर लोग पुलिस से संपर्क कर अपने परिजनों के लापता होने का दावा करते हैं तो डीएनए परीक्षण कराया जाएगा। अभी तक इस सिलसिले में कोई भी आगे नहीं आया है।

जेन-जी आंदोलन के दूसरे दिन नौ सितंबर को भटभटेनी सुपरस्टोर की कई दुकानों में आग लगाकर लूटपाट की गई थी। इस डिपार्टमेंटल स्टोर के बयान में कहा गया है कि नष्ट की गई दुकानों की सफाई के दौरान तीन सुपरस्टोरों में मानव कंकाल मिले। कंकालों की पहचान न हो पाने पर पुलिस ने यूनिट के जरिए एक नोटिस जारी कर परिजनों से संपर्क करने को कहा है।

न्यूज ब्रीफ

चार्ली किर्क की हत्या का राजनीतिक इस्तेमाल कर ट्रंप दे रहे विभाजन को बढ़ावा: पूर्व राष्ट्रपति ओबामा

वाशिंगटन (अमेरिका)। देश के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप और उनके सहयोगी रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या का राजनीतिक इस्तेमाल कर विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं। यह लोग नहीं चाहते कि किर्क के विचारों पर बहस हो। ओबामा ने यह टिप्पणी मंगलवार को पेंसिल्वेनिया के एरी में आयोजित जेफरसन एजुकेशनल सोसाइटी के 17वें वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में की। रिपोर्ट के अनुसार, ओबामा ने कहा कि हाल के दिनों में ट्रंप की अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर किए गए हमलों और किर्क की हत्या के बाद अपने विरोधियों को दबाने के लिए कठोर कार्रवाई की धमकियों ने देश में तनाव बढ़ा दिया है। ओबामा ने कहा, जब मैं वर्तमान राष्ट्रपति और उनके सहयोगियों को भी सुनता हूं तो कोफ्त होती है। यह लोग अपने राजनीतिक विरोधियों को कीड़ा कहते हैं। यह एक व्यापक समस्या की ओर इशारा करता है। पिछले हफ्ते यूटा में एक विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ओबामा ने किर्क की मौत को भयावह और दुखद बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को किर्क के विचारों पर बहस करने का अधिकार होना चाहिए। ओबामा ने कहा, चाहे हम डेमोक्रेट हों, रिपब्लिकन हों या स्वतंत्र। हमें यह स्वीकार करना होगा कि दोनों पक्षों में निस्संदेह ऐसे लोग हैं जो अतिवादी हैं और जो ऐसी बातें कहते हैं जो मेरे अनुसार अमेरिका के मूल मूल्यों के विपरीत हैं।

ढाई करोड़ खर्च कर शरीर पर टैटू बनवाने वाली महिला अब उन्हें हटवा रही, जानें क्यों...

न्यूयॉर्क। ऑस्ट्रेलिया की एम्बर ल्यूक, जो सोशल मीडिया पर ब्लू आइज व्हाइट ड्रैगन नाम से मशहूर हैं, अपने पूरे शरीर पर टैटू बनवाने के लिए जानी जाती हैं। लेकिन अब उन्होंने चौंकाने वाला फैसला लिया है, वह अपने चेहरे समेत पूरे शरीर से टैटू हटवा रही हैं। 30 वर्षीय एम्बर ने अब तक करीब 2.5 करोड़ रुपये (280,000 डॉलर) टैटू पर खर्च किए। उनके शरीर पर लगभग 600 टैटू बने हुए हैं, यहां तक कि उन्होंने आंखों में भी स्याही डलवाई थी, जिसकी वजह से वह तीन सप्ताह तक अंधी हो गई थीं। जानकारी अनुसार एम्बर ल्यूक को 16 वर्ष की उम्र में बॉडी डिस्मॉर्फिया बीमारी का पता चला, जिसके कारण वह अपनी शक्ल-सूरत से असंतुष्ट रहने लगीं। इसी वजह से उन्होंने टैटू के जरिए अपनी पहचान गढ़नी शुरू की। 22 साल की उम्र तक आते-आते उन्होंने आंखों में भी टैटू करवा लिया था। चेहरे पर टैटू हटाने की प्रक्रिया शुरू ल्यूक ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी पहले और बाद की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, अगस्त 2025 में मैं अपने सभी 36 चेहरे के टैटू हटाने की प्रक्रिया में हूं। उन्होंने बताया कि जेल में रहने के दौरान वजन घटने और बढ़ने से उनके चेहरे के टैटू विकृत और धुंधले हो गए। यही वजह है कि अब वह इन्हें हटवा रही हैं। आखिर क्यों हुई थी जेल गौरतलब है कि साल 2021 में एम्बर को ड्रग्स तस्करी के मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि कुछ दिनों बाद ही उन्हें अदालत से राहत भी मिल गई थी।

अमेरिका यूक्रेन को भेजेगा हथियारों की खेप, भीषण जंग होने के बढ़े आसार

कीव। रूस और यूक्रेन की जंग रुकवाने के दावे करना वाला अमेरिका अब इस जंग को और ज्यादा तेज करवाने के मूड में है। ये इसलिए कहा जा रहा है कि अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की बड़ी खेप देने जा रहा है। इससे आशंका है कि दोनों देशों में जंग भीषण होने का खतरा बढ़ गया है। अमेरिका ने यूक्रेन को हथियार सहायता भेजने के लिए अपने पहले पैकेज को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, यह पैकेज जल्द ही कीव को भेजा जा सकता है। खास बात यह है कि इस बार हथियारों की आपूर्ति एक नए वित्तीय समझौते के तहत होगी, जिसमें अमेरिका के साथ नाटो के सहयोगी देश भी शामिल हैं। कहा जा रहा है कि इस व्यवस्था के जरिए अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी लगभग 10 अरब डॉलर तक के हथियार यूक्रेन को मुहैया कराने की तैयारी कर रहे हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के लगातार हमलों से नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। ट्रंप ने कई बार संघर्ष को बातचीत के जरिए खत्म करने की इच्छा जताई है, लेकिन अब तक उनके प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। अब तक ट्रंप प्रशासन ने या तो हथियारों की बिक्री की थी या फिर उन गिफ्ट में दिए शिपमेंट्स को भेजा था जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंजूरी दी थी। बाइडेन यूक्रेन के प्रबल समर्थक माने जाते रहे हैं।यह पहली बार है जब अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 'प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकताओं की सूची'नामक नई प्रणाली का उपयोग किया है।

ट्रंप का खेल : एक तरफ गाजा पर बमबारी दूसरी तरफ इजरायल-सीरिया में होगी दोस्ती

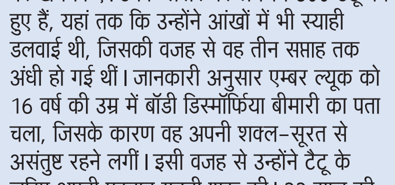

दमिश्क,18 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी दबाव के बीच सीरिया और इजरायल के बीच सुरक्षा समझौते को लेकर बातचीत तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, सीरिया चाहता है कि इस समझौते से इजरायल की ओर से हाल ही में कब्जा की गई उसकी जमीन वापस मिले। हालांकि, यह समझौता शांति संधि से काफी कम स्तर का होगा। अमेरिका चाहता है कि इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क में होने वाली यूएन महासभा से पहले इतनी प्रगति हो जाए कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश कर सकें।

सूत्रों का कहना है कि अगर मामूली समझौता भी होता है, तो यह बड़ी बात होगी क्योंकि इजरायल का रुख कड़ा है और सीरिया की स्थिति गृहयुद्ध और सांप्रदायिक हिंसा के बाद कमजोर हो चुकी है। एक तरफ गाजा पर बमबारी दूसरी तरफ इजरायल-सीरिया में दोस्ती वैश्विक स्तर पर चर्चित हो रही है।

इजरायल ने मंगलवार को यमन के होडैदा शहर पर जबरदस्त हवाई हमले किए। आईडीएफ ने दावा किया कि यह हमला हूतियों की 'सैन्य ढांचे' पर किया गया, जिसका इस्तेमाल ईरान से हथियार लाने और इज़रायल व उसके सहयोगियों पर हमले करने में होता है। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि उनकी एयर डिफेंस ने इजरायली विमानों को 'भारी भ्रम' में डाल दिया और कुछ फॉर्मेशन को यमनी हवाई क्षेत्र छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

इजरायल ने 'गाजा सिटी' पर पूरी तरह कब्जे के लिए अपने हमले के मुख्य चरण की शुरुआत कर दी। इसके बाद गाजा के सबसे बड़े शहर से हजारों लोग अपने सामाने से भरी गाड़ियों में निकलते देखे गए। रिपोर्ट के मुताबिक गाजा की तटीय सड़क पर गाड़ियों और ट्रकों की लंबी कतारें लगी थीं, जिन पर गद्दे और अन्य सामान बंधे हुए थे। कई लोग गाड़ियों की छतों पर बैठे थे, जबकि कुछ पैदल ही शहर छोड़ रहे थे।

कई देशों के बीच भरोसे की भारी कमी है। इजरायल इस समझौते को लेकर ज्यादा रियायत देने को तैयार नहीं है। अमेरिकी अधिकारी मानते हैं कि ट्रंप इस डील को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि के तौर पर दिखाना चाहते हैं। पिछले कुछ महीनों में अबू धाबी, बाकू और पेरिस में हुई मुलाकातों में माहौल तनावपूर्ण रहा। पेरिस की वार्ता में पहली बार सीरिया ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि वह इजरायल के साथ सीधी बातचीत कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इजरायल लंबे समय में भी गोलन लौटाने को तैयार नहीं है। उसने अमेरिका के जरिए संकेत दिया है कि अगर सीरिया गोलन छोड़ दे तो वह दक्षिण सीरिया से हट सकता है। लेकिन दमिश्क ने इसे खारिज कर दिया। सीरिया के दक्षिण में इजरायली सेना की दखलअंदाजी और स्थानीय संघर्षों ने माहौल को और जटिल बना दिया है। इजरायल का कहना है कि उसकी कार्रवाई केवल अपनी सुरक्षा के लिए है। वहीं, सीरियाई सेना अब सीधी भिड़ंत से बचने की रणनीति अपना रही है।

अंडरगारमेंट्स को बदल लेना चाहिए 6 महीने से 1 साल के भीतर

लंदन,18 सितंबर (एजेंसियां)। अंडरगारमेंट्स को किसी भी स्थिति में 6 महीने से 1 साल के भीतर बदल देना चाहिए, क्योंकि समय के साथ इनसे स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ने लगते हैं। ताजा रिसर्च के मुताबिक, अंडरगारमेंट्स को धोने पर भी उनके फाइबर में माइक्रोस्कोपिक छेद बन जाते हैं, जिनमें बैक्टीरिया, फंगस और डेड स्किन सेल्स जमा हो जाते हैं। इनकीटाणुओं को पूरी तरह हटाना असंभव होता है और यही कीटाणु संक्रमण, जलन और दुर्गंध का कारण बनते हैं। कई बार धोने के बावजूद भी अंडरगारमेंट्स से बदबू आती रहती है, जो इस बात का संकेत है कि उनमें बैक्टीरिया जम चुके हैं और अब उन्हें बदल देना ही बेहतर है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि अंडरगारमेंट्स की इलास्टिसिटी समय के साथ खत्म हो जाती है। इससे न केवल उनका सपोर्ट घटता है, बल्कि शरीर के साथ रगड़ और नमी बढ़ने से रैशेज की समस्या भी हो सकती है। महिलाओं के अंडरगारमेंट्स में योनि स्राव के कारण पीएच संतुलन बिगड़ सकता है और पुराने कपड़े इस संतुलन को प्रभावित कर यीस्ट इन्फेक्शन और बैक्टीरियल वेजिनोसिस जैसी समस्याओं को जन्म दे सकते हैं। रिसर्च में यह भी सामने आया है कि यदि अंडरवियर में दाग जमे हों, फैब्रिक पतला हो गया हो, छोटे-छोटे छेद दिखाई देने लगे हों या इलास्टिक ढीला पड़ गया हो तो ऐसे कपड़े तुरंत बदलने चाहिए। इसके अलावा व्यायाम करने वाले लोगों को पसीना अधिक आता है, ऐसे में उन्हें दिन में एक से दो बार अंडरगारमेंट्स बदलने की सलाह दी जाती है। पसीने की नमी और गर्मी बैक्टीरिया और फंगस की ग्रोथ को बढ़ावा देती है, जिससे संक्रमण का खतरा और अधिक हो जाता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी और मेयो क्लिनिक दोनों ही साफ-सुथरे और रोज़ाना बदले गए अंडरगारमेंट्स पहनने पर जोर देते हैं। उनका कहना है कि हाइजीन बनाए रखने के लिए अंडरवियर का रोज़ाना बदलना अनिवार्य है। वहीं वैज्ञानिक शोध यह भी बताते हैं कि सूती (कॉटन) जैसे प्राकृतिक और सांस लेने वाले कपड़े अंडरगारमेंट्स के लिए सबसे अच्छे विकल्प हैं। ये नमी को नियंत्रित करते हैं और त्वचा को सांस लेने देते हैं, जबकि सिंथेटिक कपड़े अक्सर एलर्जी और त्वचा की जलन का कारण बन सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अंडरगारमेंट्स समय पर बदलना और सही फैब्रिक का चुनाव करना स्वास्थ्य और हाइजीन दोनों के लिहाज से जरूरी है। इन्हें नज़रअंदाज़ करने से छोटी-छोटी समस्याएं गंभीर संक्रमण में बदल सकती हैं। इसलिए साफ-सफाई और शरीर के स्वास्थ्य के लिए अंडरगारमेंट्स को समय-समय पर बदलते रहना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

वैज्ञानिकों ने की रहस्यमयी खगोलीय पिंड की खोज

वाशिंगटन। हाल ही में वैज्ञानिकों ने रहस्यमयी खगोलीय पिंड की खोज की है, जो दशकों से धरती और उसके उपग्रह चंद्रमा के बीच छिपा हुआ था। यह ऐस्ट्रॉयड संभवत: कई दशकों से हमारी धरती के बेहद नजदीक मौजूद था, लेकिन आधुनिक तकनीक और स्पेस एक्सप्लोरेशन के बावजूद अब तक इसकी पहचान नहीं हो पाई। इस पिंड को फिलहाल अर्ध-चंद्रमा की श्रेणी में रखा गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पिंड धरती का चक्कर लगाता हुआ प्रतीत होता है, लेकिन वास्तव में यह सूर्य की परिक्रमा कर रहा है। इसमें स्पेन की राजधानी मैड्रिड के कॉम्प्लूटेंस विश्वविद्यालय से जुड़े वैज्ञानिक कार्लोस डे ला फूएंते मार्कोस और राउल डे ला फूएंते मार्कोस ने बताया कि इस अर्ध-चंद्रमा का आकार महज 62 फीट यानी लगभग 19 मीटर है। यह आकार 2013 में रूस के चेल्याबिंस्क में फटे उल्कापिंड से भी छोटा है। आकार छोटा होने और इसकी रोशनी बेहद मंद होने के कारण अब तक इस पर किसी की नजर नहीं पड़ी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह अर्ध-चंद्रमा, जिसे अभी तक औपचारिक नाम नहीं दिया गया है, धरती के स्थायी चंद्रमा की तरह व्यवहार करता है। हालांकि यह धरती का प्राकृतिक उपग्रह नहीं है। फिलहाल इसे 2025 पीएन7 नामक एक अन्य ऐस्ट्रॉयड से जोड़कर देखा जा रहा है। अनुमान है कि यह पृथ्वी के आसपास मौजूद सात ज्ञात अर्ध-चंद्रमाओं में से एक और नया सदस्य हो सकता है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और परिवार के नौ सदस्य चुनाव में नहीं कर पाएंगे मतदान

ढाका (बांग्लादेश),18 सितंबर (एजेंसियां)। देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्य अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग ने इन सभी के राष्ट्रीय पहचान पत्रों (एनआईडी) को ब्लॉक कर दिया है।

तुर्किये के सार्वजनिक प्रसारक टीआरटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, आयोग के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फरवरी में होने वाले अगले संसदीय चुनाव में देश के अंदर और बाहर दोनों जगह मतदान होगा। विदेश में रहने वाले लोग पहली बार ऑनलाइन पंजीकरण कराएंगे और डाक सुविधा के जरिए वोट डालेंगे।

आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने साफ किया है कि अगर विदेश में रहने वाले बांग्लादेशियों के एनआईडी ब्लॉक कर दिए गए हैं तो वे वोट नहीं डाल पाएंगे। अप्रैल में अंतरिम सरकार के निर्देश के बाद

आयोग ने हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के एनआईडी को अवरुद्ध कर दिया था। अहमद ने कहा कि विदेश से वोट देने के लिए एनआईडी नंबर का इस्तेमाल करके ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए पासपोर्ट पर्याप्त नहीं है बल्कि एनआईडी होना अनिवार्य होगा। केवल एनआईडी के साथ पंजीकरण कराने वालों को ही मतदान करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि हसीना और उनके परिवार के सदस्य अगले चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त, 2024 को एक जन विद्रोह में अपनी सरकार के अपदस्थ होने के बाद से हसीना भारत में निर्वासन में हैं। उनके परिवार के सभी सदस्य अमेरिका और ब्रिटेन सहित अन्य देशों में भी रह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस विद्रोह में 1,400 लोग मारे गए। हसीना बांग्लादेश में कई मामलों का सामना कर रही हैं।

बलोचिस्तान के डेरा बुगती में विस्फोट, तीन नागरिकों की मौत, चार घायल

इस्लामाबाद (पाकिस्ताना),18 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती जिले के सुई इलाके में बुधवार को दो अलग-अलग बारूदी सुरंग विस्फोटों में कम से कम तीन नागरिक मारे गए और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा खुजदार जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में पांच आतंकवादियों को मार गिराया।

रिपोर्ट के अनुसार, पहला विस्फोट सुबह करीब सात बजे साघारी गांव में हुआ। एक महिला, उसकी आठ साल की बेटी और गुलाम नबी की घर से बाहर निकलते ही मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना भीषण था कि पीड़ितों के शव पहचान में नहीं आ रहे थे। दूसरा विस्फोट यारू के सीमावर्ती इलाके में हुआ। इस विस्फोट में दो पुरुष, एक महिला और उसका 10 साल का बेटा घायल हो गए। लेवी के जवान मौके पर पहुंचे और घायलों को डेरा बुगती सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने दो पीड़ितों की हालत गंभीर बताई है।

लेवी और फ्रंटियर कोर के जवानों ने विस्फोट स्थलों की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि विस्फोटक की प्रकृति का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम बुलाई गई है। अधिकारियों ने घटना की जांच कराने की घोषणा की है। अभी तक किसी भी समूह ने विस्फोटों की जिम्मेदारी नहीं ली है।

रिपोर्ट के अनुसार, सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बुधवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने इस हफ्ते की शुरुआत में बलोचिस्तान के खुजदार जिले में एक खुफिया-आधारित अभियान में पांच आतंकवादियों को मार गिराया। आईएसपीआर ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 14/15 सितंबर की रात आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना पर इस अभियान को अंजाम दिया।आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए। यह अभियान सोमवार को बलोचिस्तान के केच जिले में हुए एक विस्फोट में एक कैप्टन समेत पांच सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने के बाद चलाया गया।

फुटबॉल टूर्नामेंट समिति का प्रतिनिधिमंडल विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुधीर शर्मा से मिला

धर्मशाला,18 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑल इंडिया शहीद मेजर दुर्गा मल्ल, कैप्टन दल बहादुर थापा गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट समिति का एक प्रतिनिधिमंडल वीरवार सुबह धर्मशाला के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुधीर शर्मा से उनके निवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने समिति की ओर से सुधीर शर्मा को उनके निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समिति ने कहा कि वर्षों से सुधीर शर्मा द्वारा इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को सहयोग मिलता रहा है, जिससे हमारे अमर शहीदों के नाम को खेल भावना के माध्यम से जीवित रखने में अपार मदद मिली है। यह उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट का रिश्ता शर्मा परिवार से 1989 से ही जुड़ा हुआ है। जब इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण गोरखा युवा संगठन एवं जिला फुटबॉल संघ, कांगड़ा द्वारा आयोजित किया गया था, उस समय सुधीर शर्मा के पिता स्वर्गीय पंडित संत राम (तत्कालीन कैबिनेट मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार) ने इस कार्य हेतु समिति को विशेष सहयोग दिया था। यह परंपरा आज भी निरंतर जारी है। समिति ने इसके लिए पूरे शर्मा परिवार का आभार प्रकट किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष पालम जंग प्रधान की अगुवाई में समिति ने विधायक के साथ विस्तृत चर्चा की और सुझाव साझा किए कि किस प्रकार इस टूर्नामेंट को और अधिक राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाए तथा इसके मानकों को और ऊंचा उठाया जाए।

इस अवसर पर विधायक सुधीर शर्मा ने आश्वासन दिया कि निकट भविष्य में धर्मशाला में कम-से-कम दो विश्व स्तरीय फुटबॉल ग्राउंड तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल फुटबॉल बल्कि अन्य खेलों में भी अपार प्रतिभा से भरपूर है, किंतु अब तक विश्व स्तरीय खेल अधोसंरचना का अभाव रहा है। धर्मशाला और इसके आस-पास का मौसम यूरोपीय देशों जैसा है, जो फुटबॉल जैसे खेल के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है।

उन्होंने कहा कि धर्मशाला को विश्व स्तरीय खेल नगरी बनाने के लिए सभी खेल संगठनों को एक छत्रछाया में लाकर साझा प्रयास करना आवश्यक है। इस दिशा में वे शीघ्र ही एक खेल रोडमैप तैयार करेंगे और इसके लिए सभी खेल संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके विचारों को भी शामिल किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत दौरे में तेगनारायण पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज पूर्व क्रिकेटर शिव नारायण चंद्रपॉल के बेटे तेगनारायण चंद्रपॉल अब भारत में खेलते हुए दिखेंगे। तेगनारायण वेस्टइंडीज टीम के साथ भारत दौरे पर आ रहे हैं। भारत के खिलाफ 2 अक्टूबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में तेगनारायण को शामिल किया गया है। देखना है कि तेगनाराण अपनी पिता की तरह सफलता हासिल कर पाते हैं या नहीं। शिव नारायण चंद्रपॉल अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। साल 1994 में अपने करियर की शुरुआत करने वाले शिवनारायण चंद्रपाल 2015 तक वेस्टइंडीज टीम के प्रमुख बल्लेबाज रहे। चंद्रपॉल भारतीय टीम के खिलाफ खासे सफल रहे हैं। उनके करियर के 30 टेस्ट शतक में से सबसे ज्यादा सात शतक भारत के खिलाफ ही आए हैं। अब देखना है कि उनका बेटा उनकी तरह खेल पाता है या नहीं। तेगनारायण भी अपने पिता शिवनारायण की तरह बांए हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। यह उनका पहला भारत दौरा होगा। साल 2022 में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले तेगनारायण ने भारतीय टीम के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान दो टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें वह केवल 12, 7, 33 और 24 रन की बना पाये थे। ऐसे में अब तेगनारायण का लक्ष्य भारत दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी जगह पक्की करना रहेगा।

ऑस्ट्रेलियाई को एशेज में घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा : मैक्ग्रा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि आगामी एशेज सीरीज में उनकी टीम इंग्लैंड को सभी पांच मैच में हरा देगी। मैक्ग्रा के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। इसके अलावा उनकी टीम के सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। ऐसे में बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम पर वह भारी पड़ेगी। साथ ही कहा कि इस सीरीज में उनकी टीम इंग्लैंड पर 5-0 से जीत हासिल करेगी। मैक्ग्रा ने कहा, हालांकि मेरे लिए भविष्यवाणी करना बहुत कठिन है और न ही मैं ऐसा कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने शुरुआत से ही इस सीरीज में अपनी परंपरा को बनाये रखा जिससे वह कभी भी भटकी नहीं है। 21 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की ये सीरीज नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में ऑस्ट्रेलिया की पहली घरेलू सीरीज रहेगी। वहीं इंग्लैंड अपने हाल के खराब रिकॉर्ड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया आ रहा। है। उन्होंने 2010-11 की सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट नहीं जीता है। इंग्लैंड को 2006-07, 2013-14और 2017-18 में 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा है। मैकग्राथ ने अपनी टीम की जीत के दावे का एक कारण ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी इकाई की ताकत को बताया और कहा कि पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड तथा नाथन लियोन अपने मैदानों पर सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो मेहमानों के लिए यह दौरा काफी कठिन होने वाला है। इसके अलावा, इंग्लैंड का जो रिकॉर्ड रहा है, उसे देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे कोई टेस्ट जीत पाते हैं।

पीवी सिंधू चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, चोचुवोंग पर दर्ज की आसान जीत

शेनझेन (चीन) । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधू ने थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग को सीधे गेम में 21-15, 21-15 से हराया। यह मुकाबला सिर्फ 41 मिनट चला। इस जीत के साथ सिंधू ने थाई खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 6-5 कर लिया। अगला मुकाबला टॉप सीड से! क्वार्टर फाइनल में सिंधू का सामना कोरिया की शीर्ष वरीय एन से यंग और डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। यह मुकाबला सिंधू के लिए कड़ा हो सकता है क्योंकि एन से यंग दुनिया की टॉप बैडमिंटन खिलाड़ी मानी जाती हैं। जीत के बाद बोलीं सिंधू हाल में हांगकांग ओपन के पहले ही दौर में बाहर होने वाली सिंधू ने इस जीत को आत्मविश्वास बढ़ाने वाला बताया। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैं जीत से खुश हूं और मेरे लिए शुरुआत से ही सतर्क रहना और अपना शत-प्रतिशत देना बेहद जरूरी था। पहला गेम जीतने के बाद मैं दूसरे गेम में ज्यादा सतर्क थी।

जैसमीन और मीनाक्षी की नजरें अब ओलंपिक पर लगीं

नई दिल्ली,18 सितंबर (एजेंसियां)।

विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता महिला मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा की नजरें अब लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर लग गयी हैं। जैसमीन और मीनाक्षी ओलंपिक में पदक जीतना चाहती हैं। दोनो ही मुक्केबाज लीवरपूल में विश्व चैंपियनशिप में मिली जीत से उत्साहित हैं। जैसमीन ने 57 किग्रा वर्ग के फाइनल में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता जूलिया सेरेमेटा को हराकर पदक जीता है। जैसमीन का कहना है कि अब वह ओलंपिक खेलों की तैयारी करेंगी। इसमें उन्हें विश्व चैम्पियनशिप के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। विश्व चैंपियनशिप में तीसरे प्रयास में जीत हासिल करने वाली जैसमीन ने कहा, ''यह अच्छा लगता है और स्वर्ण पदक जीतना अपने आप में बेहद खुशी की बात है। मेरे कोच ने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मेरी बहुत मदद की है।

मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।''वहीं ओलंपिक की तैयारियों को लेकर कहा कि इसमें कोच के मार्गदर्शन में वह तकनीकी ट्रेनिंग करेंगे। जैसमीन के कोच संदीप वहीं पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली मीनाक्षी ने कहा कि उनकी नजरें नवंबर में भारत में होने वाले विश्व कप पर टिकी हैं। मीनाक्षी ने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण किया था।

मीनाक्षी ने कहा, ''विश्व कप नवंबर में भारत में होगा और मैं वहां भी स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करना चाहती हूं। कोई भी व्यक्ति परफेक्ट नहीं होता और मुझे अपने कौशल पर काम करना होगा और कड़ी मेहनत करनी होगी। हार से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''जीतने के बाद आप कुछ दिनों के लिए खुश रहते हैं लेकिन हार से बहुत कुछ सीखते हैं। यह मेरी पहली विश्व चैंपियनशिप थी। मैं बहुत खुश हूं।

गांगुली दूसरी बार बनेंगे कैब अध्यक्ष

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का एक बार फिर बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) का अध्यक्ष बनना तय है। गांगुली कैब अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार है। ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। वह दूसरी बार ये पद संभालेंगे। इससे पहले वह 2015 से 2019 तक इस पद पर रहे हैं। कैब के चुनाव 22 सितंबर को होने वाले हैं। इसमें गांगुली के साथ-साथ उनके पैनल के दूसरे सदस्यों का भी निर्विरोध चुना जाना तय है। उनके पैनल में उपाध्यक्ष के लिए नितीश रंजन दत्ता, सेक्रेटरी के लिए बबलू कोले, जॉइंट सेक्रेटरी के लिए मदन घोष और कोषाध्यक्ष के लिए संजय दास का नाम शामिल है। गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की कैब अध्यक्ष पद संभालेंगे। जो 2019 से इस पद पर थे। गांगुली 2019 से 2022 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष भी रहे हैं। बीसीसीआई के आगामी चुनावों के लिए भी अध्यक्ष के तौर पर भी उनका नाम आ रहा है। इसका कारण है कि बंगाल बोर्ड ने उन्हें अपना प्रतिनिधि बनाया है।

नेपाल के खिलाफ वेस्टइंडीज टी20 टीम में पांच नए चेहरे, अकील होसैन होंगे कप्तान

नई दिल्ली,18 सितंबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने नेपाल के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज़ के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। नियमित कप्तान शाई होप सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। टीम की कमान पहली बार लेफ्ट-आर्म स्पिनर अकील होसैन को सौंपी गई है।

टीम में शामिल पांच नए खिलाड़ी, टॉप ऑर्डर बल्लेबाज़ अकीम ऑगस्टे, ऑलराउंडर नवीन बिदाईसी, लेग स्पिनर ज़िशान मोटारा, लेफ्ट-आर्म तेज़ गेंदबाज़ रैमॉन सिमंड्स और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ अमीर जंगू हैं। इनके अलावा बल्लेबाज़ करीमा गोर को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अमेरिका के लिए आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं, लेकिन वेस्टइंडीज के लिए अब तक पदार्पण नहीं किया है।

करीमा गोर ने चल रही कैरेबियन प्रीमियर लीग में अपनी फ्रेंचाइज़ी एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स के लिए 11 मैचों में 219 रन बनाए और चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

अनुभवी खिलाड़ियों में फैबियन एलन, जेसन होल्डर और काइल मेयर्स भी टीम का हिस्सा हैं। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 में वेस्टइंडीज ए टीम नेपाल दौरे पर गई थी, जहां मेज़बानों ने सीरीज़ हारने के बावजूद दो मैचों में जीत दर्ज की थी।

सीरीज़ का पहला टी20 मैच 27 सितंबर को खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 29 और 30 सितंबर को शारजाह में होंगे।

वेस्टइंडीज टीम (नेपाल टी20 सीरीज़ के लिए):

अकील होसैन (कप्तान), फैबियन एलन, ज्वेल एंड्रयू, अकीम ऑगस्टे, नवीन बिदाईसी, जेडियाह ब्लेड्स, केसी कार्टी, करीमा गोर, जेसन होल्डर, अमीर जंगू, काइल मेयर्स, ओबेद मैककॉय, ज़िशान मोटारा, रैमॉन सिमंड्स और शमार स्प्रिंगर।

विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है लक्ष्य : मीराबाई चानू

अहमदाबाद। ओलंपिक रजद पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू का लक्ष्य अब अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है। चानू ने इसके लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण वह खेल से दूर थीं। हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पेरिस ओलंपिक में खेली थीं। चानू ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है। चानू अब अपनी तकनीक बेहतर बनाने में लगी हैं। जिससे वह स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं लगाएंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है।

एशिया कप 2025 : एक बार फिर भारत के सामने होगा पाक

नई दिल्ली,18 सितंबर (एजेंसियां)।

दुबई में बुधवार का दिन एशिया कप के लिए बेहद असामान्य रहा। लंबे समय तक ऐसा लगा मानो मैदान पर कोई खेल ही नहीं होगा। मैच निर्धारित समय से एक घंटे देर से शुरू हुआ और शुरुआत में यूएई टीम सुपर फोर में पहुंचने की प्रबल दावेदार नजर आई। बावजूद इसके, अंततः पाकिस्तान ने रोमांचक मुकाबले में बाज़ी मार ली और 21 सितंबर को भारत के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले को सुनिश्चित कर दिया।

दोपहर में पाकिस्तान टीम होटल में बैठी रही, लाहौर से हरी झंडी का इंतजार करती हुई। मैदान पर भी हालात कुछ बेहतर नहीं थे। पाकिस्तान 114/7 के संकट में था, लेकिन शाहीन अफरीदी की 14 गेंदों पर 29 रन की पारी ने टीम को 146 तक पहुंचाया। यह स्कोर परिस्थितियों के लिहाज से छोटा माना जा रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाज़ी और दमदार फील्डिंग से इसे जीत में बदल दिया।

फखर ज़मान (50) ने पारी को संभाला, जबकि हरिस रऊफ ने वापसी करते हुए दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। वहीं मोहम्मद नवाज़ की फुर्तीली फील्डिंग और शानदार कैच ने मैच का रुख बदल दिया। पाकिस्तान ने यूएई की टीम को अंतिम ओवरों में ध्वस्त कर दिया और मात्र 20 रन के भीतर छह विकेट झटके।

यूएई के गेंदबाज़ जुनैद सिद्दीक़ी (चार विकेट) और स्पिनर सिमरनजीत सिंह ने कड़ी चुनौती दी थी। कप्तान मोहम्मद वसीम ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और एसोसिएट राष्ट्रों के लिए सर्वाधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बने। हालांकि उनकी पारी टीम को जीत तक नहीं ले जा सकी।

पाकिस्तान का 146/9 का स्कोर अब एशिया कप में तीसरा सबसे कम सफलतापूर्वक बचाया गया लक्ष्य बन गया है। शाहीन अफरीदी ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया और आखिरकार पाकिस्तान सुपर फोर में पहुंच गया।

अब अगली बड़ी परीक्षा भारत के खिलाफ है, जो इस टूर्नामेंट की असली कसौटी साबित होगी।

अनपढ़ लोग हैं, लाइव टीवी पर गाली देना मूर्खता..., मदन लाल ने पाक के मोहम्मद यूसुफ को लताड़ा

नई दिल्ली,18 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद पैदा हुए हैंडशेक विवाद पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ के बयान ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। यूसुफ ने पाकिस्तानी टीवी चैनल पर भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया, जिससे क्रिकेट फैंस भड़क उठे। अब इस पर भारतीय दिग्गज की प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने यूसुफ को लेकर बयान दिया है। यूसुफ का बयान एक बार फिर से भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में तनाव को बढ़ा सकता है। मदन लाल जैसे सीनियर खिलाड़ियों की कड़ी प्रतिक्रिया से साफ है कि टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी ऐसे बयान बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं।

मोहम्मद यूसुफ का विवादित बयान

सामा टीवी पर चर्चा के दौरान यूसुफ ने कहा, ये जो *** कुमार हैं, भारत है..वो अपनी फिल्मी दुनिया से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए कि वे किस तरह जीतने की कोशिश कर रहे हैं। अंपायर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, मैच रेफरी के जरिए पाकिस्तान को टॉर्चर कर रहे हैं। यूसुफ ने कई बार सूर्यकुमार के लिए अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया और यहां तक कि एंकर ने उन्हें बार-बार रोका, लेकिन उन्होंने अपनी भाषा नहीं बदली। पाकिस्तानी एंकर भी इसका लुत्फ उठाते दिखे और हंसते रहे।

मदन लाल का कड़ा जवाब

1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर मदन लाल ने यूसुफ के इस बयान की कड़ी निंदा की। एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए उन्होंने कहा, देखिए, ये पाकिस्तानियों का असली किरदार दिखाता है। कोई किसी को गाली कैसे दे सकता है उन्होंने सिर्फ यही करना सीखा है। गाली देना बिल्कुल गलत है। एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होकर कोई इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करे, ये पूरी तरह मूर्खता है।

मदन लाल बोले- अनपढ़ लोग हैं

मदन लाल ने यूसुफ को अशिक्षित तक कह डाला। मदन लाल ने कहा, ये पढ़े-लिखे लोग नहीं हैं, इसीलिए ऐसा करते हैं। हमारे खेल के दिनों में ऐसा कभी नहीं हुआ। स्लेजिंग समझ में आती है, लेकिन लाइव टीवी पर गाली देना गलत है। यही पाकिस्तान है, इसलिए उनकी क्रिकेट गिर रही है। वे हताश लोग हैं क्योंकि वे भारत से लगातार हार रहे हैं। मदन लाल ने कहा कि ऐसे लोगों को लाइव टीवी पर जगह ही नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ये लोग पब्लिसिटी के लिए ऐसा करते हैं। हमें ऐसे लोगों के बारे में बात ही नहीं करनी चाहिए।

हैंडशेक विवाद की पृष्ठभूमि

भारत के खिलाड़ियों ने रविवार को खेले गए एशिया कप मुकाबले के बाद पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के विरोध में लिया गया था, जिसमें 26 पर्यटकों की जान गई थी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 30 अक्टूबर को होगा उद्घाटित

नोएडा,18 सितंबर (एजेंसियां)।

देश का बहुप्रतीक्षित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अब उद्घाटन के बेहद करीब है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने घोषणा की है कि इस हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 अक्टूबर को किया जाएगा। उद्घाटन के लगभग 45 दिनों बाद यानि दिसंबर के मध्य तक, यहां से व्यावसायिक उड़ान संचालन भी शुरू हो सकता है। यह नया हवाई अड्डा गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में स्थित है और यह दिल्ली से लगभग 75 किलोमीटर दूर है। यह एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जिससे दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्री दबाव कम होने की उम्मीद है। मंत्री नायडू ने बताया कि विभिन्न एयरलाइनों के साथ बातचीत चल रही है और वे जेवर एयरपोर्ट से संचालन को लेकर काफी उत्साहित हैं। पहले चरण में कम से कम 10 शहरों से कनेक्टिविटी की योजना है। इस हवाई अड्डे की एक खासियत यह भी होगी कि यह यात्री उड़ानों से अधिक मालवाहक (कार्गो) उड़ानों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स हब बन सकेगा। नोएडा एयरपोर्ट का निर्माण पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जा रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार और निजी भागीदारों की अहम भूमिका है।

पहले चरण में 10 शहरों से जुड़ाव की तैयारी मालवाहक उड़ानों पर रहेगा विशेष फोकस

मंगलम वर्ल्डवाइड ने एनएसई मेनबोर्ड पर किया स्थानांतरण

नई दिल्ली। मंगलम वर्ल्डवाइड लिमिटेड, जो स्टेनलेस स्टील का निर्माण करती है, ने एनएसई के एसएमई मंच से मुख्य मेनबोर्ड पर स्थानांतरण कर लिया है। इस स्थानांतरण में 2,97,00,674 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये है और जो पूरी तरह चुकता हैं। यह कदम एनएसई के नियमों के तहत किया गया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने इसे कंपनी के लिए एक गर्व की बात बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थानांतरण कंपनी के व्यावसायिक सिद्धांतों, विकास रणनीति और दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर बाजार के विश्वास को दर्शाता है। इस बदलाव से मंगलम वर्ल्डवाइड को व्यापक निवेशक वर्ग तक पहुंच मिलेगी, जिससे कंपनी की स्थिरता और मूल्य सृजन की क्षमता मजबूत होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

फ्लिपकार्ट पर गैलेक्सी ए06 फोन भारी डिस्काउंट के साथ उपलब्ध

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग का गैलेक्सी ए06 फोन भारी डिस्काउंट के साथ उपलब्ध है और इसे 7,691 रुपये में खरीदा जा सकता है। ऑफर्स के तहत ग्राहकों को 2,308 रुपये की सीधी छूट मिल रही है। वहीं बैंक ऑफर के जरिए 500 रुपये का अतिरिक्त कैशबैक भी दिया जा रहा है। इस फोन की लॉन्चिंग कीमत 9,999 रुपये थी। इसमें 4जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज वाला वैरिएंट शामिल है। इसके अलावा पुराने फोन के बदले एक्सचेंज ऑफर में 3,000 रुपये तक का लाभ लिया जा सकता है। सैमसंग गैलेक्सी ए06 का डिजाइन स्टाइलिश है और यह हल्के नीले, काले और सुनहरे रंग में उपलब्ध है। इसमें 6.7-इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले है जो 60 एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। फोन को मीडियाटेक हेलियो जी85 प्रोसेसर से लैस किया गया है। स्टोरेज को 128जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 50एमपी का प्राइमरी कैमरा और 2एमपी का सेकेंडरी कैमरा है। सेल्फी के लिए 8 एमपी का फ्रंट कैमरा मौजूद है। यह स्मार्टफोन एंड्रॉयड 14 आधारित वन यूआई 6.1 पर काम करता है। कंपनी ने इसमें दो बड़े ओएस अपडेट और तीन साल तक सिक्योरिटी पैच देने का वादा किया है। पावर के लिए फोन में 5,000 एमएएच की बैटरी है, जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। इसके अलावा इसमें 4जी एलटीई, वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.3, जीपीएस और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी ने नई एसयूवी विक्टोरिस को लॉन्च किया है, जो कि पसंद बनती जा रही है।

इसकी शुरुआती कीमत 10.50 लाख रुपये रखी है। डिजाइन की बात करें तो इसमें एलईडी डीआरएलएस, ऑल-एलईडी हेडलाइट्स, एलईडी टेललाइट बार, नए बंपर्स और 17-इंच ड्यूल-टोन अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। साथ ही 10 रंग विकल्प और 6 अलग-अलग वैरिएंट्स उपलब्ध कराए गए हैं। इसका इंटीरियर भी लग्जरी फीचर्स से लैस है। इसमें 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट के साथ, पावर्ड और वेंटिलेटेड सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, पावर्ड टेलगेट, 10.25-इंच का ड्राइवर डिस्प्ले और एंबियंट लाइटिंग जैसे फीचर्स शामिल हैं। सेफ्टी के लिए इसमें लेवल 2 अडास का भी विकल्प दिया गया है। इंजन की बात करें तो नई विक्टोरिस में 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो माइल्ड-हाइब्रिड, स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड और सीएनजी ऑप्शंस के साथ आता है। ट्रांसमिशन में 5-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक और ई-सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प है। इसके अलावा ऑलग्रिप 4डब्ल्यूडी वैरिएंट भी उपलब्ध होगा। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी 28.65 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज दे सकती है। मारुति विक्टोरिस की सीधी टक्कर बाजार में मौजूद हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, टोयोटा हायराइडर, टाटा हैरियर और हॉंडा एलिवेट जैसी एसयूवी से होगी।

एसयूवी क्रेटा बिक्री के मामले में बनी नंबर-1

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में हुंडई मोटर इंडिया कंपनी की सबसे लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा ने बिक्री के मामले में

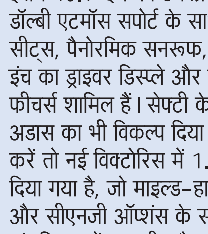

नंबर-1 पोजिशन हासिल की। अगस्त महीने क्रेटा की 15,924 यूनिट बिकीं। जुलाई 2025 में इसकी 16,898 यूनिट बिकी थीं और जून में 15,786 यूनिट, फिर भी यह एसयूवी ग्राहकों की पहली पसंद बनी रही। वहीं, कंपनी के दूसरे मॉडल्स में भी अच्छी बिक्री दर्ज की गई। हुंडई वेन्यू अगस्त में 8,109 यूनिट के साथ दूसरे नंबर पर रही। जुलाई में इसकी 8,054 और जून में 6,858 यूनिट बिकी थीं। इसी तरह हुंडई एक्सटर ने भी अपनी पकड़ बनाए रखी। अगस्त में एक्सटर की 5,061 यूनिट बिकीं। जुलाई में 5,075 और जून में 5,873 यूनिट बिकी थीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाली युवकों के...

यानि, स्पष्ट है कि गोलियां ऊपर की बिल्डिंग या किसी ऊंचे स्थान से चलाई जा रही थीं।

मौके से पाई गई गोलियां 7.62 बोर की विशेष बॉल गोलियों से मेल खाती हैं। यह एक ऐसा कैलिबर है जो अक्सर मानक पुलिस आग्नेयास्त्रों के बजाय स्नाइपर राइफलों में इस्तेमाल होता है। मारे गए युवकों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से भी इसका खुलासा हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि ये शार्पशूटर जानबूझकर विरोध प्रदर्शनों में शामिल लोगों की हत्या करने और अधिक से अधिक अशांति भड़काने की कोशिश कर रहे थे। इससे अराजकता फैली और इसके लिए अधिकारियों और पुलिस को दोषी ठहराया गया। जबकि नेपाल पुलिस केवल गैर-घातक रबर की गोलियों से लैस थी। नेपाल में अराजकता फैलाने की साजिश करने वाली ताकतें यही तो चाहती थीं।

खुफिया एजेंसियां काठमांडू और ढाका की घटनाओं में समानता पाती हैं। पिछले साल जुलाई में ढाका में भी हिंसा का ऐसा ही दौर देखा गया था। वहां हिंसक प्रदर्शन के दौरान मीर महफूज़ुर रहमान मुग्धो नाम के एक लड़के की गोली लगने से मौत हो गई थी। वह प्रदर्शनकारियों को पानी की बोतलें बांट रहा था। भीड़ के बीच, एक गोली सीधे उसके माथे में लगी और वह वहीं ढेर हो गया। मुग्धो की पानी की बोतल जुलाई आंदोलन का एक भयावह प्रतीक बन गई। उस नाराजगी ने ढाका की हिंसा को ऐसा भड़काया कि उसपर कोई नियंत्रण नहीं रहा और फिर मौत का जो तांडव हुआ, वह इतिहास में दर्ज हो गया। ढाका की जुलाई क्रांति का एक और प्रतीकात्मक व्यक्तित्व रंगपुर का एक छात्र अबू सईद था। उसकी बाहें फैलाए तस्वीरें व्यापक रूप से प्रसारित हुईं और उसकी ऐसी ही मृत्यु संघर्ष का प्रतीक बन गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा, अबू सईद को पुलिस ने गोलियां मारी, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि पुलिस के हथियार से चली गोलियां तो प्लास्टिक की थीं, जिससे केवल सतही घाव हुए थे। उसकी मौत का प्लास्टिक की गोलियां नहीं, बल्कि अबू सईद के सिर के पिछले हिस्से में लगी एक गोली थी, जो पुलिस राइफल की नहीं थी। वह गोली किसी स्नाइपर के राइफल से चली थी और किसी ऊंची इमारत या ऊंची जगह से चलाई गई थी। कौन थे ऊंचाई से गोलियां चलाने वाले?

इन घटनाओं का राजनीतिक संदर्भ महत्वपूर्ण है। पिछले साल 5 अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापटल के बाद और पेरिस से मुहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार के रूप में टपकाए जाने के बाद ब्रिगेडियर (रि.) सखावत हुसैन ने हताहतों की प्रारंभिक जांच की थी। प्रेस से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा था, लगभग सभी मृतकों के सिर में 7.62 बोर की गोली लगी थी। हुसैन ने स्वीकार किया था कि ऐसी गोलियां पारंपरिक पुलिस हथियारों में नहीं होतीं। इसका मतलब साफ है कि ऊंची जगहों से सैन्य-श्रेणी की राइफलों का इस्तेमाल करने वाले उच्च प्रशिक्षित निशानेबाज शहर के भीतर सक्रिय थे।

यह खुलासा करने वाले ब्रिगेडियर हुसैन का जल्द ही तबादला कर दिया गया। इसके बाद भी जांच जारी रही। सेना ने ढाका में कई स्नाइपर राइफलें बरामद कीं, जिनमें से कई अत्याधुनिक और विदेश से आयातित थीं। ढाका की बहुमंजिली इमारतों की छतों पर तैनात स्नाइपर्स ने प्रदर्शनकारियों में से ऐसे लोगों को चुन-चुन कर निशाना बनाया, जिससे हिंसा और भी तेज हो गए। ऐसा ही हुआ। ढाका के प्रायोजित आंदोलन में भीषण मानवीय क्षति हुई।आप याद करिए लीबिया में कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ अमेरिका प्रायोजित सत्ता परिवर्तन अभियान के दौरान भी ऐसी ही रणनीति अपनाई गई थी। युवा लीबियाई स्नाइपर्स को प्रशिक्षित किया गया था और त्रिपोली की छतों पर तैनात किया गया था। वहां से वे प्रदर्शनकारियों को निशाना बना रहे थे, जिससे जनाक्रोश भड़कता चला गया। इसका नतीजा कर्नल गद्दाफी की मॉब लिंचिंग के रूप में सामने आया। अमेरिकी यही तो चाहता था।समानताएं बहुत गहरी हैं। नेपाल में, प्रदर्शनकारियों के सिर में गोली लगने और पुलिस द्वारा प्लास्टिक की गोलियां चलाने के वीडियो ढाका की त्रासदियों की याद दिलाते हैं। युवा प्रदर्शनकारी गिरते हैं, उनका जीवन अचानक समाप्त हो जाता है या हमेशा के लिए बदल जाता है, जबकि अधिकारियों के आधिकारिक बयान अक्सर प्रदर्शनकारियों पर ही अशांति का आरोप लगाते हैं। यह दोहरी त्रासदी जानों का नुकसान और न्याय का अभाव-जीवित बचे लोगों, परिवारों और समुदायों पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालती है।

काठमांडू में हुई 8 सितंबर की घटना ने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव, गुप्त अभियान और राजनीतिक संघर्षों में स्नाइपर्स के इस्तेमाल से जुड़े व्यापक सवाल सामने उछाल दिए हैं। ऊंचाई से प्रदर्शनकारियों को निशाना बना कर लोगों को भड़काने और उसे मनोवैज्ञानिक युद्ध के रूप में तब्दील करने तरीका भयानक रूप अख्तियार करता जा रहा है। स्तब्ध करने वाली सच्चाई यह है कि ये घटनाएं वैश्विक विरोध प्रबंधन के एक पैटर्न का हिस्सा हैं, जो बाहरी और भीतरी षडयंत्रकारी तत्वों और सैन्य रणनीतियों से प्रभावित हैं। चाहे काठमांडू हो, ढाका हो या त्रिपोली, कहानी एक ही है।

गुपचुप बांग्लादेश...

आप याद करें, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि अमेरिका ने उनसे बंगाल की खाड़ी में सेंट मार्टिन द्वीप पर सैनिक अड्डा बनाने के लिए जगह देने का दबाव डाला था। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ मानते हैं कि बंगाल की खाड़ी, समुद्री मार्गों, समुद्री सुरक्षा, चीनभारत के बीच संतुलन बैठाने आदि की वैश्विक रणनीति के संदर्भ में अमेरिका बांग्लादेश में अपना ठिकाना बनाना चाहता है।

आधिकारिक तौर पर तो अमेरिका यही कहता है कि बांग्लादेश में वह अभी कोई घोषित स्थायी सैन्य आधार नहीं बना रहा है। न इस तरह का कोई आधिकारिक समझौता, संधि या सार्वजनिक घोषणा इस तरह की योजना को लेकर उजागर हुई है। लेकिन जो सतह दिखता नहीं, रणनीतिक क्षेत्र में उसी के होने की प्रबल संभावना होती है।

दूसरी तरफ, बांग्लादेश में हाल के दिनों में एक नई चिंता की लहर दौड़ रही है। वहां सूफी इस्लाम से जुड़े पवित्र स्थलों पर कट्टरपंथी ताकतों ने हमले बोल दिए हैं। ये हमले इतने हिंसक हैं कि 100 से ज्यादा मजारें और दरगाहें निशाना बनी हैं। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से ये घटनाएं तेज हो गई हैं, और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने अब तक इन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ये हमले न सिर्फ धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक विरासत को भी झकझोर रहे हैं। सूफी परंपरा, जो सदियों से बांग्ला संस्कृति का हिस्सा रही है, आज खतरे में पड़ गई है।

शेख हसीना की सत्ता से बेदखली के बाद बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें सिर उठा रही हैं। ये लोग वहाबी इस्लाम के सख्त नियमों का पालन करते हैं, जो सूफी परंपराओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते। सूफी संतों की मजारें और दरगाहें, जहां लोग प्रेम और भक्ति से मत्था टेकते हैं, इन्हें मूर्तिपूजा जैसी लगती हैं। कट्टरपंथियों का मानना है कि इस्लाम में किसी ढांचे या कब्र को पूजना सख्ती से मना है। इसलिए, वे इन स्थलों को तोड़ने और लूटने में जुट गए हैं। ये हमले देश भर में फैले हुए हैं, खासकर उन इलाकों में जहां सूफी मजारें ज्यादा हैं। इससे पहले भी हिंदू मंदिरों, ईसाई चर्चों और अहमदिया समुदाय की मस्जिदों पर हमले हो चुके थे, लेकिन अब सूफी स्थल भी सुरक्षित नहीं। सूफी मजारें तो बस बहाना हैं। असल में ये हमले बांग्ला समाज के सेकुलर मूल्यों को कमजोर करने की कोशिश है। हिंदू समुदाय के साथ सद्भाव भी खत्म करने की साजिश नजर आती है। सूफी परंपरा भारतीय उपमहाद्वीप में सदियों पुरानी है। अफगानिस्तान से लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक, ये मजारें हिंदू मान्यताओं से काफी मिलती-जुलती हैं जैसे भक्ति और प्रेम का भाव। लेकिन कट्टरपंथी इन्हें इस्लाम का उदार स्वरूप मानकर निशाना बना रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने इन हमलों पर खामोशी ओढ़ रखी है। न कोई जांच, न कोई कार्रवाई। इससे लगता है कि कट्टर ताकतें और मजबूत हो रही हैं। बांग्ला संस्कृति में सूफी संतों की दरगाहें हमेशा से शांति और एकता का प्रतीक रहीं। लेकिन अब ये हमले न सिर्फ भवनों को बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि लोगों के दिलों में डर भी पैदा कर रहे हैं। सूफी इस्लाम का उदार चेहरा, जो हिंदू-मुस्लिम सद्भाव को जोड़ता था, आज सबसे ज्यादा खतरे में है। देश भर के सूफी अनुयायी दहशत में जी रहे हैं।

फुस्स हो गया ...

रटते-रटते अब खुद ही इसमें फंसते हुए नजर आ रहे हैं। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कांग्रेस विधायक वाई नंजेगौड़ा की जीत को रद्द कर दिया है और दोबारा से वोटो की गिनती का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने 4 हफ्तों के भीतर फिर से वोटों की गिनती करने का आदेश दिया है। हालांकि, कांग्रेस विधायक नंजेगौड़ा को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया है।

इस फैसले के बाद भाजपा विधायक दल के नेता आर अशोक ने कांग्रेस पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। भाजपा विधायक ने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी नंजेगौड़ा के खिलाफ वोट चोरी यात्रा निकालेंगे। यह आरोप तब लग रहे हैं जब राहुल गांधी लगातार केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। मालूर विधानसभा सीट कर्नाटक की कोलार लोकसभा क्षेत्र में आती है, जो अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। 2023 के चुनाव में कांग्रेस विधायक नंजेगौड़ा ने 29.4 प्रतिशत वोट हासिल किए थे, जबकि भाजपा के मंजीनाथ गौड़ा को 29.26 प्रतिशत वोट मिले थे। तीसरे नंबर पर निर्दलीय उम्मीदवार हुड्डी विजयकुमार थे, जिन्हें 28.48 प्रतिशत वोट मिले। जेडीएस उम्मीदवार को सिर्फ 10.17 प्रतिशत वोट मिले। इस सीट पर तीन प्रमुख दावेदार थे और वोट प्रतिशत में बहुत मामूली अंतर था। चुनावी इतिहास में मालूर में कभी भी ऐसे करीबी मुकाबले नहीं देखे गए थे। यहाँ हमेशा जीतने वाले उम्मीदवार को 40 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिलते थे।

भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, क्या राहुल गांधी संविधान को समझते हैं? वह सुप्रीम कोर्ट गए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी किए। क्या उन्होंने कोई दांव लगाया? वह कानून या सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को नहीं समझते हैं। वह केवल संविधान, संविधान चिल्लाते हैं। मुख्य बात स्पष्ट है। अगर राहुल गांधी को वोट नहीं मिलते हैं, तो हम क्या कर सकते हैं? देश उनके कार्यों को कभी नहीं भूलेगा। वह विपक्ष के नेता हैं। उनके कुछ मूल्य होने चाहिए। वह देश के मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। जनता उन्हें फिर से करारा जवाब देगी। उनके सभी बम धराशायी हो जाएंगे। वह किसी पर भरोसा नहीं करते। मैं इसकी निंदा करता हूं। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा, वह दुनिया के पहले नेता हैं, जो अपने ही देश पर परमाणु बम या हाइड्रोजन बम गिराना चाहते हैं। अगर उनकी नीयत अच्छी होती, तो वे बेहतर शब्दों का इस्तेमाल करते। वह ज्यादातर नकारात्मक शब्दों का ही इस्तेमाल करते हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, जिस तरह राहुल गांधी ने पूरे देश को भ्रमित करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और कहा कि वे हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे, लेकिन जब उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, तो उन्होंने कहा, आज वे हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे। इससे पता चलता है कि गरजने वाले बादल बरसते नहीं। एक तरफ वे मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं और दूसरी तरफ हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात करते हैं।

बुर्ज खलीफा पर...

पीएम मोदी को उनके जन्मदिन पर दुनिया भर से बधाइयां मिलीं, जिससे भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय छवि भी झलकती है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने हिंदी, अरबी और अंग्रेजी में बधाई देते हुए लिखा, नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और भारत की तरक्की में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन कर पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों में समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी व्यक्तिगत रूप से फोन कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर लिखा, उनकी ताकत, संकल्प और नेतृत्व क्षमता लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है। उनके अच्छे स्वास्थ्य और ऊर्जा की कामना करती हूं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयन ने भी पीएम मोदी को बधाई दी और भारत-यूरोप साझेदारी को और मजबूत करने की बात कही।

इस खास मौके पर साउथ अफ्रिका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक सहित तमाम वैश्विक हस्तियों ने पीएम को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इसके अलावा साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस, केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री रैलाओडिंगा, त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी पीएम मोदी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में बोहरा मुस्लिम समुदाय ने अपने मस्जिद में पीएम मोदी के लिए विशेष दुआ की।

जब भगवान से ...

आप जाकर खुद देवता से कहो कि अब कुछ करें। तुम कहते हो कि भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो जा कर अब प्रार्थना करो। कोई मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई से पूछे कि अगर प्रार्थना ही जवाब है, तो अदालतों और न्यायाधीशों की भारी-भरकम जमात की जरूरत ही क्या है?

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के मुंह से हिंदुओं के लिए की गई यह टिप्पणी मुगल तलवारों से लगाए गए सदियों पुराने घाव से कहीं ज्यादा गहरी चुभ गई। ये एक पुराने ताने की अनुगूंज थी, अगर तुम्हारे देवता असली हैं, तो खुद को क्यों नहीं बचाया? इस कटाक्ष का इस्तेमाल सदियों से इस्लामी शासकों और आधुनिक धर्मनिरपेक्ष एलीट्स करते हैं और उसका इस्तेमाल कर खुद मुख्य न्यायाधीश उस जमात में जाकर खड़े हो गए हैं।

अगर यही टिप्पणी मुसलमानों पर की जाती तो क्या होता? वक्फ (संशोधन) एक्ट की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने याचिकाकर्ताओं से कहा होता, अगर ये कानून पसंद नहीं, तो जा के अल्लाह से मदद मांगो। दुआ करो, शायद वो तुम्हारी जमीनें बहाल कर दें। तो क्या होता? इसके बाद तो पूरे देश में बवाल हो जाता। कानूनी भाईचारे वाले बयान जारी करते, टीवी एंकर चिल्लाते न्यायिक इस्लामोफोबिया, एनजीओ वाले संयुक्त राष्ट्र को चिट्ठियां भेजते और चीफ जस्टिस को कट्टरपंथी करार दे दिया जाता।लेकिन जब हिंदुओं के साथ ऐसा बेजा बर्ताव होता है, तो प्रतिक्रिया की जगह सिर्फ चुप्पी होती है। कोई वकील काउंसिल बयान नहीं देता। सड़कों पर कोई प्रदर्शन नहीं होता। कोर्ट में कोई याचिका नहीं दाखिल होती। दरअसल, भारत में धर्मनिरपेक्षता सिर्फ़ एक तरफा चलती है। यहां हिंदुओं का मजाक उड़ाया जाता है। उनका अपमान किया जाता है और बेधड़क कटाक्ष किए जाते हैं। वहीं, मुसलमानों के किसी गलतफहमी की वजह से हुए अपमान को भी अस्तित्व का संकट बनाकर प्रचारित किया जाता है।जब हम हिंदुओं और मुसलमानों के साथ होने वाले पाखंड की बात कर रहे हैं, तो यह जिक्र करना जरूरी है कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की उस बेंच का हिस्सा थे जिसने वक्फ संशोधन एक्ट 2025 की कुछ धाराओं पर रोक लगा दी। खास कर उस प्रावधान पर, जिसमें विवाद सुलझने तक कब्जा वाली सरकारी जमीन वक्फ नहीं मानी जा सकती, जबकि यही असल में कब्जे और अतिक्रमण को बढ़ावा देता है।

नेपाल की शांति...

इस वजह से प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को पद से हटना पड़ा था। जेनरेनशन जेड या जेन जी समूह के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक नेताओं के घरों, संसद सहित महत्वपूर्ण सरकारी भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आग लगा दी थी। इसके बाद कार्की ने 12 सितंबर को अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री का पदभार संभाला था।

नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मंगलवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से शिष्टाचार भेंट की। कार्की और नवीन श्रीवास्तव की मुलाकात सिंह दरबार स्थित प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय में हुई। राजदूत श्रीवास्तव ने कार्की को पीएम मोदी का बधाई संदेश भी सौंपा। प्रधानमंत्री सचिवालय के मुताबिक, बातचीत के दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय हितों और आपसी हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर प्रधानमंत्री कार्की ने स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार का मुख्य कार्य चुनाव कराना है और इसके लिए भारत से सहयोग की अपेक्षा भी जताई। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, कार्की को भेजे संदेश में मोदी ने नेपाल भारत के मैत्रीपूर्ण और सहयोगात्मक रिश्तों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई। श्रीवास्तव ने भरोसा दिलाया कि एक अच्छे पड़ोसी के नाते भारत नेपाल की को सहयोग करता रहेगा।

दुनियाभर के दो अरब से अधिक सनातन धर्मावलंबियों की आस्था और श्रद्धा के केंद्र पशुपतिनाथ मंदिर में एक बार फिर रौनक लौट आई है। जेन-जी आंदोलन के कारण 9 सितंबर की रात से मंदिर में केवल आंतरिक पूजा-अर्चना जारी थी लेकिन आम श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक थी। चार दिन रोक के बाद रविवार को मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिए गए थे।

पशुपति क्षेत्र विकास कोष के कार्यवाहक सदस्य सचिव सुभाषचंद्र जोशी ने कहा, रविवार सुबह से श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का प्रवेश द्वार खोला गया और सोमवार से विशेष पूजा शुरू हो गई। हवाई यात्रा सामान्य होने के बाद भारत सहित कंबोडिया, थाईलैंड, म्यांमार जैसे देशों से भी श्रद्धालु पहले की तरह दर्शन के लिए आने लगे हैं। हालांकि,आंदोलन के दौरान मंदिर या अन्य धार्मिक संरचनाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था लेकिन गौशाला धर्मशाला के पास स्थित पशुपति क्षेत्र विकास कोष का सरकारी कार्यालय और वहां खड़े कुछ वाहन आगजनी की चपेट में आ गए थे।

कलानिधि योग में देवी लक्ष्मी की बरसेगी कृपा

आज के दिन शुक्र और चंद्रमा की युति सिंह राशि में होने से कलानिधि योग का संयोग बनेगा। इस योग में देवी लक्ष्मी की कृपा से मेष, कर्क, सिंह और वृश्चिक राशि को बिजनेस और करियर के क्षेत्र में लाभ प्राप्त हो सकता है। धन के मामले में मुनाफे की स्थितियां बन सकती हैं। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करने होंगे। व्यापार में धीरे-धीरे सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे और थोड़ा जोखिम उठाने से आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। नौकरी करने वालों का दिन अनुकूल रहेगा और मेहनत का फल जरूर प्राप्त होगा। नए निवेशों से लाभ मिलने के योग हैं और पारिवारिक माहौल सुखदायक बना रहेगा।

मेष राशि : थोड़े जोखिम से मिलेगा लाभ

व्यापार के मामले में किसी नई जगह पर निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो सोच-समझकर फैसला लेना लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं, जमीन-जायदाद के मामले में भी कोई भी सौदा जल्दबाजी में न करें। बिजनेस के मामले में अगर थोड़ा सा रिस्क उठा लें तो आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। वहीं, नौकरी करने वाले अपने काम में अधिक व्यस्त रह सकते हैं।

वृषभ राशि : बिजनेस में मिलेगी बड़ी डील

दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी और कार्यस्थल पर आपके द्वारा किए गए प्रयास सफल होंगे। इसी के चलते मन भी प्रसन्न रहेगा। व्यापार के मामले में आपको अपने पुराने अनुभवों से लाभ प्राप्त हो सकता है। बिजनेस में आपको कोई बड़ी डील भी मिल सकती है और पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन राशि : धन के मामले में रहें सतर्क

अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब आपको समाधान मिल सकता है। साथ ही, ऑफिस का वातावरण अच्छा बना रहे से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में धन किसी योजना या सही जगह पर निवेश हो रहा है, तो बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अन्यथा आपको इस समय धन से जुड़े मामले में जोखिम भरे फैसले लेने से बचना चाहिए।

कर्क राशि : लाभ की बनेंगी स्थितियां

कार्यक्षेत्र में आपको परिस्थितियां बदलती हुई नजर आ सकती हैं। ऐसे में आपके लिए लाभ की स्थितियां बन सकती हैं। अगर आपके कार्यों में बाधाएं आ रही थीं तो वे भी अब दूर हो सकती हैं, जिससे मुनाफा कमाएंगे। युवा वर्ग अगर किसी करियर संबंधी प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं तो पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह देख लें। जल्दबाजी में नुकसान हो सकता है।

सिंह राशि : धीरे-धीरे मिलेगी सफलता

आपका दिन मेहनत भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में कुछ देरी हो सकती है। लेकिन इस दौरान आपको किसी भी प्रकार का तनाव लेने से बचना होगा क्योंकि, धीरे-धीरे हालात बेहतर होते जाएंगे। आपके हुनर सभी के सामने आ सकते हैं, जिनसे आपको बड़ी सफलता प्राप्त होगी। कठिन प्रयास और मेहनत से आपको सफलता जरूर मिलेगी।

कन्या राशि : अधूरे काम करने होंगे पूरे

कार्यक्षेत्र में अगर आपके पास समय की कमी है तो आप अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने के बारे में विचार कर सकते हैं। अन्यथा महत्वपूर्ण काम अधूरे रह सकते हैं। इस समय आपको किसी भी प्रकार का बदलाव करने से बचना होगा, अन्यथा परेशानी हो सकती है। आपको किसी जरूरी मीटिंग या सेमिनार में भी जाना पड़ सकता है। ऐसे में आपका पूरा दिन व्यस्त रहेगा।

तुला राशि : नए निवेश से होगा लाभ

कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति सामान्य बनी रहेगी। अगर आप कुछ धन निवेश करते हैं, तो इससे स्थितियां बेहतर हो सकती हैं। साथ ही, आपको सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त होंगे। नौकरी करने वालों को अपने जरूरी काम समय पर पूरे करने होंगे, अन्यथा परेशानी खड़ी हो सकती है। पारिवारिक वातावरण सुखमय बना रहेगा। लेकिन आपको अचानक किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि : व्यापार में होगा लाभ

व्यापार के मामले में आपके द्वारा पहले लिए गए निर्णय अब लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए आपको किसी व्यक्ति की मदद भी मिल सकती है। ऐसे में जरूरी काम समय पर पूरे होंगे। लेकिन यात्रा के दौरान सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

धनु राशि : समय रहेगा अनुकूल

परिवार में मांगलिक कार्य आयोजित होने के चलते आप कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज पर कम ध्यान दे पाएंगे। बिजनेस के मामले में बुद्धिमानी से लिए गए फैसलों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल रहेगा, लेकिन कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचें अन्यथा नुकसान हो सकता है। हालांकि, पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।

मकर राशि : कार्यक्षेत्र की समस्याएं होंगी दूर

अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से किसी विवाद या समस्या का सामना कर रहे थे, तो अब आपको उससे छुटकारा मिल सकता है। इससे थोड़ी राहत महसूस होगी। वहीं, व्यापार के मामले में किसी मित्र की सहायता से आपके रुके हुए जरूरी काम पूरे हो सकते हैं। प्रोजेक्ट में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, निजी जीवन में आपकी मुलाकात किसी पुराने दोस्त से हो सकती है।

कुंभ राशि : विरोधियों से सावधान रहें

कार्यस्थल पर आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा वे आपके कार्यों में बाधा डाल सकते हैं। वहीं, आपको अपने आसपास के गलत और सही लोगों में पहचान करनी होगी। साथ ही, आर्थिक व व्यापारिक मामलों में भी फैसले सोच-समझकर लेने जरूरी होंगे। नौकरी करने वालों को अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत की जरूरत होगी।

मीन राशि : जोखिम भरे कार्यों से बचें

स्वास्थ्य में गिरावट देखने को मिल सकती है, जिसके चलते कामकाज में भी कम रुचि रहेगी। वहीं, व्यापार के मामले में आपको यात्राओं के दौरान समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आपको इस समय कोई भी जोखिम भरा निर्णय लेने या कार्य करने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। इस वक्त सेहत पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी रहेगा।

अटूट भक्ति और अखण्ड विश्वास मृत्यु के देवता को भी पराजित कर देता है महामृत्युंजय मंत्र

ओम त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।

पद्म पुराण उत्तर खण्ड के अनुसार मृकण्डु मुनि के कोई संतान नहीं थी, संतान प्राप्ति हेतु मुनि ने सपत्नीक भगवान शिव की आराधना की। भगवान शिव उनकी तपस्या से अत्यन्त प्रसन्न हुए और वर मांगने को कहा। मुनि ने पुत्र प्राप्ति की कामना व्यक्त की तो भगवान शिव बोले, 'हे मुने! तेजस्वी, बुद्धिमान, ज्ञानी, चरित्रवान पुत्र चाहते हो तो वह मात्र सोलह वर्ष तक जीवित रहेगा। अज्ञानी और चरित्रहीन पुत्र पूर्ण आयु वाला होगा। आप कैसा पुत्र चाहते हैं।' मुनि ने अल्पायु वाला गुणवान पुत्र ही मांगा। शिव की कृपा से मुनि को गुण संपन्न पुत्र की प्राप्ति हुई। मुनि ने उसका नाम मार्कण्डेय रखा।

समयानुकूल उसकी शिक्षा-दीक्षा चलती रही। मृत्यु का समय निकट आता जानकर मुनि चिंतित रहने लगे। एक दिन पुत्र ने जब उनकी उदासी का कारण जानना चाहा तो मुनि ने पुत्र को पिछली बातें बताईं। मार्कण्डेय को अपनी साधना पर अटूट विश्वास था, उन्होंने प्रण किया कि मैं भगवान मृत्युञ्जय को प्रसन्न कर पूर्णायु को प्राप्त करूंगा। इस प्रकार बालक मार्कण्डेय विधि-विधान से आशुतोष भगवान शिव शंकर की उपासना करने लगे।

मार्कण्डेय जी द्वारा जप किया गया मंत्र इस प्रकार है, ॐ हौं जूं सः। ॐ भूर्भुवः स्वः। ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्। स्वः भुवः भूः ॐ। सः जूं हौं ॐ। यह सम्पुट युक्त मंत्र है।

सोलहवें वर्ष के अन्तिम दिन काल यानि मृत्यु के देवता उनके सम्मुख आ पहुंचा। मार्कण्डेय ने उनसे स्तोत्र को पूर्ण करने देने का आग्रह किया किन्तु मृत्युदेव ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। जब काल ने मुनि मार्कण्डेय के प्राण हरण करने चाहे तो भगवान शिव लिंग से प्रकट हो गए। कथानक के अनुसार यमदेव भगवान से भयभीत होकर चले गए। पूजन की पूर्णता पर प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें अल्पायु दोष से मुक्त कर दिया।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करना विधि संगत है। मूल मंत्र का सवा लक्ष जाप कराके उसका दशांश हवन, हवन का दशांश तर्पण, तर्पण का दशांश मार्जन एवं मार्जन का दशांश ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए। मार्केण्डय ऋषि की अमरता भक्ति और साधना की अलौकिक गाथा है।

सूर्य ग्रहण पर सूर्य और शनि के बीच बनेगा समसप्तक योग

इन चार राशियों को लगेगा ग्रहण

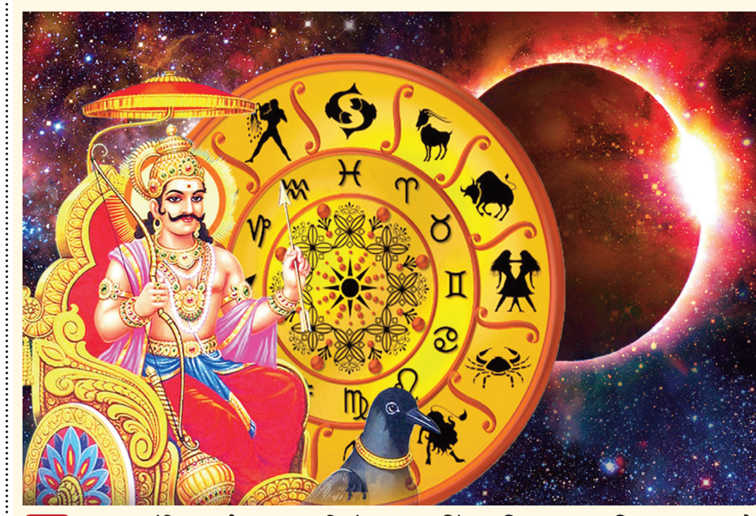

साल का अंतिम सूर्यग्रहण 21 सितंबर को कन्या राशि में लग रहा है। हालांकि, यह सूर्यग्रहण भारत में अदृश्य रहेगा लेकिन, कई अन्य देशों में यह दिखाई देगा। इस वजह से इसका प्रभाव सभी राशियों पर दिखाई देगा। साथ ही सूर्यग्रहण के दौरान सूर्य और शनि के बीच भी समसप्तक योग रहेगा। यानी दोनों एक दूसरे के आमने सामने रहकर दूसरे पर सप्तम दृष्टि डालेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य को केतु ग्रहण लगाता है। जोकि इस समय सिंह राशि में विराजमान हैं और सूर्य के बेहद नजदीक है। ऐसे में 4 राशियों के लिए सूर्यग्रहण काफी कष्टकारी साबित होने वाला है। मेष, सिंह सहित 4 राशियों को आने वाले 1 महीने तक करियर में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा और पारिवारिक जीवन में काफी समस्याएं बनी रहेगी। सूर्यग्रहण से किन-किन राशियों पर ग्रहण लगने जा रहा है।

मेष राशि की बढ़ेंगी आर्थिक परेशानियां

यह सूर्यग्रहण मेष राशिवालों के छठें भाव में लगने जा रहा है। साथ ही इस समय मेष राशिवालों की साढ़ेसाती भी चल रही है। ऐसे में इस ग्रहण काल के दौकान शनि की प्रतिकूलता और अधिक बढ़ने वाली है। जिस वजह से आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

साथ ही आपके लिए आर्थिक परेशानियां भी काफी सारी रहने वाली हैं। बात करें आपकी पर्सनल लाइफ की तो इस अवधि में आपके रिश्तों में काफी उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है। लव लाइफ में काफी दूरियां रह सकती हैं। अगर आप कोई बड़ा आर्थिक फैसला लेने का सोच रहे हैं तो फिलहाल, रुक जाएं और 1 महीने बाद ही इस दिशा में कोई कदम उठाएं।

सिंह राशि स्वास्थ्य बिगड़ सकता है

सिंह राशि से दूसरे भाव में यह सूर्यग्रहण लगने जा रहा है। इस समय आपकी राशि स्वामी सूर्य पीड़ित रहेंगे। तो ऐसे में सिंह राशि के लोगों को करियर में काफी दिक्कते आने वाली हैं। हो सकता है कि कार्यस्थल पर लोग आपके साथ बुरा व्यवहार करें। माता पिता के साथ भी आपके संबंध थोड़ा बिगड़ सकते हैं। नौकरीपेशा लोग अपने कामकाज से संतुष्ट नजर नहीं आएंगे और वह नौकरी में बदलाव करने का मन बना सकते हैं।

कन्या राशि रिश्तों में बढ़ेगा तनाव

साल का अंतिम सूर्यग्रहण कन्या राशि में ही लगने जा रहा है। ऐसे में कन्या राशि के लोगों को लिए भी परेशानियां बढ़ेंगी हालांकि, राशि स्वामी बुध भी इस समय विराजमान रहेंगे जिस वजह से यह अवधि आपके लिए मिलीजुली साबित होगी। इस अवधि में आपको अपनी पारिवारिक स्थिति का अधिक ध्यान रखने की जरूरत है। आपके अपने करीबियों के साथ रिश्ते थोड़े तनावपूर्ण साबित होंगे। इस अवधि में परेशानियां तो रहेंगी लेकिन, आप सभी समस्याओं का आसानी से समाधान निकाल लेंगे।

कुंभ राशि मेहनत का नहीं मिलेगा फल

साल के अंतिम सूर्यग्रहण आपकी राशि से आठवें भाव में लग रहा है। साथ ही इस समय आपकी राशि में राहु भी विराजमान हैं। ऐसे में कुंभ राशि के लोगों को करियर में एक नहीं बल्कि कई सारी दिक्कते आएंगी। आपको महसूस हो सकता है कि आपको अपनी मेहनत का पूरा फल नहीं मिल पा रहा है। घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह आपको विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जिस वजह से आप थोड़ा निराश हो सकता है। साथ ही आपको पेट से जुड़ी कई परेशानियां भी रहने वाली हैं।

बार-बार पड़ते हैं अगर बीमार तो हो सकता है वास्तु दोष

मौसम के बदलने के साथ ही बीमारियों का होना सामान्य बात है। मगर, क्या एक के बाद एक घर का कोई न कोई सदस्य किसी न किसी बीमारी से परेशान रहता है। काफी कोशिशें करने के बाद भी बीमारी घर से जाने का नाम नहीं ले रही है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भारतीय वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि हमारे घर की संरचना, दिशा और ऊर्जा हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती है। अगर घर में नकारात्मक ऊर्जा या वास्तु दोष हो, तो व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ सकता है। एक स्वस्थ्य शरीर ही व्यक्ति का सबसे बड़ा धन होता है। कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति पूरी सावधानी रखने के बाद भी बार-बार बीमार पड़ने लगता है। इसका कारण खराब जीवनशैली और रोगप्रतिरोधक क्षमता का कम होना होता है लेकिन इसके अलावा वास्तु के सही न होने के कारण भी आपको रोग घेरने लगते हैं। यदि ऐसा है, तो संभवतः आपके घर में वास्तु दोष हो सकता है। ऐसे में आप वास्तु के कुछ उपाय करके इसे ठीक भी कर सकते हैं। इन उपायों को करने से आपके घर की निगेटिव एनर्जी भी दूर होगी, जिसका असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और परिवार की संपन्नता पर भी पड़ेगा।

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि अगर घर में नकारात्मक ऊर्जा या वास्तु दोष हो, तो व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ सकता है। घर में वास्तु का काफी गहरा महत्व होता है। वास्तु शास्त्र में भी कहा गया है कि हमारे घर की संरचना, दिशा और ऊर्जा उसमें रहने वाले लोगों के हेल्थ पर गहरा प्रभाव डालती है। आपके घर में निगेटिव एनर्जी या वास्तु दोष है तो वहां कोई न कोई बीमार हो सकता है। यदि घर में किसी प्रकार का वास्तु दोष हो तो आपको न केवल आर्थिक, पारिवारिक बल्कि स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में घर का वास्तु ठीक होना भी बहुत आवश्यक होता है। वास्तु में कुछ उपाय बताए गए हैं, जिनको करने से आप रोगों से छुटकारा पा सकते हैं।

जानें रोगों का कारण और उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आपके घर की उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा बंद हो या फिर दक्षिण-पश्चिम दिशा खुली हो तो इससे लगने वाले वास्तु दोष के कारण आपको धन संबंधित समस्याओं के साथ खराब स्वास्थ्य का सामना भी करना पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आपके घर की दक्षिण दिशा में दोष हो तो आपको अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए। जिससे आपको उनका आशीर्वाद मिलता रहे। रसोई में खाना बनाते समय सही दिशा में मुख रखना आवश्यक होता है यदि खाना बनाते समय आपका मुख दक्षिण दिशा में रखते हैं तो इससे भी कमर दर्द, जोड़ो में दर्द जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। इसलिए खाना बनाते समय अपना मुख हमेशा पूर्व दिशा में रखें। घर की ईशान दिशा यानि उत्तर पूर्व स्थान बहुत ही पवित्र माना जाता है। यदि कोई इस दिशा में शौचालय या फिर सीढ़ियां बनवाता है तो इस स्थिति में वास्तु दोष उत्पन्न होता है। जिसके कारण आपको मानसिक तनाव या मस्तिष्क से जुड़े रोगों का सामना करना पड़ सकता है। घर के ईशान कोण में हमेशा हल्का सामान और देवस्थान बनाना शुभ रहता है।

घर में आवश्यकता से अधिक दवाइंया भी बनती हैं रोग का कारण

हर घर में कुछ प्राथमिक उपचार की दवाइंया तो होती ही हैं लेकिन कुछ लोग अपने घर में गैर-जरूरी दवाइयों को रखे रहने देते हैं। घर में अनावश्यक रूप से और इधर-उधर रखी हुई दवाइंया भी रोगों का कारण बनती हैं। घर में यदि फालतू की दवाइंया रखी हुई हैं तो उन्हें तुरंत घर के बाहर निकाल दें। यदि रोगों के कारण कोई व्यक्ति बहुत कमजोर हो गया है तो उसके पास लाल रंग का कपड़ा रखें। लाल रंग ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

सोने की दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति को सिर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर रखकर सोना चाहिए। उत्तर दिशा की ओर सिर रखकर सोने से रक्त प्रवाह में बाधा आती है और बार-बार सिरदर्द, थकावट या अनिद्रा की समस्या हो सकती है। सोने की दिशा ठीक करने से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

बेड के नीचे न रखें कबाड़ या भारी सामान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोने वाले बिस्तर के नीचे खाली स्थान होना चाहिए। यदि आप वहां पुराने कपड़े, जूते, दस्तावेज़ या कबाड़ रखते हैं, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है जो स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। यह मानसिक तनाव, थकान और नींद की कमी का कारण भी बनता है। इसलिए बिस्तर के नीचे सफाई रखें और अनावश्यक वस्तुएं हटाएं।

शौचालय

अगर शौचालय उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में है तो यह सबसे बड़ा वास्तु दोष माना जाता है। इससे मानसिक तनाव, बीमारियाँ और रोगों की आवृत्ति बढ़ती है। इस स्थिति में रोज सुबह घर में गंगाजल का छिड़काव करें और वास्तु दोष निवारक उपाय अपनाएं।

बेडरूम में आईना न लगाएं

सोते समय अगर आईना व्यक्ति के शरीर को प्रतिबिंबित करता है, तो यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। यदि बेडरूम में आईना है तो सोने से पहले उसे कपड़े से ढँक देना चाहिए।

रसोईघर और बाथरूम आमने-सामने न हों

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि यदि रसोई और बाथरूम आमने-सामने हों तो यह अग्नि और जल तत्वों का टकराव दर्शाता है। इससे घर के सदस्यों में बीमारियाँ और तनाव बढ़ सकता है। इस स्थिति में रसोई के द्वार पर लकड़ी की पट्टी या लाल पर्दा लगाना शुभ होता है।

सूर्य का प्रकाश

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के भीतर प्रातःकाल सूर्य का प्रकाश अवश्य आना चाहिए। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। सूर्य के प्रकाश से विटामिन डी भी मिलता है, जो हड्डियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उत्तर-पूर्व दिशा को साफ-सुथरा रखें

ईशान कोण को भगवान का स्थान माना गया है। यहां गंदगी या भारी सामान रखने से मानसिक अशांति, थकावट और बीमारियाँ बढ़ती हैं। इस दिशा को साफ, हल्का और मंदिरयुक्त रखना चाहिए।

पानी के स्रोत को सही स्थान पर रखें

घर में पानी का टैंक या बोरिंग उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए। गलत दिशा में पानी के स्रोत मानसिक तनाव और रोग का कारण बन सकते हैं। यदि ऐसा हो, तो वास्तु दोष निवारक यंत्र या सलाहकार की मदद लें।

खाना खाने की दिशा

कभी-कभी आप खान-पान की गलत आदतों की वजह से भी बीमार हो सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना खाते समय पूर्व या उत्तर दिशा में मुंह करके ही बैठें। इससे पाचन तंत्र सही रहता है और खान शरीर में लगता है। इससे बीमारियों का खतरा कम होता है। गलत दिशा में भोजन करने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही यह तनाव और चिंता को भी बढ़ाता है। भोजन करने वाले जगह को साफ और स्वच्छ रखें, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे। साथ ही खाने के समय को निश्चित करें। गलत समय पर खाना खाने से भी बीमारियों के होने का जोखिम रहता है।

घर के बाहर भी रखें सफाई

वास्तु के अनुसार, घर के मुख्य दरवाजे के सामने गड्ढा हो तो उसे तुरंत भर दें। कीचड़ या गंदगी को जमा न होने दें। इससे न सिर्फ बीमारी फैलाने वाले मच्छर और मक्खियां पनपते हैं, बल्कि यह मानसिक तनाव और निगेटिविटी को भी पैदा करता है। इन छोटे-छोटे उपायों से आप घर के सदस्यों को बार-बार बीमार होने से बचा सकेंगे।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

राइज एंड फॉल प्रतियोगी अर्जुन बिजलानी को मिस कर रही है पत्नी नेहा स्वामी

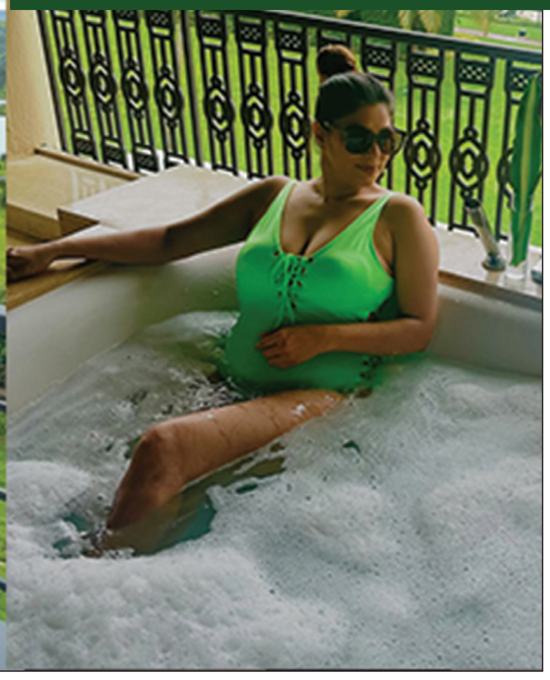

टीवी अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' में दिखाई दे रहे हैं। यहां पर उन्हें कंटेस्टेंट पवन सिंह ने मात देते हुए उनसे रूलर की गद्दी छीन ली है।वहीं दूसरी तरफ उनकी पत्नी नेहा स्वामी उन्हें बहुत मिस कर रही हैं। उन्हें याद करते हुए नेहा ने एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस पोस्ट में नेहा ने अर्जुन के साथ अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए नेहा ने लिखा, 13 दिन हो गए हैं जब से मैंने तुम्हारी आवाज नहीं सुनी। 13 दिन तुमसे बात किए बिना, तुम्हें अपने करीब महसूस किए बिना, और मैं तुम्हें कितना मिस कर रही हूं ये शब्दों में बयां नहीं कर सकती। उन्होंने आगे लिखा, मैं बस तुम्हें पकड़ना चाहती हूं, तुम्हारी आंखों में देखना चाहती हूं, और खुद को तुम्हारी बाहों में समेटना चाहती हूं। भले ही मैं तुम्हें शो में देख रही हूं, पर अब पहले जैसा नहीं रहा। तुम्हारे बिना घर सूना-सूना सा लगता है। मैं चाहती हूं कि तुम जान लो... मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। तुम शो में बहुत अच्छा काम कर रहे हो और मुझे तुम पर बहुत गर्व है। तुम्हारा हौसला, तुम्हारी ताकत, तुम्हारा दिल... सब कुछ बहुत खूबसूरत है।

पोस्ट के अंत में उन्होंने अर्जुन को ढेर सारा प्यार भेजा है और कहा कि वे उनके इंतजार में बैठी हैं। बता दें कि नेहा स्वामी और अर्जुन बिजलानी की शादी को 10 साल से अधिक का समय हो गया है। दोनों एक-दूसरे को 18 सालों से जानते हैं और एक-दूसरे से बेहद प्यार करते हैं। इनका एक बेटा भी है जिसका नाम अयान है।

नेहा और अर्जुन कॉलेज के दिनों में एक-दूसरे से प्यार करने लगे थे। अर्जुन ने हमेशा अपनी सफलता का श्रेय नेहा को दिया है और उन्हें अपना सहारा और ताकत बताया है। शो की बात करें तो 'राइज एंड फॉल' को बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं, जो अपनी बेबाक राय के लिए जाने जाते हैं। यह शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रतिदिन दोपहर 12 बजे स्ट्रीम हो रहा है। इसे सोनी टीवी चैनल पर रात को 10:30 बजे प्रसारित किया जा रहा है।

आसमानी लहंगे में सजी आमना शरीफ, हर अदा में झलका फितूर

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस आमना शरीफ अपने स्टाइलिश और पारंपरिक लुक के लिए पहचानी जाती हैं, और इस बार भी उन्होंने अपने लुक से सभी का दिल जीत लिया है। आमना ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसने उनके फैंस और फॉलोअर्स के बीच काफी चर्चा बटोरी है।तस्वीर में आमना शरीफ आसमानी रंग के लंहगे में नजर आ रही है, जो उन्हें शाही और आकर्षक लुक दे रहा है। इस लहंगे के साथ उन्होंने एक नेट का दुपट्टा लिया हुआ है, जिस पर गोल्डन जरी का काम है। उन्होंने माथे पर मांग टीका, कानों में भारी झुमके और हाथों में लहंगे से मैच करती चूड़ियां पहनी हुई हैं। साथ ही अपने बालों को हल्के वेव्स के साथ स्टाइल किया है, जिससे एक सॉफ्ट और नैचुरल लुक उभर कर सामने आ रहा है। हल्का आई मेकअप और ग्लोइंग स्किन टोन के साथ उन्होंने अपने मेकअप को लाइट रखा है। इस फोटो के साथ उनका कैप्शन भी काफी दिलचस्प है। उन्होंने कैप्शन में 'फितूर' शब्द का इस्तेमाल किया है, जो उनके इस लुक के पीछे के जज्बात को दर्शाता है।

बता दें कि आमना शरीफ ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग के जरिए की। उन्हें कॉलेज के दौरान ही ब्रांड विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो के ऑफर मिलने लगे थे। अभिजीत भट्टाचार्य के पॉपुलर वीडियो 'चलने लगी हैं हवाएं' से उन्हें पहली पहचान मिली। इसी दौरान एकता कपूर के शो 'कहीं तो होगा' में उन्हें कशिश का रोल मिला, जिसने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। राजीव खंडेलवाल के साथ उनकी केमिस्ट्री 3 शानदार एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया। यह शो 2000 के दशक के सबसे सफल धारावाहिकों में शामिल रहा।

टीवी की सफलता के बाद आमना ने फिल्मों की ओर रुख किया। वह 'आलू चाट', 'आओ विश करें', और 'एक विलेन' जैसी फिल्मों में नजर आईं। 2013 में उन्होंने प्रोड्यूसर अमित कपूर से शादी की और 2015 में बेटे के जन्म के बाद एक्टिंग से कुछ समय का ब्रेक लिया। 2019 में उन्होंने 'कसौटी जिंदगी की 2' में कोमोलिका का किरदार निभाकर वापसी की। इसके बाद उन्होंने वेब सीरीज 'डैमेज्ड 3' और 'आधा इश्क' से ओटीटी पर भी पहचान बनाई।

जब फिजिक्स की क्लास में आयुष्मान ने लिखी अपनी पहली मोहब्बत की इबारत ताहिरा को गाने से किया था इम्प्रेस

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपने अभिनय और गायिकी से फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान बना चुके हैं। उनकी पर्सनल लाइफ भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। अक्सर देखा जाता है कि बड़े सितारों की लव स्टोरी में उतार-चढ़ाव, झगड़े और अलगाव की बातें आती हैं, लेकिन आयुष्मान और उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप की कहानी इन सबसे बिल्कुल अलग है।दोनों की मुलाकात ट्यूशन में हुई थी और तब से लेकर आज तक उनकी दोस्ती, प्यार और शादी की कहानी एकदम सिंपल और खूबसूरत रही है। इस रियल लाइफ रोमांस ने न सिर्फ उनकी जिंदगी को संवार दिया, बल्कि आयुष्मान के करियर को भी नई उड़ान दी।

आयुष्मान खुराना का जन्म 14 सितंबर 1984 को चंडीगढ़ में हुआ था। उनका असली नाम निशांत खुराना है। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग और गायिकी में रुचि थी। उन्होंने चंडीगढ़ में अपनी स्कूलिंग और कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। स्कूल के दिनों में ही उनकी मुलाकात ताहिरा कश्यप से हुई। दोनों की पहली मुलाकात 12वीं क्लास के दौरान फिजिक्स के ट्यूशन में हुई थी। दोनों का परिवार भी एक-दूसरे को जानता था, इसलिए उनकी दोस्ती धीरे-धीरे गहरी होती गई। आयुष्मान ने अपने पापा के साथ मिलकर ताहिरा को 'हमें तुमसे प्यार कितना' गाना सुनाया, जिससे ताहिरा बहुत प्रभावित हुई थीं।आयुष्मान और ताहिरा एक-दूसरे को बचपन से समझते आए हैं। दोनों ने करीब 12 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और साल 2008 में शादी के बंधन में बंध गए।

हर्षवर्धन राणे की 'एक दीवाने की दीवानियत' का नया गीत 'बोल कफ्फारा क्या होगा' का टीजर रिलीज

अभिनेता हर्षवर्धन राणे की मोस्ट अवेटेड अपकमिंग फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' का नया गाना 'बोल कफ्फारा क्या होगा' जल्द रिलीज होने वाला है, मेकर्स ने शनिवार को इसका टीजर जारी किया है।अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का टीजर जारी किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, टूट के बिखर गया है, ये दिल अपना बेचारा अब 'बोल कफ्फारा क्या होगा'। गाना 15 सितंबर को यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा। एक दीवाने की दीवानियत इस दिवाली सिनेमाघरों में 21 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा।

टीजर में गाने की झलक दिखाई गई है, जिसमें हर्षवर्धन का किरदार एक गहरी भावनात्मक यात्रा से गुजरता नजर आ रहा है। वहीं, अभिनेत्री गाने में डांस करती नजर आ रही हैं।

टीजर को देखकर फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और गाने के रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह गाना और फिल्म दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगी।नेहा कक्कड़ और फरहान साबरी ने गाने को अपनी आवाज दी है। वहीं, म्यूजिक डीजे चेतस और लिजो जॉर्ज ने दिया है और इसके लिरिक्स समीर अंजान ने लिखे हैं।रोमांटिक ड्रामा मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' का टीजर जारी हो चुका है। टीजर में प्यार, नफरत और दिल टूटे आशिक की संवेदनाओं को दिखाया गया है। इसकी शुरुआत होती है एक शायरी से, तेरे लिए मेरा प्यार तेरा भी मोहताज नहीं, ये मरते दम तक रहेगा, सिर्फ आज नहीं।

इसके सह-निर्माता राघव शर्मा हैं। वहीं, इसे अंशुल गर्ग के बैनर देसी म्यूजिक फैक्टरी के तहत निर्माण किया जाएगा। वहीं, इसकी कहानी मुश्ताक शेख और मिलाप जावेरी ने मिलकर लिखी है।फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में पहली बार दोनों ऑन-स्क्रीन साथ में नजर आएंगे। पहले इस फिल्म को 2 अक्टूबर को रिलीज किया जाना था, मगर बाद में इसे आगे बढ़ा दिया गया। अब ये 21 अक्टूबर को रिलीज होगी।

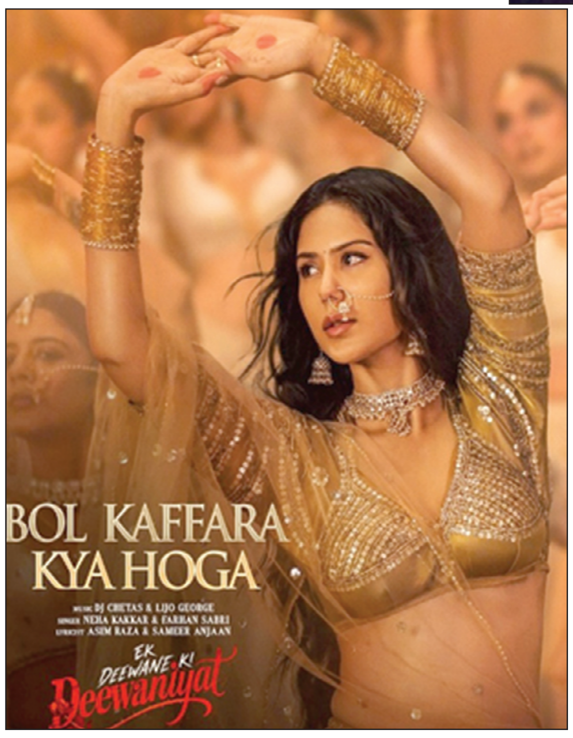

'मंकी इन ए केज' फिल्म को नजरअंदाज करना मुश्किल : सबा आजाद

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) के स्पेशल प्रेजेंटेशंस सेक्शन में फिल्म 'मंकी इन ए केज' को प्रदर्शित किया गया। अनुराग कश्यप की निर्देशित फिल्म में सबा आजाद ने मुख्य भूमिका निभाई। अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने बताया ।सबा आजाद ने बताया कि उनके किरदार खुशी को निभाने के लिए उन्हें एक जटिल और नैतिक रूप से पेचीदा दुनिया में कदम रखना पड़ा।उन्होंने कहा, ''अभिनय का मतलब यह नहीं है कि हमें उन सभी अनुभवों से गुजरना पड़े जो हमारे किरदारों ने किए हैं, बल्कि यह है कि हम उन पात्रों के साथ सहानुभूति कर सकें, चाहे वे कितने भी नैतिक रूप से उलझे हुए हों। मैंने खुशी के किरदार के साथ-साथ सहानुभूति रखने की पूरी कोशिश की।''

सबा ने आगे कहा कि अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों के मन में लंबे समय तक रहती हैं।उन्होंने कहा, ''अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ती हैं। दर्शक जब थिएटर से बाहर निकलते हैं तो उनके दिमाग में फिल्म की कहानी का असर होता है। यह भी ऐसी ही फिल्म है, जो जरूर चर्चा पैदा करेगी और अलग-अलग लोगों में विरोधाभासी भावनाएं जगाएगी। लोग इसे पसंद करेंगे, हो सकता है कुछ लोग इसे नापसंद भी करें, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे।''फिल्म में बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी जैसे कलाकार भी हैं।

'मंकी इन ए केज' एक संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म है, जो एक सुपरस्टार पर लगे रेप के आरोप और इसके आसपास के सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को दिखाती है।

बॉबी देओल के साथ अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में सबा ने बताया कि उनकी शुरुआत में सामान्य बातचीत हुई, लेकिन जैसे-जैसे काम करना जारी रखा, उनकी बॉन्डिंग और भी मजबूत हो गई। उन्होंने बॉबी की तारीफ करते हुए कहा, ''बॉबी एक बड़े दिल वाले कलाकार हैं, वह फिल्म में पूरी ईमानदारी के साथ अपना किरदार निभाते हैं। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था।''

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़राब दौर हमें बहुत–कुछ देता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सूखे–सद–ीले दौर के बाद आपको धूप नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से तुरंत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आज आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात आज आपके जुबान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सद–पयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुजुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़बसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बर्ताव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 सितंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 11:38 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 07:06 तक
योग : सिद्ध रात्रि 08:41 तक
करण : गर प्रातः 11:29 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 07:06 तक
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:14 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:18 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:10 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , त्रयोदशी श्राद्ध , प्रदोष व्रत , युगादि तिथि , मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा रात्रि 11:37 से

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयत्र का शिलान्यास 25 को

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 सितम्बर को बांसवाड़ा से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर केन्द्र व राज्य सरकार की लगभग 1 लाख 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की सौगात देने जा रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयत्र का शिलान्यास करेंगे, जो कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में ऐतिहासिक कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में श्री मोदी राजस्थान सहित कई राज्यों की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं भी देशवासियों को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित बांसवाड़ा दौरे (25 सितंबर) की तैयारियों को लेकर शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी तय जिम्मेदारियों के अनुसार काम कर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी बीकानेर–दिल्ली केन्ट वन्दे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर–दिल्ली केन्ट वन्दे भारत एक्सप्रेस एवं उदयपुर सिटी–चण्डीगढ़ एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ करेंगे। इस कड़ी में बीकानेर, जोधपुर एवं उदयपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों की तैयारियां पूर्ण की जाए। उन्होंने पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों एवं प्रधानमंत्री के मध्य संवाद कार्यक्रम के लिए भी ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

बैठक में शर्मा ने कहा कि आयोजन स्थल पर आमजन के लिए बैठक, पेयजल, आवागमन सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे किसी भी तरह की असुविधा ना हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गृह और परिवहन विभाग यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्थाएं करें। इसके लिए विशेष तौर पर अधिकारी भी नियोजित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुख्य कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के माध्यम से सभी जिला मुख्यालयों, नगर निकायों एवं ग्राम पंचायतों को जोड़ा जाए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं संचार विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को भी आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे तथा संभागीय आयुक्त उदयपुर एवं जिला कलक्टर बांसवाड़ा वी.सी. के माध्यम से जुड़े।

राहुल गांधी के पास कोई काम नहीं बचा : दीया कुमारी

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार सुबह सेवा पखवाड़ा के तहत जयपुर के जंतर–मंतर पर सफाई अभियान चलाया। स्वदेशी अभियान को लेकर उन्होंने कहा कि बाहर की चीज हमें बिल्कुल उपयोग में नहीं लेनी चाहिए। दौरान उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी और कांग्रेस के पास कोई काम बचा नहीं है। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने सफाईकर्मियों का सम्मान किया और उनसे बात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

दीया कुमारी ने कहा कि हमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हमें सफाईकर्मियों का सम्मान करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें जो संदेश दिया, उसकी पालना एक अच्छे नागरिक के तहत हमें करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेहतर राष्ट्र के लिए हमारा जो सहयोग है, वह सहयोग इस भारत को और बड़ा बनाता है। प्रधानमंत्री ने इस राष्ट्र के लिए जो मैसेज कर दिया, वह भी हमारे लिए बहुत ज्यादा जरूरी है।

राहुल गांधी को लेकर दीया कुमारी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस के पास कोई काम नहीं बचा है। राजस्थान में सदन चलता है तो उनके पास कोई मुद्दा नहीं होता। अब ये लोग कैमरे का मुद्दा लेकर आ गए हैं। इनके पास जनता का कोई मुद्दा नहीं है, इसीलिए वे ये मुद्दा उठा रहे हैं।उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सदन में जनता का मुद्दा उठाती तो जनता का फायदा हो सकता था, लेकिन न उनके सभी नेता सदन में आते है न ही कोई सही मुद्दा उठाते हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि जनता यह जान चुकी है कि विपक्ष देश की जनता को गुमराह कर रहा है और निचले स्तर की राजनीति कर रहा है।उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव से पहले राहुल गांधी कभी वोट चोरी, कभी कोई तो कभी कोई मुद्दा लेकर आते हैं, लेकिन यह सारे हथकंडे कांग्रेस के चलने वाले नहीं हैं।

वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्रवाई

9 करोड़ 59 लाख की जीएसटी चोरी पकड़ी

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य में बोगस, फेक फर्मो द्वारा की जा रही राजस्व क्षति रोकने के लिए राज्य कर विभाग सर्तक है। विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन में इस सम्बंध निरन्तर की जा रही कार्रवाई की कड़ी में प्रवर्तन शाखा प्रथम की टीम ने जयपुर स्थित विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल एरिया में आयरन एवं स्क्रेप का कागजी कारोबार करने वाली दो फर्मों बाबा मैटल्स तथा खण्डेलवाल एण्टरप्राईजेज पर एक साथ सर्च और सर्वे की कार्रवाई की। मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर 29 सितम्बर तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

मुख्य आयुक्त ने बताया कि कार्रवाई से पूर्व विभाग ने जीएसटी पोर्टल पर दोनों फर्मो के खरीद फरोख्त संबंधी आंकड़ो का विश्लेषण किया तथा अपने गुप्त स्त्रोतों से इन फर्मो की व्यापारिक गतिविधियों की सूचना जुटाई । इस दौरान पाया गया कि दोनों फर्मो का संचालन मास्टरमाइंड महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा किया जा रहा है। विभागीय जांच में स्पष्ट हुआ कि महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा अपनी दोनों फर्मो में कूटरचित बोगस बिलों के आधार पर कुल 53 करोड़ 27 लाख रूपये की खरीद दिखाकर 9 करोड़ 59 लाख रूपये की राजस्व हानि की गई है। महेन्द्र खण्डेलवाल ने सुनियोजित तरीके से राज्य के बाहर स्थित आयरन एवं स्क्रेप के बोगस कारोबारियों से संबंध स्थापित किये तथा दिल्ली, उत्तरप्रदेश, आगरा स्थित बोगस फर्मो से बिलों की खरीद कर आगत कर (आईटीसी) का अनुचित लाभ लेकर राजस्व की हानि की।

प्रथमाचार्य शांतिसागर महाराज 70वां समाधि वर्ष भक्ति भाव से मनाया

टोंक, 18 सितंबर (एजेंसियां)। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर महाराज 34 साधुओं सहित अतिशय क्षेत्र टोंक में 34 साधुओं सहित विराजित है। वर्षायोग समिति एवं जैन समाज द्वारा आचार्य शांतिसागर महाराज का 70वां समाधि वर्ष आचार्य वर्धमान सागर का 76वां वर्ष वर्धन अवतरण दिवस पर समाधिस्थ मुनि चिन्मय सागर की भावांजलि सभा आयोजित हुई। आचार्य शांतिसागर के अंतर विलय समाधि वर्ष एवं आचार्य वर्धमान सागर के जन्म दिवस पर विभिन्न द्रव्यों से भक्ति सहितपूजन की गई। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर ने प्रथमाचार्य शांति सागर के गुणानुवाद भावांजलि में बताया कि 18 सितंबर 1955 को 36 दिन की सल्लेखना के बाद आपकी समाधि हुई। आचार्य ने 9 के अखंड अक्षय अंक का आचार्य शांति सागर से संयोग बताया कि 18 का योग 9, सितम्बर माह का क्रमांक 9, जन्म दिनांक 27 का योग 9, आपने 36 दिन की संलेखना ली 36 का योग 9 यह अंक अध्यात्म का प्रतीक हैं। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य ने आगे मुनि चिन्मय सागर के बारे में बताया कि दीक्षा गुरु ने नाम सोच कर चिन्मय रखा जो चेतना, चिंतन का प्रतीक हैं। क्षपक साधु की उत्कृष्ट समाधि मरण होने कम से कम दो भव ओर अधिकतम 8 भव जन्म में मोक्ष जाते है। आप लोग बच्चो के नाम ऊटपटांग रखने के बजाय नन्हें बालक–बालिकाओं के नाम तीर्थंकर आचार्य मुनियों महापुरुषों के नाम पर रखना चाहिए। नाम का जीवन पर गहरा प्रभाव होता हैं। वर्ष 1989 में दीक्षा के बाद गुरु से वियोग वर्ष 1990 में होने पर भी दीक्षा गुरु के आदेश, संकेत का पालन कर हमारे संघ में पूर्ण समर्पण और गुरु भक्ति से 35 वर्ष साथ रहे। आचार्य की भावांजलि के पूर्व राजेश पंचोलिया इंदौर, विनोद, विपुल पारसोला, प्रतिष्ठाचार्य पंडित हंसमुख, ओमप्रकाश भौरावत, आर्यिका पद्मयश मति महायशमति, देशनामति, निर्मुक्तमति, विलोक मति, वत्सलमति चैत्यमति शुभमति मुनि प्रणीतसागर, मुमुक्षुसागर, प्रबुद्ध सागर, चिंतन सागर ने आचार्य शांति सागर, आचार्य वर्धमान सागर एवं मुनि चिन्मय सागर का गुणानुवाद कर उनकी गुरुभक्ति समयबद्धता, अनुशासन, समर्पण के बारे में बताया। सभी साधुओं ने दीक्षागुरु आचार्य वर्धमान सागर द्वारा विगत वर्षों में कराई उत्कृष्ट समाधि मरण को स्मरण किया। मुनि हितेंद्र सागर ने समाज के युवाओ द्वारा प्रतिदिन मुनि चिन्मय सागर को अभिषेक ओर विधान की प्रशंसा की।

हरियाणा सरकार गुरुग्राम की जनता को नहीं देना चाहती विकास कार्यों का लाभ : दीपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मेट्रो विस्तार का काम गुरुग्राम में अभी पूरी तरह से शुरु भी नहीं हुआ कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने अपनी ही सरकार पर मेट्रो विस्तार में की जा रही देरी को लेकर तंज कस दिया है। वहीं, कांग्रेस भी समय–समय पर भाजपा सरकार पर हमला कर आरोप लगाती रही है कि प्रशासन व सरकार इस योजना के विस्तार को लेकर गंभीर रहीं है।

रोहतक से लोकसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि भाजपा ने हरियाणा से केवल छीनने का काम किया है और विकास परियोजनाओं में देरी की है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बीजेपी सरकार को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए मेट्रो विस्तार की परियोजनाओं में देरी की बात स्वीकार की है। कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने तो गुरुग्राम को रैपिड मेट्रो व मेट्रो देने का काम किया, जबकि भाजपा ने मेट्रो की परियोजना में अड़ंगा लगा दिया। इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा सरकार में किस प्रकार फाइल को दबाया जाता है।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने सवाल उठाया कि कई वर्षों से मेट्रो परियोजना ही क्यों रुकी हुई है। जिस मेट्रो के नाम पर भाजपा राजनीति करती है, वह मेट्रो बीजेपी सरकार आने के बाद 1 इंच भी

हरियाणा की तरफ नहीं बढ़ी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर जनता की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा सरकार जनता की समस्याओं का क्या समाधान करेगी, भाजपा अपने आप में एक बड़ी समस्या है।

भाजपा सरकार 11 साल के अपने काम जनता को बताए। गुडग़ांव में मेट्रो लाने वाली कांग्रेस ही सरकार बनने के बाद गुरुग्राम में मेट्रो का विस्तार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान कई किलोमीटर मेट्रो लाइन हरियाणा में बिछी। जबकि, मौजूदा सरकार में मेट्रो 1 इंच भी आगे नहीं बढ़ी। कांग्रेस सरकार बनने पर मेट्रो विस्तार के साथ–साथ रोजगार सृजन पर विशेष जोर रहेगा। क्योंकि मौजूदा सरकार ने हरियाणा को बेरोजगारी में नंबर वन बना दिया है।

सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि जो हरियाणा प्रदेश विकास के मामले में नंबर वन था, आज उसी प्रदेश में भाजपा सरकार अपराधों को बढ़ावा देने में लगी है। जो प्रदेश रोजगार देने में नंबर होता था और अब सबसे पीछे क्यों चला गया। सरकारी विभागों में लाखों पक्के पद खाली पड़े होने के बावजूद हरियाणा में सरकारी भर्तियां नहीं की जा रही। अगर कहीं कोई भर्ती हो रही है तो उन भर्तियों में हरियाणा के युवाओं को रोजगार देने की बजाए बाहर के युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है।

विजिलेंस ने 4 करोड़ के घोटाले में लेखाकार को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम, 18 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए, एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी), गुरुग्राम ने आज एक बड़े घोटाले के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमरजीत के रूप में हुई है, जो इंटीग्रेटेड कोऑपरेटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम (आई.सी.डी.पी.) के कार्यालय में तत्कालीन लेखाकार था। यह मामला 2022–23 में शुरू हुए एक बड़े घोटाले से संबंधित है, जिसमें गुरुग्राम जिले की 26 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स), एक जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (डीसीसीबी) और तीन बैंक शाखाओं के लिए सौर ऊर्जा इकाई, कंप्यूटर, प्रिंटर और नोट गिनने की मशीनों की खरीद में ₹4,04,55,143 की वित्तीय हानि हुई थी।

जांच में खुलासा हुआ है कि आई.सी.डी.पी. के तत्कालीन महाप्रबंधक राजेश सहरावत और लेखाकार अमरजीत ने कंपनी मालिक स्टालियनजीत के साथ मिलीभगत कर इस घोटाले को अंजाम दिया। इन कंपनियों को लगभग ₹6.91 करोड़ का टेंडर दिया गया था, लेकिन उन्होंने घटिया गुणवत्ता का सामान सप्लाई किया, जिसकी वास्तविक कीमत लगभग ₹2.87 करोड़ थी। इसके बावजूद, आरोपियों ने पूरे ₹6.91 करोड़ का भुगतान कर दिया, जिससे सरकार को ₹4 करोड़ से अधिक का सीधा नुकसान हुआ। एसीबी ने इस मामले में पहले ही महाप्रबंधक राजेश सहरावत को गिरफ्तार कर लिया था, और अब अमरजीत की गिरफ्तारी हुई है। इस मामले का मुख्य आरोपी, कंपनी मालिक स्टालियनजीत अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसीबी हरियाणा ने ₹20,000 के नकद इनाम की घोषणा की है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की विरासत को नई पहचान और रफ्तार मिली : बड़ौली

चंडीगढ़, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी ने स्वाभिमान की भावना को जाग्रत करने का काम किया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की विरासत को नई पहचान व नई रफ्तार मिली है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार में देश और प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। बड़ौली ने गुरुवार को एथनिक इंडिया टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स, राई में आयोजित कार्यक्रम विरासत की हिफाजत में सहभागिता कर लोगों को देश की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और सुरक्षित रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा पुंज है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति विरासत को सहेजने

के साथ–साथ स्वच्छता का संकल्प लें और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भारत का निर्माण करें।

विरासत की हिफाजत कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी पेंटिंग्स के माध्यम से पर्यावरण, स्वच्छता और विरासत संरक्षण पर शानदार संदेश दिए। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने आयोजकों और प्रतिभागियों को इस नेक कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम अपनी 'विरासत' से वैश्विक पर्यटकों को जोड़ेंगे। युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी विरासत का भ्रमण करवाते हुए इतिहास से जोड़ा जाएगा।

बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे इस सेवा पखवाड़ा के दौरान ऐतिहासिक धरोहरों, स्मारकों, मंदिरों, गुरूद्वारों, झीलों, पार्कों एवं पर्यटक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी के 75वें जन्म दिन पर हरियाणा ने नया इतिहास रचा है। हरियाणा के हर जिले में भाजपा परिवार के कार्यकर्ताओं और समाज के हर वर्ग ने मिलकर महाश्रमदान कर स्वच्छता की मिसाल पेश की है। यह केवल एक स्वच्छता अभियान नहीं था, बल्कि मोदी जी को सेवा का अनूठा उपहार था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मंत्र स्वच्छता ही सेवा आज जन–जन का संकल्प बन गया है। बड़ौली ने कहा कि हमें सेवा पखवाड़े को जनसेवा का महा अभियान बनाना है और नायब सरकार की योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि नायब सरकार हर वर्ग की आकांक्षाओं के अनुरूप काम कर रही है।

अररिया में गंगाजल कांड : तेजाब से हमले में 10 युवक झुलसे, कुछ की आंखों की गई रोशनी, गांव में तनाव

अररिया (एजेंसियां)। बिहार के अररिया जिले में अजय देवगन की फिल्म जैसी घटना की पुनरावृत्ति देखने को मिली। धामा पंचायत के मटियारी वार्ड संख्या एक में बीती रात हुए तेजाब हमले में करीब दस युवक झुलस गए। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि कुछ की आंखों की रोशनी चली गई है। घायलों को अररिया सदर अस्पताल और महादेव चौक स्थित निजी नेत्र चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटना में शामिल होने के आरोप में छह लोगों को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, रंजीत यादव के घर के पास कुछ युवक स्मैक का नशा कर रहे थे। रंजीत ने उन्हें समझाने की कोशिश की और वहां से लौट गया। इसके बाद नशे में धुत युवकों ने रंजीत के भांजे की साइकिल तोड़ दी और गाली-गलौज शुरू कर दी। हंगामे की सूचना मिलते ही ग्रामीण जुट गए। स्थिति बिगड़ने पर नशेड़ी युवक एक घर में घुसकर कमरे में बंद हो गए। इसी दौरान गुस्साए ग्रामीणों ने कमरे के अंदर तेजाब फेंक दिया। तेजाब से हुए हमले में दस युवक बुरी तरह झुलस गए। चीख-पुकार के बीच ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

घटना में कुमोद यादव पिता शिव नारायण यादव, पंकज यादव पिता चंद्रमोहन यादव, रंजीत यादव पिता चंद्रमोहन यादव, प्रेमसागर पिता रंजीत यादव, सिंटू यादव पिता जयप्रकाश यादव, दीपक कुमार पिता नारायण यादव, नवीन कुमार पिता बीरेंद्र यादव, चंचला देवी पति मोती यादव, मुन्ना यादव पिता स्व. फुतुमलाल यादव और शिवनारायण यादव पिता स्व. फुतुमलाल यादव शामिल हैं। सभी घायल धामा पंचायत के मटियारी वार्ड संख्या एक के ही निवासी हैं।

घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। मामले की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ सुशील कुमार, नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात हैं। पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आवेदनकर्ता जयप्रकाश यादव ने महेश साह, प्रभु साह, राजा साह और रवि साह और तीन अज्ञात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है।

एसपी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सदर एसडीपीओ खुद मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। घायलों का इलाज कराया जा रहा है और सभी को हर संभव सहायता दी जा रही है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

पुलिस ने गांजा बिक्री के मामले में चार लोगों को पकड़ा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां विट्टल पुलिस ने बंटवाल तालुका में अवैध गांजा बेचने की कोशिश कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियाँ क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई का संकेत हैं।

आरोपियों की पहचान सनथ कुमार (23), मोहम्मद रजिक (23) और चेतन (23) के रूप में हुई है। ये सभी मंगलापदावु गाँव, विटला कसाबा के निवासी हैं। इन्हें अलिके गाँव में एरुम्बु रोड के पास से गिरफ्तार किया गया।

अभियान का नेतृत्व कर रहे पुलिस उप-निरीक्षक रामकृष्ण ने कहा हमारे नियमित दौरों के दौरान, हमें इलाके के पास एक दोपहिया वाहन के साथ घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली। पूछताछ करने पर, उन्होंने गांजा रखने और उसे बेचने की कोशिश करने की बात स्वीकार की। अधिकारियों ने 6.27 ग्राम गांजा, तीन मोबाइल फोन, एक छोटा चाकू और अभियान में इस्तेमाल किया गया दोपहिया वाहन जब्त किया। एसआई ने आगे कहा जब्त की गई मात्रा, हालाँकि कम है, संगठित गतिविधि का संकेत देती है। आगे की जाँच में चौथे आरोपी, ध्यान करकेरा (23) को एर्मे मजालू से गिरफ्तार किया गया, जो फिलहाल पुलिस हिरासत में है। पुलिस ने पुष्टि की है कि जाँच जारी है।

दिहाड़ी मजदूर की बेटी डॉक्टर बनने का सपना पूरा करने के लिए जीती 1 लाख की सीएम छात्रवृत्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला तालुका के रेंजाला की रहने वाली विनुता, जिसने आर्थिक तंगी के बावजूद मेडिकल की पढ़ाई करने का सपना देखा था, ने पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके और मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति प्राप्त करके सफलता हासिल की है। विधानसभा बैंक्वेट हॉल में आयोजित लोकतंत्र दिवस समारोह के दौरान, राज्य सरकार ने कर्नाटक भर के सरकारी आवासीय विद्यालयों के शीर्ष 15 छात्रों को एक-एक लाख रुपये की मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति प्रदान की। करकला के रेंजाला निवासी लीला और चिंगा की बेटी विनुता ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से यह पुरस्कार प्राप्त किया। मियारू मोराजी देसाई आवासीय विद्यालय की छात्रा, उसने अपनी पीयूसी परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब उसने अपनी मेडिकल शिक्षा पूरी करने के लिए मेंगलूरु के शारदा योग और प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय में दाखिला लिया है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सप्ताह के तहत हिंदी पर्व का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिंदी प्राध्यापक संघ, बेंगलूरु एवं हिंदी साहित्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सप्ताह हिंदी पर्व 2025 का आयोजन आभासी पटल के माध्यम से किया गया। अंतरराष्ट्रीय हिंदी पर्व में कर्नाटक के कई कॉलेज विश्वविद्यालय में भाग लिया। कार्यक्रम 8 से 14 सितम्बर तक प्रतिदिन अपराह्न 2:30 से 4 बजे तक आयोजित किया गया। इसमें देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान हिंदी साहित्य एवं भारतीय संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखें।

प्रथम दिवस का यह कार्यक्रम बिशप कॉटन वूमेनस क्रिश्चियन कॉलेज बेंगलूरु द्वारा आयोजित किया गया। इसमें प्रमुख वक्ता के रूप प्रोफेसर डॉ. सोमा बंदोपाध्याय कुलपति बाबासाहेब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय कोलकाता ने अनुवाद की परंपरा एवं भारतीय साहित्य पर अपने विचार रखें। सोमा ने अनुवाद की विस्तृत परंपरा को समझाते हुए भारतीय संदर्भ में उसके कई उदाहरण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर जया द्वारा किया गया। द्वितीय दिवस का आयोजन फिलोमीनास से कॉलेज द्वारा किया। जिसमें रूस से प्रमोद जुड़े जिन्होंने रूस में हिंदी का अध्ययन अध्यापन विषय पर अपना वक्तव्य दिया। तृतीय दिवस का आयोजन एन वी डिग्री कॉलेज कलबुर्गी में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर प्रभात शंकर प्रेमी जुड़े जिन्होंने 'द्विभाषा सूत्र त्रिभाषा सूत्र (कर्नाटक के संदर्भ में) अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कर्नाटक में हिंदी के साथ कन्नड़ की स्थिति की ओर भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। डॉ दयानंद शास्त्री विभागाध्यक्ष ने मंच का संचालन किया। चतुर्थ दिवस का आयोजन सीता देवी रतन चंद नाहर आदर्श कॉलेज में किया गया। अतिथि वक्ता कैलिफोर्निया से डॉ. दुर्गा सिन्हा 'उदार' ने ''वैश्विक परिदृश्य में हिंदी साहित्य लेखन भूमिका और उसका मनोवैज्ञानिक महत्व विषय पर अपना वक्तव्य दिया। मुख्य वक्ता डॉ. सिन्हा ने साहित्य को मनोवैज्ञानिक दृष्टि से प्रस्तुत करते हुए कहा कि साहित्य सृजन भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष अध्यक्ष डॉ. ज्योत्सना आर्य सोनी द्वारा किया गया। पंचम दिवस का कार्यक्रम एलाइंस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति नवीन चन्द्र लोहानी जुड़े। उन्होंने साहित्यिक भाषा के रूप में हिंदी विषय पर अपना व्याख्यान दिया। लोहानी ने साहित्यिक भाषा के रूप में हिंदी पर अपना व्याख्यान देते हुए हिंदी की समृद्ध परंपरा अभिव्यक्ति की व्यापकता, साहित्यिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा तिवारी ने किया। छटवें दिन का आयोजन संत फ्रांसिस कॉलेज द्वारा किया गया। जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में प्रोफेसर शंभू नाथ तिवारी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से जुड़े। कार्यक्रम का संचालन डॉ लतीफ अहमद द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतिम सप्तम दिवस का कार्यक्रम कर्नाटक कला विज्ञान बीदर द्वारा आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में रणेंद्र पूर्व निदेशक, रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान झारखंड से जुड़े। उनका वक्तव्य आदिवासी इतिहास, दर्शन और हिंदी पर केंद्रित रहा। भारत की आदिवासी संस्कृति अत्यंत प्राचीन, जीवंत और विविधतापूर्ण है। यहाँ प्रकृति के साथ सहजीवन, सामूहिकता और पारंपरिक ज्ञान की गहरी परंपरा मिलती है। लोकगीत, नृत्य, हस्तकला, लोककथाएँ और अनुष्ठान आदिवासी जीवन के मूल अंग हैं। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष अध्यक्ष गीता पोस्ते द्वारा किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा में सरस्वती वंदना के पश्चात कर्नाटक राज्य हिंदी विश्वविद्यालय प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. मंजूनाथ ने संघ की गतिविधियों के साथ कर्नाटक में हिंदी की दयनीय स्थिति के बारे में अपने विचार रखें। मुख्य वक्तव्य की समाप्ति के बाद संघ महासचिव डॉ. विनय कुमार यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पन्चान्हिका महोत्सव के द्वितीय दिवस 25 कुसुमांजली अर्पित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वाधान में श्री विमलनाथ जैन मंदिर एवं श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी बसवनगुडी के परम पवित्र प्रांगण में शतावधानी, महत्तरा पद विभूषित गुरुवर्या श्री चम्पाश्रीजी की पुण्य तिथि एवं तपस्वी रत्ना समता साधिका सुलक्षणाश्रीजी के आत्म श्रेयार्थ भव्य पंचाह्निका महा महोत्सव के द्वितीय दिवस को वी वी पुरम् से पधारे पन्यास प्रवर विवेक विजय जी की उपस्थिति में मुनिराज श्री मलयप्रभ सागरजी एवं श्री हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी द्वारा परमात्मा और गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त कर अर्हत महापूजन का भव्यारंभ हुआ। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाला महापूजन आराधना भवन के प्रांगण में भक्तिमय माहौल में विधिकारक विक्रम गुरुजी द्वारा विधि-विधान द्वारा पढ़ाया जा रहा है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि आज कुंभ स्थापना, दीपक स्थापना, ज्वारारोपण मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि परमात्मा के जिनार्चन के साथ सकल संघ द्वारा 25 कुसुमांजली अर्पित की गई। परमात्मा के माता पिता संघवी शांतिदेवी पुखराज, तेजराज गुलेच्छा परिवार, मोकलसर निवासी बने और परमात्मा के इन्द्र इन्द्राणी अमृतलाल महेन्द्र कुमार भंसाली परिवार तीखी निवासी बने। पंच परमेष्ठि पूजन का लाभ बाबूलाल, प्रवीण कुमार भंसाली परिवार गढ़ सिवाना निवासी ने लिया।

तेयुप विजयनगर द्वारा 39 रक्तदान शिविरों में 1127 यूनिट रक्त का संग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष पर रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद्, विजयनगर द्वारा बेंगलूरु में विभिन्न स्थानों पर 39 रक्तदान शिविरों का आयोजन बुधवार को किया गया, जिसमे 1127 यूनिट रक्त संग्रह किया। इसका उद्घाटन सत्र अर्हम भवन विजयनगर में सुबह 9 बजे अभातेयुप राष्ट्रीय संगठन मंत्री अमित सेठिया की अध्यक्षता में किया गया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष विकास बाँठिया ने पधारे हुए सभी गणमान्य अतिथि एवं प्रायोजक परिवार का स्वागत किया।

महासभा से प्रकाश लोढ़ा, अभातेयुप से दिनेश पोखरणा, तेरापंथी सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा महिमा पटावरी, स्थान एवं अर्थ सहयोगी अर्हम मित्र मंडल अध्यक्ष सुशील चौरडिया, प्रकाश मांडोत, प्रेम बाई भंसाली ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। इस अवसर पर मठ से स्वामिनारायण स्वामी जी, युवा गौरव एवं जीतो नॉर्थ अध्यक्ष विमल कटारिया, अभातेयुप परिवार, परिषद पूर्व अध्यक्षगण, परामर्शकगण, अणुव्रत समिति अध्यक्ष महेंद्र टेबा, शांतिलाल दक, विजयनगर स्पोर्ट्स क्लब अध्यक्ष सुरेश, तेयुप विजयनगर प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी सदस्य की उपस्थिति रही। संचालन उपाध्यक्ष पवन बैद ने किया। मंत्री एवं 17 सितम्बर के रक्तदान अभियान के संयोजक योगेश पोरवाड़ ने समस्त रक्तदान शिविरों के सहयोगी, स्थानीय प्रशासन, रेलवे एवं मेट्रो विभाग, पुलिस विभाग, स्थानीय राजनेता, आयोजन सहयोगी, कॉर्पोरेट्स, रामदेव भक्त मंडल, अर्थ सहयोगी अर्हम मित्र मंडल, लादूलाल अरिहंत कावड़िया, मालचंद नवीन गंग, जयंतीलाल बोहरा, राजेंद्र प्रवेश पिंचा, रमेश, गीतेश चावत, दीपक हेमंत टावरी, रूपचंद जैन, सहधार्मिक परिवार, साउथ जोन कोर्डिनेटर अमित दक, ब्लड बैंक टीम लायंस क्लब, रक्तदाताओं एवं समस्त संयोजकों व कार्यकर्ताओं के प्रति आभार ज्ञापन किया।

एमबीडीडी 2.0 एवं अभातेयुप के 61वें स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेयुप राजाजीनगर द्वारा मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव अमृत महोत्सव 2.0 एवं अभातेयुप के गौरवशाली 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को 24 स्थानों पर रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंच परमेष्ठि नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। स्थानीय जनसमुदाय ने इस सेवा कार्य की प्रशंसा करते हुए तेयुप के प्रयासों को सराहा। शिविर में कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव, बीएमआरसीएल अध्यक्ष प्रकाश मांडोत, अभातेयुप संगठन मंत्री अमित सेठिया, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने पधारकर शिविर का अवलोकन किया। कुल 24 कैंपों से ब्लड बैंकों के सहयोग से 683 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। ब्लड बैंकों ने परिषद परिवार को सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया। रक्तदान शिविर के प्रायोजक परिवारों में भंवरलाल, शांतिलाल पितलिया परिवार (पीपली बेंगलूरु), सुरेशकुमार, जितेश दक परिवार (पीपली बेंगलूरु) नवरत्ना ज्वैलर्स (राजाजीनगर), सुखराज, राजेश, जितेन्द्र कोठारी (राजाजीनगर), सुमन सुधा आभरणा प्राइवेट लिमिटेड (मल्लेश्वरम), मुकेश ज्वैलर्स (बसवेश्वरनगर), उन्नति डिजिटल्स (बसवेश्वरनगर), जेब्रानिक्स (एसपी रोड), जैनम लक्ष्मी नारायणपुरम ट्रस्ट श्रीरामपुरम, मणिभद्रा एनक्लेव, श्री आदर्श जैन नवयुवक मंडल मंजुनाथनगर शामिल थे। शिविर के सफल आयोजन में तेरापंथ सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, परामर्शक प्रवीण नाहर, पूर्व अध्यक्ष सतीश पोरवाड़, एमबीडीडी साउथ के नेशनल को-कन्वीनर कमलेश गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, वर्तमान अध्यक्ष जितेश दक, प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी एवं किशोर मंडल का अथक योगदान रहा। इसको सफल बनाने में प्रभारी सुनील मेहता, संयोजक सचिन हिंगड़ एवं सहसंयोजक अजिक्या चौधरी का विशेष श्रम रहा।

निगरानी विभाग की बड़ी कार्रवाई

60 हजार की रिश्वत लेते पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने गुरुवार को कैमूर जिले में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने पॉलिटेक्निक कॉलेज, मध्नहट्टा (मोहनिया) के प्रिंसिपल डॉ. अजय कुमार को 60 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक विप्लव कुमार ने बताया कि कॉलेज के एक प्रोफेसर ने आरोप लगाया था कि उनका मार्च से लंबित वेतन निकालने के एवज में प्रिंसिपल 60 हजार की रिश्वत मांग रहे थे। इस मामले में निगरानी थाना कांड संख्या 82/25 दर्ज की गई थी। शिकायत की जांच में रिश्वत मांगने का आरोप सही पाया गया। इसके बाद डीएसपी विप्लव कुमार के नेतृत्व में करीब 10 सदस्यीय टीम गठित की गई।

5 महीने पहले हुई थी शादी, गंदा आरोप लगाकर नवविवाहिता की ले ली जान

पटना (एजेंसियां)। पटना में एक नवविवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसकी शादी सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। हालांकि इस घटना में पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला बिहटा थाना क्षेत्र के दोघरा गांव की है।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि विक्रम थाना क्षेत्र के आंध्र चौकी गांव निवासी पुनीता (21) की शादी पाँच महीने पहले बिहटा थाना क्षेत्र के दोघरा गांव के गुड्डू कुमार रोही से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले लगातार दहेज के लिए पुनीता को प्रताड़ित कर रहे थे, जिसमें वे गाड़ी, सोने की चेन और पैसों की मांग कर रहे थे। इसी बीच लड़के पक्ष को पुनीता पर किसी से अवैध संबंध का शक हुआ, जिसके बाद ससुराल वालों ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के संबंध में पुनीता के भाई मनीष कुमार ने बताया कि रक्षाबंधन के मौके पर मायके आने के बाद 12 सितंबर को उसके पति ने उसे बिक्रम बाजार बुलाया, जिसके बाद से वह लापता हो गई थी। काफी तलाश के बाद जब उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चल पाया तब उन्होंने बिक्रम थाना में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुनीता के परिजनों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही के कारण कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बाद में, लड़का के पिता ने फोन पर परिजनों को उनकी बेटी की हत्या की सूचना दी।

लड़का के पिता के द्वारा मिली जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उससे पूछताछ की। आरोपी ने पुलिस को पहले तो गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसने हत्या की बात कबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com